बालाघाट
बुधवार 15 अक्टूबर 2025
कार्तिक कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 24
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	~	82,029.98
निफ्टी	~	25,145.50
सोना	~	11,76,500
चांदी	~	1,89,000
डॉलर	~	88.80

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

डेढ़ करोड़ ईनामी पोलित ब्यूरो सदस्य

सोनू उर्फ़ भूपति का गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण!

महाराष्ट्र: खतरनाक नक्सली वेणुगोपाल राव ने डाले हथियार, 60 अन्य नक्सलियों ने भी किया सरेंडर

महाराष्ट्र सीएम से मिलने पहुंचे. अन्य टॉप नक्सलीयों के भी सरेंडर करने की उम्मीद

गढ़चिरोली, पदमेश न्यूज़ । नक्सल संगठन की रीढ़ माने जाने वाले डेढ़ करोड़ के ईनामी, नक्सल संगठन के शीर्ष नेताओं में से एक सोनू उर्फ़ भूपति ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली पुलिस के समक्ष आत्मसर्पण किया है। एक जानकारी में यह बात सामने आई है कि सोनू ने करीब 60 नक्सल सदस्यों के साथ हथियार डाले हैं।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस को नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है, जहां खतरनाक नक्सली मल्लौजुला वेणुगोपाल राव (सोनू) ने 60 अन्य नक्सलियों के साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए हैं। यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियानों का परिणाम है, जिसका उद्देश्य देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करना है।

सोनू दादा नक्सल संगठन के पोलित ब्यूरो का सदस्य था। यह पहला पोलित ब्यूरो का सदस्य है जिसने आत्मसमर्पण किया है। सोनू दादा नक्सल संगठन में सबसे सीनियर भीतर, बाहर की दुनिया के साथ संवाद का प्रभारी बनाया गया था। वह अभय के नाम से प्रेस नोट जारी करता था। इससे पहले इतने बड़े किसी नक्सल नेता ने आत्मसमर्पण नहीं किया है। सितंबर 2025 में तेलंगाना की सेंट्रल कमेटी की सदस्य सुजाता ने आत्मसमर्पण किया था। गढ़चिरौली एसपी नीलोत्पल ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी 24 घंटे बाद ही लंबे समय से पुलिस को तलाश थी। सूत्रों का कहना है कि सोनू दादा उर्फ भूपति ने 60 नक्सलियों के साथ हथियार डाला है। वहीं हथियारों की 60 और एसजेडसी मेम्बर और डीवीसी भी शामिल दे पाएंगे। उनका कहना है कि समर्पण को लेकर कई तरह की बातें सुनाई दे रही है। भूपति को देश के टॉप 5 बड़े नक्सलियों में गिना जाता था। उसकी संख्या भी स्पष्ट नहीं हुई है। यह भी खबर है कि 3 से 4 एसजेडसी मेम्बर और डीवीसी के अलावा अन्य हार्डकोर नक्सलियों ने भी हथियार छोड़ा है। बताया जा रहा है कि करीब 4 माह पूर्व भूपति की पत्नी तारका ने भी गढ़ ?चिरौली में ही समर्पण किया था। उसके बाद से तारका एक सूत्र के रूप में गढ़चिरौली पुलिस के लिए भूपति को समर्पण कराने की दिशा में काम कर रही थी। बताया जा रहा है कि पक्षिम माड़ से एक तरह से समर्पण के बाद नक्सलियों का वर्चस्व खत्म हो गया। नक्सल संगठन में भूपति के विचारों को लेकर भी टकराव की खबर थी। वहीं यह भी खबर है कि भूपति तेलंगाना में समर्पण करना चाह रहा था, लेकिन गढ़चिरौली पुलिस ने उसकी पानी के दिया। ज्यादातर नक्सलियों पर करोड़ों रुपए के ईनाम हैं। उधर इस बड़ी कामयाबी की खबर के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और डीजीपी गढ़चिरौली के लिए रवाना हुए हैं। अधिकृत रूप से पुलिस भूपति और अन्य नक्सलियों को उनके समक्ष समर्पण कराने की तैयारी में है।

गढ़ चिरोली में नक्सलियों के सरेंडर की जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया, 'CPI/माओवादी के सदस्य मल्लौजुला वेणुगोपाल राव (सोनू) ने 60 अन्य माओवादियों के साथ हथियार डाल दिए हैं। यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्य सरकारों के नेतृत्व में पुलिस के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन का नतीजा है।'

सोनू ने पिछले महीने सितंबर में ही प्रेस रिलीज जारी करते हुए हथियार डालने के संकेत दिए थे। छत्तीसगढ़ में मौजूद कई नक्सली कैडरों ने भी उसका समर्थन किया। सोमवार को सोनू ने 60 नक्सलियों के साथ हिंसा का रास्ता हमेशा के लिए छोड़ दिया।

खास खबर

अमेरिका के बाहर विशाखापत्तनम में गूगल बनाएगा अपना दूसरा सबसे बड़ा एआई हब

विशाखापत्तनम ।एजेंसी। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल भारत में बड़ा दांव लगाने जा रही है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा है कि उनकी कंपनी भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बड़ा हब बनाने के लिए 1.33 लाख करोड़ रुपये (15 अरब डॉलर) का निवेश करने की तैयारी में है। पिचाई ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस बारे में बात की है और विशाखापत्तनम में अपने पहले एआई हब के लिए अमेरिकी तकनीकी दिग्गज की योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी है। गूगल ने विशाखापत्तनम में विशाल डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस की घोषणा की है, जो अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा एआई हब होगा। कंपनी ने कहा कि गूगल अगले पाँच वर्षों में भारत में 15 अरब डॉलर का निवेश करेगा।

भाजपा में शामिल हुई लोक गायिका मैथिली ठाकुर

पटना ।एजेंसी। लोक गायिका मैथिली ठाकुर भाजपा में शामिल हो गई हैं। पटना के होटल चाणक्य स्थित भाजपा मीडिया सेंटर में मिलन समारोह में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। आरजेडी विधायक भरत बिंद ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। दिलीप जायसवाल ने कहा कि आने वाले दिनों में महागठबंधन के कई और नेता भाजपा में शामिल होंगे। मैथिली ठाकुर के सोशल मीडिया पर बड़े फैन बेस और मिथिला क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा उन्हें अपने प्रचार अभियान का चेहरा भी बना सकती है।

हरियाणा के डीजीपी पद से शत्रुजीत कपूर की छुट्टी

चंडीगढ़ ।एजेंसी। हरियाणा में आखिर 8 दिन के गतिरोध के बाद डीजीपी पद से शत्रुजीत कपूर की छुट्टी हो गई है। उनकी जगह 1991 बैच के आईपीएस ओमप्रकाश (ओपी) सिंह को कार्यकारी डीजीपी बनाया गया है। सिंह की इसी साल 31 दिसंबर को रिटायरमेंट है। मूलरूप से बिहार के जमुई जिले के नमून गांव के ओपी सिंह हरियाणा में नशे के खिलाफ राहगीरी का कांसेप्ट लाकर चर्चा में आए थे। बाद में राहगीरी को सरकार ने एडॉप्ट किया और काफी पॉपुलर हुआ। यही नहीं सीएम व मंत्री तक इसमें भाग ले चुके हैं। ओपी सिंह तत्कालीन सीएम मनोहरलाल खट्टर के विशेष सलाहकार के तौर पर भी काम कर चुके हैं। ओपी सिंह दिवंगत फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के बहनोई हैं द्य सुशांत ने अपनी मां के निधन के बाद ओपी सिंह के यहां रह कर ही पढ़ाई-लिखाई की थी।

कुछ ना कहना

हरियाणा में अब एएसआई ने दी जान, सुसाइड नोट में लिखा

करप्शन केस में बदनामी के डर से आईपीएस पूरन ने सुसाइड किया

आईपीएस पूरन कुमार ने किया परेशान, डीजीपी साहब ईमानदार

चंडीगढ़ ।एजेंसी। हरियाणा के रोहतक में साइबर सेल में तैनात एक एएसआई ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को घटनास्थल से तीन पन्नों का सुसाइड नोट और एक वीडियो मैसेज मिला है। मृतक एएसआई ने अपने सुसाइड नोट में दिवंगत आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एएसआई ने लिखा है कि वाई पूरन कुमार भ्रष्टाचार में लिप्त थे और जातिवाद का सहारा लेकर सिस्टम को हाईजैक कर रहे थे। नोट में एएसआई ने कहा कि उसने भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ शहादत दी है और इस परिवार के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, मृतक एएसआई किसी अहम केस की जांच टीम का हिस्सा था, जो आईपीएस वाई पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार से जुड़े मामले से संबंधित थी।

एएसआई ने दिवंगत आईपीएस वाई पूरन कुमार और उनके गनमैन सुशील कुमार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उसने वीडियो में कहा कि करप्शन केस में बदनामी के डर से आईपीएस पूरन ने सुसाइड किया है। उसे डर था कि परिवार की राजनीति पर असर पड़ेगा। हालांकि, पुलिस ने न तो सुसाइड नोट की पुष्टि की और न ही वीडियो की। 6 अक्टूबर को रोहतक पुलिस ने पूरन कुमार के गनमैन सुशील कुमार को शराब कारोबारी से रिश्वत मांगने पर गिरफ्तार किया था। इससे अगले ही दिन 7 अक्टूबर को पूरन कुमार ने चंडीगढ़ में अपनी कोठी पर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था।

जैसलमेर में चलती एसी स्लीपर बस में आग, 20 की मौत कई घायल

जैसलमेर ।एजेंसी। राजस्थान के जैसलमेर में जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे चलती एसी स्लीपर बस में आग लगने से 20 यात्रियों की मौत हो गई। वहीं 2 बच्चों, 4 महिलाओं समेत 15 लोग झुलस गए। झुलसे यात्रियों को तीन एंबुलेंस से जैसलमेर के जवाहर हॉस्पिटल लेकर गए। जहां से सभी को जोधपुर रेफर कर दिया है। अधिकांश यात्री 70 प्रतिशत तक झुलसे हैं। बस में 57 लोग सवार थे। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों और फायर कर्मियों के अनुसार मौत का आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। हालात यह है कि बस की बॉडी इतनी गर्म थी कि शव नहीं निकाल पा रहे थे ।

कलेक्टर ने बताया कि इस हादसे के बाद बस पूरी तरह से

जलकर खाक हो गई थी। हादसे में 16 घायल थे, जिन्हें जोधपुर रेफर कर दिया गया है। बस में बाकी बची सवारियों की बॉडी है। हादसे का शिकार हुई बस 5 दिन पहले ही खरीदी गई थी।

बिहार चुनाव, भाजपा की 71 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

दोनों डिप्टी सीएम समेत 12 मंत्री लड़ेंगे चुनाव; 48 विधायक रिपीट, विधानसभा अध्यक्ष का टिकट कटा

पटना ।एजेंसी। बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को तारापुर से, विजय सिन्हा को लखीसराय से टिकट दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव का टिकट काटा गया है। नंदकिशोर 5 बार से पटना सिटी से जीतते आ रहे हैं। उनकी जगह पर भाजपा नेता और हाईकोर्ट के वकील रत्नेश कुशवाहा को उतारा है।

कुम्हरार से 5 बार के विधायक अरुण कुमार सिन्हा का भी टिकट कटा है। इनकी जगह संजय गुप्ता को मौका मिला है। संजय पार्टी में प्रदेश महामंत्री भी रह चुके हैं।

लिस्ट में 12 मंत्रियों और 9 महिलाओं के भी नाम हैं। पार्टी ने 48 विधायकों को रिपीट किया है। इस बार भाजपा 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 71 के नाम सामने आ गए हैं। अब 30 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान बाकी है। बिहार में 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 14 नवंबर को आएगा। 2020 में भाजपा ने 7 अक्टूबर को 27 कैंडिडेट की पहली लिस्ट जारी की थी।

अब लिस्ट के 6 बड़े चेहरों को जानिए

भाजपा ने दोनों डिप्टी सीएम के साथ 12 मंत्रियों को मैदान में उतारा है। मंत्री मंगल पांडे, नीतीश मिश्रा, नीरज कुमार बबलू, जीवेश मिश्रा, राजू सिंह, कृष्ण कुमार मंटू, सुरेंद्र मेहता, डॉक्टर सुनील कुमार, संजय सरावगी, डॉ. प्रेम कुमार को भी टिकट दिया गया है।

पुलिस का दावा : जानलेवा कफ सिरप लिखने के लिए 10 फीसदी कमीशन लेते थे डॉक्टर सोनी

छिंदवाड़ा ।एजेंसी। जांच की जाए तो शायद ही कोई ऐसा डॉक्टर निकले, जो दवा कंपनियों से कमीशन न लेता हो। पर जहरीले कफ सिरफ मामले में धरे गए डॉक्टर प्रवीण सोनी पर आरोप लगाया गया है कि वे 10 प्रतिशत कमीशन लेते थे। पुलिस ने सत्र न्यायालय में बताया कि डॉक्टर प्रवीण सोनी कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली दवा कंपनी से 10 फीसदी का कमीशन लेते थे। तमिलनाडु की श्रीसन फार्मास्यूटिकल कंपनी यह कफ सिरप बनाती थी जिसका लाइसेंस राज्य सरकार ने कैंसल कर दिया है और कंपनी पर ताला लटक गया है। छिंदवाड़ा कोर्ट ने डॉक्टर सोनी को जमानत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि बाल रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण सोनी ने स्वास्थ्य

विज्ञान महानिदेशालय की गाइडलाइन्स का उल्लंघन करते हुए 4 साल से कम के बच्चों के लिए यह दवा लिखी थी। कोर्ट ने कहा कि अभी मौतों की जांच भी नहीं हो पाई है और आरोपियों के खिलाफ आरोप काफी गंभीर हैं।

श्रीसन फार्मा के मालिक जी रंगनाथन (75) को 10 अक्टूबर को मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम ने तमिलनाडु पुलिस के सहयोग से चेन्नई के अशोक नगर इलाके में एक ठिकाने से गिरफ्तार किया था। ईडी के सूत्रों ने कहा कि एजेंसी ने अपनी जांच और वर्तमान तलाशी शुरू करने के लिए दो प्राथमिकियों को संज्ञान में लिया था। पहला मामला कफ सिरप से हुई मौतों के बाद मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज किया गया था, जबकि दूसरा मामला सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा तमिलनाडु औषधि नियंत्रण विभाग के तत्कालीन निदेशक पी।यू। कार्तिकेयन के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के मामले से संबंधित है। इससे पहले इस साल जुलाई में वेल्लोर के एक हर्बल सौंदर्य प्रसाधन निर्माता को लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए निदेशक पीयू कार्तिकेयन रंगे हाथों पकड़ा गया था, जिसके बाद सतर्कता विभाग ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी के छापों पर सवाल उठाए, शराब घोटाला केस में कहा

क्या जांच एजेंसी राज्य की शक्तियों में दखल नहीं दे रही?

नई दिल्ली ।एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (तस्माक) घोटाले में सुनवाई की। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से सवाल किया कि क्या आप राज्य की पुलिस के अधिकारों में दखल नहीं दे रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने पूछा कि क्या राज्य पुलिस इस घोटाले की जांच नहीं कर सकती है, क्या ईडी का दखल जरूरी है? इससे संघीय ढांचे पर क्या असर होगा?

दरअसल, ईडी ने मार्च में तस्माक के चेन्नई स्थित मुख्यालय पर 1,000 करोड़ के घोटाले मामले में छापेमारी की थी। इसमें शराब की बोतलों की कीमत बढ़ाना, टेंडर में हेराफेरी और रिश्वतखोरी शामिल है। इस दौरान अधिकारियों ने कंप्यूटर और अन्य सामान जब्त किए थे। इसके बाद राज्य सरकार और तस्माक ने दावा किया था कि छापे अवैध हैं और ईडी ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है। इसके बाद मामला मद्रास हाइकोर्ट पहुंचा, जहां हाइकोर्ट ने ईडी को जांच जारी रखने की इजाजत दी थी।

सांसद अजय मंडल ने भेजा इस्तीफा

भागलपुर ।एजेंसी। भागलपुर से जेडीयू सांसद अजय मंडल ने सीएम नीतीश कुमार को इस्तीफा भेजा है। अजय मंडल ने अपने इस्तीफे में लिखा है, विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में मेरी सलाह नहीं ली गई। इसलिए मैं अपने पद से इस्तीफा देता हूं। 2019 में जिन सीटों पर मैंने कैंडिडेट्स बताए थे, उनकी जीत हुई थी। आज जब पार्टी के कुछ लोग मेरे ही लोकसभा में टिकट बांटने का काम कर रहे हैं और संगठन की अनदेखी कर रहे हैं, तब ये स्थिति दुखद है। मुझे आपसे मिलने तक नहीं दिया जा रहा है, न ही मेरी राय सुनी जा रही है। करीब 20-25 साल से राजनीति में सक्रिय हूं। इस दौरान पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जनता दल (यू) के लिए काम किया। 2019 में पहली बार भागलपुर से सांसद बना था। उस चुनाव में पार्टी और जनता ने उन्हें भरपूर समर्थन दिया। इसके बावजूद अब पार्टी में उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया जा रहा है।

एडीजीपी वाई पूरण कुमार के परिवार से मिले राहुल गांधी, पीएम और सीएम से कहा

एक्शन लीजिए और तमाशा बंद कीजिए

चण्डीगढ़ ।एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को हरियाणा के एडीजीपी वाई पूरण कुमार के परिवार से मुलाकात की। राहुल गांधी ने करीब 50 मिनट तक परिवार से बात की। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने नायब सैनी सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने मामले के आरोपी अधिकारियों को तुरंत अरेस्ट करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये एक परिवार का मामला नहीं है। दलितों को प्रताड़ित करना गलत है। राहुल ने कहा कि मेरी पीएम और हरियाणा सीएम से अपील है कि दोनों बेटियों से किए वादे को

पूरा करें। सरकार तमाशा बंद करें।

राहुल गांधी ने कहा कि कई वर्षों से सिस्टम के आधार पर भेदभाव हो रहा है। ऑफिसर को कमतर करने के लिए करियर बर्बाद करने के लिए सिस्टम के आधार पर दूसरे ऑफिसर लगातार काम कर रहे हैं। ये सिर्फ एक परिवार का मामला नहीं है। देश में करोड़ों दलित भाई-बहन हैं. उनको गलत मैसेज जा रहा है। मैसेज जा रहा है कि आप कितने भी सफल क्यों न हों, कितने भी ताकतवर क्यों न हों, कितने भी इंटेलिजेंट क्यों न हों। अगर आप दलित हो तो आपको दबाया जा सकता है। राहुल गांधी के साथ पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, कुमारी शैलजा, हरियाणा कांग्रेस प्रतिपक्ष राव नरेंद्र और एआईसीसी के चेतन चौहान मौजूद रहे। आईपीएस के परिवार से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा- ट्रेजेडी हुई है। सरकारी अफसर हैं। मुख्यमंत्री ने इन्हें पर्सनली कमिटमेंट दिया है कि वह कार्रवाई शुरू करेंगे।

टेसमेक छापामारी मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, ईडी की जांच पर अस्थायी रोक

नई दिल्ली ।एजेंसी। तमिलनाडु के राज्य स्वामित्व वाली शराब विपणन कंपनी टेसमेक में कथित भ्रष्टाचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ईडी की जांच तब तक स्थगित रहेगी, जब तक धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत ईडी के अधिकारों से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर फैसला नहीं हो जाता।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, कि मुझे नहीं पता कि पुनर्विचार याचिका पर कब फैसला होगा। पिछले तीन वर्षों से सुन रहा हूं कि विजय मदनलाल मामले पर कोई न कोई पीठ सुनवाई करेगी। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने ईडी की मौजूदा जांच पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा, एक बार चुनाव हो जाने के बाद, इस मामले में किसी की दिलचस्पी नहीं रहेगी। इस पर सीजेआई गवई ने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा, मैं कुछ नहीं कहना चाहता। वहीं सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा, यह पहले ही बताया जा चुका है कि माई लॉर्ड कुछ नहीं कहेंगे। इस पर सिब्बल ने कहा, यह अच्छी बात है, क्योंकि जो नहीं कहा जाता, वह बहुत कुछ कह देता है। यहां बताते चलें कि यह मामला 6 से 8 मार्च के बीच ईडी द्वारा टेसमेक मुख्यालय पर की गई छापेमारी से जुड़ा है। ईडी ने आरोप लगाया था कि वरिष्ठ अधिकारी शराब की बोतलों की कीमतें कृत्रिम रूप से बढ़ा रहे थे, निविदा प्रक्रिया में हेराफेरी कर रहे थे और रिश्वत लेकर ठेके दे रहे थे। जांच के दौरान लगभग 1,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले थे, जिसके बाद एजेंसी ने कई अधिकारियों और ठेकेदारों से पूछताछ की थी। तमिलनाडु सरकार ने इस कार्रवाई को 'राज्य के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप' बताते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

आजम ने वाय श्रेणी सुरक्षा ठुकराई

रामपुर ।एजेंसी। सपा नेता और पूर्व सांसद आजम खान ने वाय श्रेणी की सुरक्षा लेने से इनकार कर दिया है। आजम ने मंगलवार को एएनआई से कहा कि उन्हें अब तक किसी भी तरह की लिखित तहरीर नहीं मिली है, इसलिए वे सुरक्षा नहीं लेना चाहते। मैंने आज उन कॉन्स्टेबल से भी कह दिया कि जब तक मेरे पास कोई सबूत नहीं आता कि मुझे सुरक्षा मिली हुई है, उस हद तक मैं इसे लेने के लिए तैयार नहीं हूं।

विशेष

चार दशकों से गायखुरी घाट के पत्थरों की प्राकृतिक रंगोली और बालाघाट का रंगोली व्यवसाय हुआ खत्म

वैनगंगा की चट्टानों में गुम है रंगोली का वो 40 बरस पुराना खूबसूरत दौर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतवर्ष के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली के आते ही एक बार फिर बाजारों में रंगोली की रौनक दिखाई देने लगी। जो दीपावली के 5 दिवसीय पर्व के दौरान घर के आंगन में उकेरी जाएगी। इस रंगोली के पीछे बालाघाट का एक इतिहास छुपा है। जिसे सुनकर शायद बहुत से लोगों के जहन में यह बात स्वत: ही उतर जाए कि हां जिला मुख्यालय स्थित गायखुरी की रंगोली एक समय पहले बहुत अधिक प्रसिद्ध हुआ करती थी।मगर यह रंगोली समय के साथ कहां लुप्त हो गई इसका पता ही नहीं चला ।नगर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी घाट के पत्थरों से बनाई जाने वाली रंगोली अब इतिहास की बात बन कर रह गई है। स्थानीय लोग बताते हैं कि करीब 30 से 35 वर्ष पहले तक गायखुरी घाट में मिलने वाले पत्थरों की पिसाई कर रंगोली बनाई जाती थी।जो बदलते समय के साथ बंद कर दी गई रंगोली बनाने से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलता था और दीपावली का खर्चा भी निकल आता था।लेकिन समय के साथ-साथ अब यह काम बंद हो चुका है।और बाहर से आने वाली रेडिमेट रंगोली ने अब मार्केट में अपनी जगह बना ली है जिसके चलते गायखुरी घाट के पत्थर से बनाई जाने वाली रंगोली अब इतिहास बन कर रह गई है।

आसपास के जिलों सहित महाराष्ट्र में भी थी गायखुरी रंगोली की मांग

बात अगर बालाघाट के गायखुरी घाट में बनने वाली रंगोली की करें, तो गायखुरी घाट की रंगोली की मांग बालाघाट जिला ही नहीं बल्कि सिवनी छग और महाराष्ट्र राज्य के अन्य जिलों में भी भारी मात्रा में रहती थी। जहां गायखुरी घाट से चमकीले पत्थर को खोदकर निकाला जाता था।जिसकी पिसाई कर उसे मार्केट में बेचने के लिए उपलब्ध कराया जाता था। यही नहीं एक जमाने में गायखुरी की रंगोली तो इतनी फेमस हो गई थी कि इसकी डिमांड बढ़ने के साथ ही यहां से पत्थर निकाल कर उसे तिरोड़ी, केवलारी और तिरोडा की मील में पाउडर बनाने के लिए भेजा जाता था। पाउडर बनने के बाद उसमें तरह-तरह के प्राकृतिक रंग मिलाए जाते थे और रंगोली तैयार कर उसकी सप्लाई बालाघाट ,सिवनी, छग सहित महाराष्ट्र राज्य के अन्य जिलों में होती थी।करीब 30- 35 वर्ष पुरानी यह कथा आज भी लोगों की जुबान पर है।लेकिन अब इस घाट में रंगोली बनाने की प्रथा समाप्त हो चुकी है।

केवलारी क्षेत्र के खदानों ने ली गायखुरी के चमकीले पत्थरों की जगह

गायखुरी घाट में रंगोली बनाने की यह प्रथा लगभग 30- 35 वर्ष पूर्व उस वक्त समाप्त हो गई जब गायखुरी घाट के पत्थरों की जगह केवलारी क्षेत्र की खदानों से निकलने वाले चमकीले पत्थरों में ले ली।बताया जा रहा है कि केवलारी क्षेत्र की खदानों से निकलने वाले पत्थर गायखुरी से निकलने वाले पत्थरों से ज्यादा चमकीले हैं। जिससे गायखुरी के पत्थरों की मांग लगातार घटने लगी।

केमिकल युक्त रेडीमेड रंगोली ने बाजार में बनाई पकड़ तो घटी डिमांड

बताया यहां भी जा रहा है कि उस दौर में धीरे-धीरे दूसरे राज्यों से केमिकल युक्त रेडीमेड रंगोली ने अपनी पकड़ बना ली। जहां बाजार में रंगोली आसानी से उपलब्ध होने के चलते लोगों ने भी यह कार्य छोड़ दिया और गायखुरी के पत्थर से रंगोली बनाने की प्रथा धीरे-धीरे लुप्त होते गई। जहा धीरे धीरे इसकी मांग कम होने के चलते लोगों ने यह व्यापार बंद कर दिया और आज गायखुरी घाट की रंगोली वाली दास्तान लोगो की जुबान में महज एक किस्सा बनकर रह गई है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है केमिकल वाली रंगोली

वक्त के साथ-साथ गायखुरी की रंगोली जरूर बाजार से लुप्त हो गई लेकिन कॉस्मेटिक, केमिकल के इस दौर में आज भी लोग उस प्राकृतिक रंगोली को याद करते हैं ।आज के इस दौर में जो रंगोली बाजार में आसानी से उपलब्ध हो रही है उस रंगोली में घातक केमिकल ,रंगों, रेत और डीजल का उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।यदि यह रंगोली लोगों के आंख या मुंह में चली जाए तो इससे भारी नुकसान हो सकता है।वहीं चिकित्सक भी केमिकल वाली रंगोली से बचने की सलाह देते हैं। लेकिन बाजार में आसानी से मिलने के कारण लोग इस रंगोली का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं।

अब रंगोली बनाने का व्यवसाय पूर्ण रूप से बंद

स्थानीय लोग बताते है कि गायखुरी घाट में रंगोली बनाने का व्यवसाय समाप्त हो चुका है करीब 30 से35 वर्ष पूर्व इस घाट पर पत्थरों को तोड़कर रंगोली बनाने का कार्य किया जाता था लगभग गायखुरी के सभी लोग इस व्यवसाय से जुड़े थे लेकिन अब गांव में रंगोली बनाने का व्यवसाय कोई नहीं करता।

गायखुरी क्षेत्र रंगोली के लिए ही प्रसिद्ध था

लोगो ने बताया कि पहले नदी घाट में सफेद पत्थर निकाला जाता था। जिससे रंगोली बनाकर उसका व्यवसाय करने की प्रथा थी ।यह प्रथा करीब 30-35 वर्ष पूर्व बंद हो चुकी है ।आज नागपुर रायपुर केवलारी की तरफ से मशीनों से बनी रेडीमेड रंगोली बाजारों में बिकने आ रही है पहले लगभग समस्त ग्रामीण सब्बल से पत्थर को तोड़कर उस पत्थर को सड़क पर बिछा देते थे ।जिससे ट्रैक्टर ट्राली व अन्य वाहन गुजरने पर पत्थर चुरा हो जाते थे, फिर उसे छलनी से छानकर प्राकृतिक रंग मिलाया जाता था और रंगोली बनाकर बालाघाट जिले में सप्लाई की जाती थी। गायखुरी का यह क्षेत्र रंगोली के लिए ही प्रसिद्ध था लेकिन अब रेडीमेड का जमाना है लोग मेहनत नहीं कर रहे हैं ।यहां के लोग अलग-अलग व्यवसाय में जुट चुके हैं।

कभी पूरे गांव को मिलता था रोजगार

स्थानी लोगों द्वारा यह भी बताया गया कि करीब 30-35 वर्ष पूर्व एक दो घर के लोग नहीं बल्कि पूरे गांव के लोग रंगोली बनाने का व्यवसाय करते थे। जहां बरसात के बाद से दीपावली तक पूरे गांव की आबादी इसी व्यवसाय को करती थी ।जहा बरसात से लेकर रंगोली के सीजन तक पूरे गांव के लोगों को रोजगार मिलता था ।लेकिन धीरे-धीरे रंगोली बनाने की यह प्रथा समाप्त हो गई और इस व्यवसाय से जुड़े लोग बेरोजगार हो गए। धीरे-धीरे उन लोगों ने अपने-अपने रोजगार के लिए इधर-उधर काम करना शुरू कर दिया और तब से लेकर आज तक बंद हुआ गायखुरी में रंगोली बनाने का यहां कार्य, आज तक शुरू नहीं हो पाया है। जबकि पुराने दौर के लोग आज भी गायखुरी की रंगोली को सबसे बेहतर बताते हैं।

जो खुद बनाते थे रंगोली, वे आज खुद रंगोली खरीद कर आंगन सजा रहे हैं

बताया जा रहा है कि गायखुरी घाट का पत्थर इतना अधिक चमकीला था कि उसमें चमक पैदा करने के लिए रेत या केमिकल मिलाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। जहां प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर रंगोली बनाई जाती थी और इस व्यवसाय को लगभग पूरा गांव करता था और इसी व्यवसाय के भरोसे अपनी साल भर की इनकम कमा लेते थे। लेकिन एक दौर वह था कि जब पूरा गांव रंगोली बनाने का कार्य करता था, जो न सिर्फ रंगोली बनाते थे बल्कि उसका व्यवसाय भी करते थे। लेकिन जो लोग उस समय रंगोली बनाते थे ।वे आज खुद रंगोली खरीद कर अपना आंगन सजा रहे हैं।

ट्रैक्टर में भरकर ,थोक माल की होती थी सप्लाई

बताया जा रहा है कि पहले यहां का पत्थर काफी फेमस था। पत्थर तोड़कर रंगोली बनाई जाती थी और खूब उसकी बिक्री होती थी

।लेकिन जब रेडीमेड माल बाजार में आने लगा तो लोगों ने मेहनत करना बंद कर दिया। अभी की रंगोली और उस समय की रंगोली में काफी अंतर है। अभी की रंगोली में केमिकल डाला जा रहा है जबकि पहले प्राकृतिक रंग डाले जाते थे ।पहले लोग खुद रंगोली बनाते थे और उसकी बिक्री भी करते थे लेकिन आज का दौर यह है कि रंगोली बनाने वाले ग्रामीण खुद रंगोली खरीद कर लाते हैं ।बताया जा रहा है कि यहां ट्रैक्टरो से थोक में माल जाता था और पूरा का पूरा गांव ही रंगोली बनाने का कार्य करता था।

ऐसे बनती थी प्राकृतिक रंगोली

बताया जा रहा है कि पहले जागपूर घाट से लेकर गायखुरी घाट तक केवल रंगोली बनाने का कार्य ही होता था। पहले रंगोली के पत्थर को सब्बल से तोड़कर उसके छोटे-छोटे टुकड़े किए जाते थे फिर रोड में बिछा दिया जाता था। पत्थर चुरा होने पर उसे छानकर प्राकृतिक रंग मिलाए जाते थे। या फिर पत्थर को घर ले जाकर उसे कूटते थे, छानने के बाद उसमें प्राकृतिक रंग मिलाकर रंगोली तैयार की जाती थी। लेकिन अब तो बाजारों में केमिकल युक्त रंगोली आ रही है जो स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक है। जब से बाहर से रंगोली आई तो इसका काम ही बंद कर दिए। आज भी यहां का पत्थर काफी चमकीला है ।आज भी यदि रंगोली बनाना का कार्य शुरू किया जाए तो पूरे जिले में यही रंगोली को लोग पसंद करेंगे। लेकिन लोग इस कार्य को करना नहीं चाहते। वही बाजार में आसानी से रंगोली उपलब्ध होने के चलते इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

पहले सभी रंगोली बनाने का काम करते थे, अभी सब खरीद के लाते है- दौने

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीण महेंद्र दौने सहित अन्य ने बताया कि पहले यहां पर रंगोली बनाने का कारोबार होता था। फिर यह काम बंद कर दिए ।पहले पूरा गांव रंगोली बनाने का काम करता था ।अभी मार्केट में जो रंगोली आ रही है उसमें चमक कम है ऊपर से चमक मिलाई जा रही है जबकि गायखोरी की रंगोली में अधिक चमक है। यहां पर बनने वाली रंगोली दूर-दूर सप्लाई होती थी ।लेकिन अब लोग रंगोली बनाना नहीं चाहते। पहले पूरा गांव रंगोली बनाने का कार्य करता था लेकिन अब पूरा गांव रंगोली खरीद कर लाता है।

विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के बच्चों को शिक्षा के लिए मिलेगी विशेष सुविधा

बैगा बच्चों के लिए बैहर एवं बालाघाट में चार छात्रावासों की मिली मंजूरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में निवास करने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे है। कलेक्टर मृणाल मीना के प्रयासो से शासन द्वारा बैगा बच्चों के लिए बालाघाट एवं बैहर में 04 सीनियर छात्रावासो की मंजूरी प्रदान की गई है। प्रत्येक छात्रावास भवन 04 करोड़ 04 लाख रुपए की लागत से बनाया जाएगा। इन छात्रावासो के लिए जमीन उपलब्ध कराने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

बैगा जनजाति के बच्चों के लिए बालाघाट में 50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास व 50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास तथा बैहर में 50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास व 50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास की मंजूरी प्रदान की गई है। इन छात्रावासो में बैगा जनजाति के कक्षा 06 से 12वीं तक के बच्चों को रखा जाएगा और उन्हें अंग्रेजी माध्यम के साथ ही विज्ञान विषय की शिक्षा दिलायी जाएगी।

जनपद पंचायत बैहर की बैगा जनजाति की जनपद सदस्य सगनी बाई 14 अक्टूबर को बैगा समुदाय के लोगो के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंची थी। कलेक्टर श्री मीना से उन्होंने बैगा जनजाति की शिक्षा एवं विकास पर चर्चा की। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने उन्हें बैगा जनजाति के बच्चों को पढ़ाई के लिए आगे लाने का सुझाव दिया। जिला प्रशासन बैगा बच्चों की पढ़ाई के लिए हर संभव मदद करेगा।

जनपद सदस्य सगनी बाई सहायक आयुक्त

जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर से मिलने भी पहुंची थी। इस दौरान श्रीमती डामोर ने उनसे कहा कि बैगा जनजाति के 200 बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए हमें उपलब्ध कराए। हम उन बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कराएंगे और उन्हें विज्ञान विषयों की शिक्षा दिलाएंगे। जिले में बैगा जनजाति के बच्चों के लिए 04 छात्रावासो की मंजूरी मिल गई है। इन छात्रावासो में अगले शिक्षण सत्र से प्रवेश देने के लिए बैगा बच्चो के पंजीयन की कार्यवाही दिसम्बर माह से प्रारंभ कर दी जाएगी। इस दौरान उन्होंने बैगा जनजाति के 12वी पास युवती सोनकली परते को छात्रावास में अंशकालिक दर पर रखने की व्यवस्था भी की। जिससे इस युवती को रोजगार मिलने के साथ ही वह अपनी कॉलेज की पढ़ाई के लिए भी तैयारी कर सकेगी।

सहायक आयुक्त श्रीमती डामोर ने बताया कि बैगा जनजाति के बच्चों को विज्ञान विषय के साथ पढ़ाई करने के लिए प्रेरित करना है। जनजाति कार्य विभाग में विज्ञान शिक्षकों की कमी है, जिससे आने वाले समय में यही बच्चें शिक्षक बनकर अपनी सेवाए दे सकेंगे।

भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बुधवार की दोपहर १२ बजे से भाजपा कार्यकर्ताओं का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है। इस कार्यकर्ता सम्मेलन के संदर्भ में भाजपा मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने जानकारी देते हुये बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र विकास के संकल्प के साथ और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। जिसके लिये वारासिवनी विधानसभा प्रभारी पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के अनुभव और मार्गदर्शन में समस्त ज्येष्ठ, श्रेष्ठ पदाधिकारियों, मोर्चा,प्रकोष्ठ के अध्यक्षों और हमारे देवतुल्य कार्यकर्ताओं का सम्मेलन १५ अक्टूबर २०२५ की दोपहर १२ बजे से डॉ आंबेडकर मंगल भवन में आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में मुख्य मंथन विषय जिसमें जी.एस.टी. बचत महोत्सव ,आत्मनिर्भर भारत तथा शीर्ष नेतृत्व का मार्गदर्शन जिला कार्यालय भाजपा बालाघाट से पधारे पार्टी की वरिष्ठ नेत्री लता ऐलकर एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल के द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर बालाघाट भाजपा जिला कार्यालय से पधारे हुए वरिष्ठ नेताओं का अनुभव और ऊर्जावान मार्गदर्शन प्राप्त करने सभी भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से उपस्थिति का आहवान संदीप मिश्रा ,मिलिंद नगपुरे ,वेदप्रकाश पटेल ,नरेंद्र शुक्ला, भीवराम मात्रे ने की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट म.प्र.

क्रमांक १२०४ /अति.कलें/ वि.अधि.२०२५
बालाघाट दिनांक २९/०८/२०२५

आम सूचना

विशेष विवाह अधिनियम १९५४ की धारा ५ के अन्तर्गत विशेष/अन्र्तजातीय विवाह हेतु आवेदकगण लकेश राउत उम्र २३ वर्ष पिता श्री अंकोश राउत जाति महार निवासी ग्राम कटंगटोला थाना रामपायली तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र.एवं ओवेदिका तुलसी तांडी आयु २१ वर्ष पिता श्री धीरज तांडी जाति पनिका निवासी ग्राम उकवा सिटी थाना उकवा तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट म.प्र. ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसमें विशेष विवाह हेतु सुनवाई दिनांक १५/१०/२०२५को नियत की गई है। अत: उक्त विवाह के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक १५/१०/२०२५ तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रात: १० बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट म.प्र.

'उसके घर के चारों तरफ ट्रांसफार्मर किन्तु अब तक बिजली कनेक्शन नही मिला!!'

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या, 114 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 14 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 114 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के ग्राम कोचेवाही निवासी रूपेंद्र कुमार राउत प्रधानमंत्री आवास योजना का लेवर पेमेंट दिलाने की मांग लेकर आए थे। रूपेंद्र का कहना था कि वर्ष 2021-22 में उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत किया गया था, उसका आवास पूर्ण हो चुका है लेकिन आवास के लेवर पेमेंट का भुगतान अब तक नही किया गया है। ग्राम रोजगार सहायक प्रमोद पटले द्वारा लेवर पेमेंट भुगतान में टाल-मटोल की जा रही है। अतः उसे लेवर पेमेंट की राशि शीघ्र दिलायी जाए। इस पर मनरेगा के परियोजना अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में वन ग्राम कुर्थीटोला के ग्रामीण अपने गांव तक पहुंच के लिए वनग्राम खारा से कुर्थीटोला होते हुए पंचेरा तक पक्की सड़क बनाने की मांग लेकर आए थे। ग्रामीणों का कहना था कि खारा से कुर्थीटोला के बीच क्षतिग्रस्त पुलियॉ का फिर से निर्माण कराया जाए। इस पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ईकाई के महाप्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बैहर तहसील के ग्राम लूद की मीना टेकाम शिकायत लेकर आयी थी कि वह 75 प्रतिशत दिव्यांग है। उसे पूर्व में 01 हजार रुपए की विकलांग पेंशन मिलती थी, अब यह कम होकर 600 रुपए हो गई है। दिव्यांग होने के बाद भी उसे ट्राईसिकल की सुविधा का लाभ नही मिला है। इस पर सामाजिक न्याय विभाग की जिला समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। शिक्षा विभाग में सहायक ग्रेड-3 सह डाटा एंट्री ऑपरेटर के पद पर कार्य करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी शिकायत लेकर आए थे कि उनका माह जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर का वेतन अब तक नही दिया गया है। उन्हें उच्च कुशल श्रमिक का वेतन दिया जाना था, लेकिन उन्हे यह वेतन नही दिया जा रहा है और समय पर वेतन भुगतान भी नही किया जा रहा है। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम कुम्हली के विष्णु, तुलसीराम और दानेंद्र शिकायत लेकर आए थे कि उनके द्वारा हल्का पटवारी को भू-अभिलेख में नामांतरण के लिए आवेदन किया गया था। नामांतरण का आदेश पारित होने के बाद भी पटवारी द्वारा भू-अभिलेख में रिकॉर्ड दुरूस्त नही किया जा रहा है। इस पर खैरलांजी तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। किरनापुर तहसील के ग्राम बड़गांव की निर्मला सोनवाने शिकायत लेकर आयी थी कि उसके पास अन्त्योदय अन्न योजना का राशन कार्ड है जिस पर उसे हर माह 35 किलो अनाज मिल रहा था। लेकिन लगभग 03 वर्षों से उसे हर माह 15 किलो अनाज ही मिल रहा है। अतः उसके राशन कार्ड पर 35 किलो राशन दिया जाए। इस प्रकरण में जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में बिरसा क्षेत्र के युवा देवम सिंह मरकाम, चैतराम तुरकर, बिपत राठौर, लक्ष्मी पटले, मनोरमा मातरे एवं रीता साहू शिकायत लेकर आए थे कि जनपद पंचायत बिरसा द्वारा बिना विज्ञापन निकाले 19 सितम्बर को 02 डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं 01 भृत्य की नियुक्ति कर दी गई है। यह नियुक्तियॉ अवैध है अतः इनकी जांच कर अवैध नियुक्ति निरस्त किया जाए। इस प्रकरण में जनपद पंचायत बिरसा के सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। तिरोड़ी तहसील के ग्राम दुल्हापुर की गीता सहारे संबल योजना का लाभ दिलाने के मांग लेकर आयी थी। गीता का कहना था कि उसके पति राधेश्याम सहारे की 23 जुलाई 2025 को मृत्यु हो गई है, लेकिन उसे संबल कार्ड का कोई लाभ नही मिल रहा है। इस पर जनपद पंचायत कटंगी के सीईओ को प्रकरण की जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बैहर तहसील के ग्राम हर्रानाला, बिठली, आमानाला, बोड़खी के ग्रामीण शिकायत लेकर आए थे कि उनका बिजली बिल पहले की तुलना में काफी अधिक आ रहा है। पहले उनका बिल 150 से 200 रुपए प्रतिमाह आता था, लेकिन माह जुलाई, अगस्त, सितम्बर में उनका बिजली का बिल 2100 से 2400 रुपए मासिक तक आ रहा है। जबकि वे अपने घरो में कूलर, फ्रिज या अन्य उपकरण का उपयोग नही करते है। उनके गांव में बिजली भी 24 घंटे नही रहती है। अतः उनका बिजली बिल कम कराया जाए जिससे वे बिल का भुगतान कर सके। किरनापुर तहसील के ग्राम नेवरगांव कला की अनिता कुतराहे शिकायत लेकर आयी थी कि उसने प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान बनाया है। उसके मकान के चारो तरफ बिजली के ट्रांसफार्मर लगे है, लेकिन उसे अब तक बिजली कनेक्शन नही दिया गया है। जिसके कारण कक्षा 11वीं एवं 12वीं में पढ़ाई कर रहे दोनो बेटो को परेशानी हो रही है। अत उसे शीघ्र बिजली कनेक्शन दिलाया जाए। इन दोनों प्रकरणों में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बकरी चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार !!

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
हटटा थाना पुलिस की अभिरक्षा से बकरा चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी फरार हो गया। जिसके चलते मामले में आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। लेकिन पुलिस अभिरक्षा से फरार होने को काफी गंभीर माना जा रहा है। जानकारी में आया कि आरोपी को 1 दिन की न्यायिक रिमांड पर पुलिस की अभिरक्षा में भेजा गया था और आज 14 अक्टूबर को न्यायिक रिमांड पूरी होने पर उसे माननीय न्यायालय में पेश किया जाना था। लेकिन वह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बकरा चोरी के मामले में हटटा पुलिस ने विशेष कोटांगले नामक युवक को गिरफ्तार किया था । जिसके खिलाफ अपराध दर्ज करने के पश्चात उसे 13 अक्टूबर को बालाघाट की माननीय न्यायालय में पेश किया गया। जहां पर उसकी पुलिस ने रिमांड मांगी थी। जिस पर माननीय न्यायालय द्वारा हटटा पुलिस को 1 दिन की रिमांड पर आरोपी विशेष कोटांगले को सौपा गया था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने रिमांड लेने के पश्चात विशेष को हटटा थाना लेकर गई और उससे पूछताछ की। जिसमें उसने अपने एक साथी का नाम बताते हुये उसकी गिरफ्तारी कराने में पुलिस को सहयोग का भरोसा दिया।

जिसके पश्चात हटटा थाने से चार की संख्या में पुलिस कर्मचारी आरोपी को लेकर उसके साथी की गिरफ्तारी करने के लिये जा रहे थे। सूत्रों के मुताबिक पुलिस रात के अंधेरे में आरोपी को लेकर जा रही थी कि वह मौका पाकर फरार हो गया। विशेष कोटांगले के फरार होने की भनक होते ही चारों पुलिस कर्मचारियों ने उसकी जमकर पतासाजी की। लेकिन सफल नहीं हुये। इस मामले को वरिष्ठ अधिकारियों को भी सूचित कर बता दिया गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश में दिन भर अभियान जारी रखा और उसे माननीय न्यायालय में एक दिन की अभिरक्षा का समय समाप्त होने की स्थिति में पेश करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन फरार आरोपित पुलिस के पकड़ में नहीं आया और हटटा पुलिस आरोपी को माननीय न्यायालय में रिमांड खत्म होने पर पेश नहीं कर सकी। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में फरार होने वाले आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। साथ ही उसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने न्यायिक अभिरक्षा के आरोपी के फरार होने के मामले को गंभीरता से लिये जाने की जानकारी मिली है। संभव है कि पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही प्रस्तावित हो सकती है। बता देवें कि बालाघाट के कोतवाली थाना अंतर्गत गायखुरी के स्थानीय लोगों द्वारा बकरा चोरी मामले में आरोपी को पकड़कर 2 दिन पहले ही हटटा पुलिस के सुपुर्दगी में किया गया था। इस प्रकरण में यही बाते सामने आयी थी कि चार की संख्या में आरोपी मोटर सायकिल में सवार होकर नाहरवानी और खोड़सिवनी से बकरी चोरी कर फरार हो रहे थे। लेकिन गायखुरी में उन्हें संदिग्ध स्थिति में स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया था। जिसमें तीन आरोपित भागने में सफल हो गये थे और एक को हटटा पुलिस के सुपुर्दगी में सौंप दिया गया था। हटटा पुलिस बकरा चोरी मामले में जांच कर आरोपियों को लेकर पतासाजी में जूटी थी। लेकिन हटटा पुलिस की अभिरक्षा से ही न्यायिक रिमांड पर लिये गये आरोपी के फरार होने का मामला सामने आ गया है।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
15 अक्टूबर को जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में आयोजित यह बैठक अपरान्ह 03:30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है। इस बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

औद्योगिक क्षेत्र कनकी में 63 भूखंडों के आवंटन पर बवाल

भाजपा नेताओं ने की जांच की मांग, उठाए मुख्यमंत्री द्वारा जारी आवंटन पर सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
औद्योगिक क्षेत्र कनकी में बीते दिनों 31 उद्यमियों को 63 भूखंड आवंटन की प्रक्रिया ऑनलाइन मुख्यमंत्री द्वारा वर्चुअल रूप से की गई थी। जिसमें भारतीय जनता पार्टी के ही पदाधिकारीयों द्वारा इस भूमि आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए गए हैं । जिसमें मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ने इस पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने को लेकर कलेक्टर बालाघाट को ज्ञापन दिया । लांजी के पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने अपने फेसबुक पेज से भूमि आवंटन की पूरी प्रक्रिया को नियम अनुसार नहीं होना बताया, जिसमें दोनों ही भाजपा पदाधिकारी द्वारा उद्योग कार्यालय के जिम्मेदार अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं कि उन्होंने इस भूमि आवंटन की प्रक्रिया को नियम अनुसार नहीं करवाया है और कुछ नामचीन लोगों को फायदा दिलाने के लिए नियम से हटकर भूमि का आवंटन करवाया है। जबकि इस पूरे भूमि आवंटन को लेकर नियम अनुसार पेपर में किसी प्रकार का विज्ञापन नहीं दिया गया और गलत तरीके से यह प्रक्रिया करवाई गई है। उद्योग कार्यालय की महाप्रबंधक प्रीति मर्सकोले ने इस पूरी प्रक्रिया को नियम अनुसार होना बताया है और उन्होंने कहा कि अभी भूमि का आवंटन नहीं किया गया है , सिर्फ अभी एलओआई जारी किया गया है। निवेश प्रोत्साहन एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत गत दिवस मुख्यमंत्री ने वर्चुअली, जिले के औद्योगिक क्षेत्र कनकी के 63 भू-खण्ड 31 उद्यमियों को उद्यम लगाने के लिए आवंटित किए। साथ ही उद्यमियों को आवंटन पत्र (एलओआई) सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी किया। जिस पर अब भाजपा के ही पूर्व विधायक रमेश भटेरे और भाजयुमो पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्र भारद्वाज ने सवाल करते हुए इसे सुनियोजित अनियमितता बताया है, इस मामले में तो भाजयुमो अध्यक्ष ने जांच की मांग को लेकर शिकायत की है। गत दिवस मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्चुअली औद्योगिक क्षेत्र कनकी में उद्यमी अवनेश बजाज, रोहित मंगलानी, मोहेंद्र मरकाम, रति गंगवानी, सौरभ संतोष छुटवानी, यश अशोक गजभिए, सतीश गंगवानी, जोगेश धुवारे, मधुमिलन गुप्ता, मनीषा भगत, श्वेता सहारे, राजेश बजाज, सन्नी बजाज, राहुल मंगलानी, गिरधारी रणदिवे, राहुल गंगाराम राहंगडाले, तपेश सोमचंद तिलाशे, सुनील कुमार कामड़े, करण बजाज, अनिल कुमार गोडवानी, वंश गोडवानी, सोनम योगेंद्र दहीकर, दीपक तेजवानी, भावेश राधेश्याम नत्थानी, प्रेमचंद गुरूनानी, विकास बुधवानी, मुकेश गौतम, शुभम चौधरी, अनिल कुमार गोडवानी, यश गोडवानी और वैभव धुर्वे को सिंगल क्लिक के माध्यम से भू-खण्ड का आवंटन पत्र (एलओआई) जारी किया था। जिन्हें कलेक्टर मीणा ने आवंटन पत्र (एलओआई) प्रदाय किये। पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने सोशल मिडिया के फेसबुक पेज पर सवाल खड़े करते हुए पूछा है कि बालाघाट उद्योग विभाग ने जिन 31 उद्यमियों को ग्राम कनकी में 63 भूखंड आवंटित किये है, इन जमीनों का आवंटन का विज्ञापन कब किस अख़बार में आया उन्होंने बताया कि बालाघाट उद्योग विभाग में सरकार की कोई भी योजना हो चंद गिने चुने लोगों को ही मिल रही है। कहीं ना कहीं कुछ तो गड़बड़ है। जिसकी जांच होनी चाहिए। सरकार की पारदर्शिता के विपरित लापरवाह अधिकारियों के कारण सरकार की छवि ख़राब हो रही है।

भारत माता की प्रतिमा के सामने दूगां धरना - गजेन्द्र

भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गजेन्द्र भारद्वाज ने इस मामले में शिकायत कर जांच किए जाने की मांग करते हुए बताया कि सुनियोजित तरीके से इसमें अनियमितता किया गया है। बिना प्रचार-प्रसार के अपने लोगों को लाभ पहुंचाया गया है। ऐसे में कैसे भारत आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बीते दिनों शहर से लगी रेंगाटोला और गर्रा में भी इसी प्रकार से भूमि का आवंटन किया गया था वहां पर उद्योग विभाग ने पूरे नियम अनुसार इस प्रक्रिया को किया था, जिसका पेपरों के माध्यम से विज्ञापन भी दिया गया था , किंतु इस बार ऐसा क्या हुआ कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा भूमि आवंटन की इस प्रक्रिया को नियम अनुसार नहीं करवाया गया, वह चाहते हैं कि इस पूरे विषय पर जांच हो और इस प्रक्रिया को निरस्त किया जाए । यदि ऐसा नहीं होता तो वह स्थानीय काली पुतली चौक स्थित भारत माता की प्रतिमा के सामने अपने साथियों के साथ धरने पर बैठेंगे और जब तक यह प्रक्रिया निरस्त नहीं होती तब तक वह धरना प्रदर्शन करते रहेंगे ।

अभी केवल एलओआई जारी किया गया है - प्रीति मर्सकोले

उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक प्रीति मर्सकोले ने इसे पारदर्शी और ऑनलाईन प्रक्रिया बताया है, उन्होंने बताया कि अभी केवल एलओआई जारी किया गया है, भूखंड नहीं दिया गया है। प्रचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने समाचार के लिए पीआरओ को जानकारी भेजी थी। निरस्त किए जाने की विषय पर उन्होंने कहा कि यह वरिष्ठ स्तर का मामला है । निरस्त किए जाने के विषय को लेकर वह अभी कुछ नहीं कह सकती। भूमि आवंटन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शिका के साथ की गई थी ।

पंचायत में अधिकार न मिलने पर पटेलों ने जताई नाराजगी

कहा शासन प्रशासन का आदेश नही मान रहे पंचायत सचिव, ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने बैठक कर कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन , मांग पूरी ना होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षो उपेक्षा का दंश झेल रहे ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ,प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने ग्रामीण पटेलो के अधिकार समाप्त करने और उन्हें मानदेय सहित अन्य सेवाओं से मुक्त करने पर अपनी नाराजगी जताते हुए प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। जिन्होंने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के बैनर तले मंगलवार को नगर के बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में एक बैठक का आयोजन कर महाराष्ट, छत्तीसगढ़, हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी पटेलों को उनके अधिकार देने, पटेलो को पूर्व में दिया गया मान सम्मान वापस दिलाने और पटेलों के महत्व को बरकरार रखते हुए उनकी समस्त मांगे जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को दोहराते हुए, बैठक के बाद कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है ।तो वहीं उन्होंने कमिश्नर के आदेश के बावजूद भी पटेलो को पंचायत की बैठक में शामिल न करने, उनके लिए पंचायत में बैठक व्यवस्था न बनाने ,उनका नाम व मोबाइल नंबर पंचायत सूचना पटल पर दर्ज न करने पर ऐतराज जताते हुए जल्द से जल्द मांग पूरी ना होने पर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है ।इस दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्य प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे, सुरेंद्र सिंह चौहान, किशोर श्रीवास्तव, निलमचंद पारधी,दीपचंद रनगिरे,पन्ना लाल नगपुरे,चूड़ामन सिंह शिवहरे, रणधीर बिसेन, नत्थू भाऊ पंचभाये, और उदयलाल नहाटे सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी सदस्य व विभिन्न स्थानों से आए पटेल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इन मांगों पर की चर्चा

राजस्व की वसूली करने के पटेल को अधिकार दिए जाने, किस्त बंदी के कार्य प्रतिवर्ष पटेलों को देंने, जिन ग्रामों में ग्रामीण पटेल पद रिक्त है, उनको यथाशीघ्र भरे जाने, ग्रामीण पटेल जो पूर्व में थे, उनको यथावत रखने, भू-राजस्व संहिता की धारा 222 से 229 की अधिकार की जिम्मेदारी पटेलों को दी जाने। ग्राम पंचायत के मनोनीत पंच एवं आम सभा में पटेलो को प्रतिनिधि बनाने, कोई भी जांच पटेल के समक्ष करने, ग्रामीण पटेल को प्रतिवर्ष मानदेय के रूप में उचित पारिश्रमिक देने, ग्रामीण पटेल को वर्तमान में छत्तीसगढ़ / महाराष्ट्र / हरियाणा एवं अन्य प्रांतों में जिस प्रकार से प्रतिमाह मानदेय दिया जाता, उसी प्रकार म.प्र. के समस्त ग्राम पटेलों को मानदेय देने, संगठन में महिला एवं पुरूष कार्यकारिणी में पद अधिकारी है,जिनकी मिटिंग 2-2 माह में राजधानी भोपाल में की जाती है। संगठन के पदाधिकारियों को रूकने का साधन नहीं है, इसलिए संगठन के नाम से एक आवास मकान कार्यालय हेतु स्वीकृत कराया जाने, सहित बैठक के दौरान अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई।

तो संगठन द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा- अध्यक्ष

आयोजित बैठक व ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण पटेल कल्याण संघ प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत और जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार लिल्हारे ने बताया कि हमारी वर्षो से लंबित कुछ मांगे है, हमारे अधिकार ,सम्मानजनक मानदेय सहित अन्य अन्य मांगों को लेकर लगातार संगठन द्वारा गुहार लगाई जा रही है। लेकिन हमारी इन मांगों को शासन द्वारा पूरा नहीं किया जा रहा है। इसके पूर्व कमिश्नर द्वारा आदेशित किया गया था कि पंचायत के सूचना पटल में पटेलो के नाम अंकित कर, उनके मोबाइल नंबर लिखे जाएं,वही बैठक में पटेलों को शामिल किया जाए, वही पंचायत में पटेलो के बैठने के लिए बैठक व्यवस्था बनाई जाए ।लेकिन पंचायत द्वारा इसकी अब तक हमें कोई सूचना नहीं दी गई है। हमारी मांग है कि हमें हमारा अधिकार दिया जाए, हमे हमारे अधिकारो से वंचित न किया जाए। जबकि कमिश्नर के यहां से जारी हुए यहां आदेश कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी, जिला व जनपद पंचायत सीईओ के माध्यम से भी पंचायत को दिए गए थे। लेकिन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा इसका पालन नहीं किया जा रहा है। इसीलिए आज बैठक का आयोजन कर कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौपा गया है ।इसके बाद भी यदि हमारी मांग पूरी नहीं की जाती तो संगठन द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई- तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना अंतर्गत ग्राम बिठली किस नदी के पुल के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई इस दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल में सवार व्यक्ति और उसकी बेटी घायल हो गए ।दोनों घायल जिनमे हीरालाल पिता कोहनियां मरकाम 45 वर्ष ग्राम जालदा चौकी पाथरी और बेटी तिहारिन मरकाम 11 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस दुर्घटना में अन्य मोटरसाइकिल

सवार को भी मामूली चोंटे आई है। जिसका इलाज बिठली के अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल मरकाम खेती किसानी और मजदूरी करता है जिसके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है बताइए कि हीरालाल की बेटी तिहारिन मरकाम की तबीयत खराब थी। 14 अक्टूबर को 11:00 बजे करीब हीरालाल मरकाम अपनी बेटी तिहारिन मरकाम को मोटरसाइकिल में ग्राम बिठली डॉक्टर के पास ला रहा था। तभी ग्राम बिठली समीप किस नदी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने हीरालाल मरकाम की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से हीरालाल मरकाम और उसकी बेटी तिहारिन मरकाम और अन्य मोटरसाइकिल सवार भी मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गये। तीनो घायल को बिठली के अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद हीरालाल मरकाम और उसकी बेटी तिहारिन मरकाम को बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

अधूरे नहर का निर्माण कार्य दो साल बाद हुआ प्रारंभ

गुणवत्तापूर्ण एवं नहर के अंतिम छोर तक निर्माण करवाने की किसानों ने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली बोरी-बेलगांव माइनर नहर का लाखों रूपयों की लागत से सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण कार्य विगत दो वर्ष से किया जा रहा है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा अधुरा निर्माण कार्य कर काम बंद कर दिया गया था। जिसके कारण मानपुर, बेलगांव के किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा था और क्षेत्रीय किसान अधुरे नहर के निर्माण कार्य को शुरू करवाने की मांग शासन-प्रशासन से लंबे समय से कर रहे थे। वहीं बालाघाट एक्सप्रेस अखबार समाचार पत्र में किसानों को नहर का पानी नही मिलने एवं अधुरा नहर का निर्माण होने से किसानों को हो रही समस्या को लेकर बार-बार समाचार प्रकाशित कर शासन-प्रशासन का ध्यानाकर्षण भी करवाया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी हरकत में आये और गत दिवस से अधुरे नहर का सीमेन्टीकरण का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसका कार्य जारी है। इस तरह से दो वर्ष बाद अधुरे नहर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है। लेकिन इस निर्माण कार्य पर किसानों ने निर्माण कंपनी एवं विभाग पर निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने सहित गुणवत्ताहीन कार्य करवाने का आरोप लगाया है। वहीं किसानों का कहना है नहर के सीमेंटीकरण कार्य में निम्न स्तर के मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है ऐसी स्थिति में सीमेन्टीकरण नहर जल्द खराब हो जायेगी क्योंकि पूर्व में जिस स्थानों पर सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण किया गया है उक्त स्थानों से जगह-जगह से नहर खराब हो चुकी है। साथ ही किसानों के आने-जाने के लिए नहर के बीच में पुलिया का भी निर्माण नही किया गया है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि टेकाड़ी ला. से बोरी-बेलगांव माइनर नहर के अधुरे कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं माइनर नहर की अंतिम सीमा तक सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाये ताकि किसानों के खेतों तक आसानी से सिंचाई के लिए पानी पहुंच सके।

निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि टेकाडी ला. के सर्राटी जलाशय से निकली माइनर नहर बेलगांव तक जाती है और इस माइनर नहर के माध्यम से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के किसानों के खेतों में सिंचाई होती है। लेकिन दो वर्ष पूर्व टेकाड़ी ला. से मानपुर मंदिर टोला तक ही निर्माण कार्य किया गया था उसके बाद से निर्माण कार्य बंद कर दिया गया था। जिसके कारण मानपुर से बेलगांव नहर की अंतिम सीमा तक सर्राटी जलाशय का पानी नही पहुंचने से किसानों की फसल पानी के अभाव में प्रभावित हो रही थी। जबकि दो साल पहले ही बेलगांव तक माइनर नहर का सीमेन्टीकरण का कार्य हो जाना था, लेकिन निर्माण कंपनी के ठेकेदार की लापरवाही एवं विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के चलते कार्य पूर्ण नही हो पाया था। वहीं 100 साल पूर्व बनी मिट्टी की नहर पूरी तरह से जीर्णशीर्ण एवं जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। ऐसी स्थिति में टेल क्षेत्र तक पानी नही पहुंच पा रहा था जिससे किसान बेहद परेशान थे। वहीं किसानों के द्वारा अधुरे नहर का निर्माण कार्य को जल्द पूरा करवाने की मांग लगातार शासन-प्रशासन से कर रहे थे। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी हरकत में आये है और गत दिवस से मानपुर मंदिर टोला से बेलगांव के अंतिम सीमा तक अधुरे माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया है, जिसका कार्य जारी है किन्तु निर्माण कपंनी का कहना है कि महज 1 किमी. दुरी तक ही निर्माण किया जायेगा। उसके आगे नही किया जायेगा यानि की बेलगांव की अंतिम सीमा तक सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण नही होगा। जबकि वैनगंगा बड़ी नहर के समीप तक इस नहर की सीमा है उक्त स्थान तक निर्माण होना चाहिए तभी किसानों को लाखों रूपयों की लागत से बन रही सीमेन्टीकरण नहर का लाभ मिल पायेगा नही तो अधुरा निर्माण होने से समस्या हमेशा ही बनी रहेगी। किसानों ने शासन-प्रशासन से टेकाड़ी ला. से बेलगांव माइनर नहर की अंतिम सीमा तक गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की मांग की है।

माइनर की अंतिम सीमा तक निर्माण होनी चाहिए - जितेन्द्र

किसान जितेन्द्र पंचेश्वर ने बताया कि टेकाड़ी ला. से बेलगांव माइनर नहर के माध्यम से पहले खेतों तक आसानी से पानी पहुंच जाता था लेकिन नहर का अधुरा निर्माण होने से किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पा रहा था। दो साल बाद अधुरे नहर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है लेकिन निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है। ऐसी स्थिति में सीमेन्टीकरण नहर जल्द खराब हो जायेगी। श्री पंचेश्वर ने बताया कि दो साल बाद अधुरे नहर का निर्माण कार्य किया जा रहा है, हमारी मांग है कि गुणवत्तापूर्ण एवं माइनर की अंतिम सीमा तक नहर का निर्माण कार्य होनी चाहिए नही तो किसान कठोर कदम उठाने बाध्य होगें।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाये प्रशासन - अरविंद

बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि यह नहर किसानों की सिंचाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्माण कार्य अधुरा होने के कारण मानपुर, अमोली एवं बेलगांव के किसानों को सर्राटी जलाशय का पानी खेतों तक नही पहुंच पा रहा था। जिससे किसान परेशान थे, गत दिवस से जिस स्थान से निर्माण कार्य बंद किये थे वह से शुरू कर दिया गया है। लेकिन निर्माण कार्य में कुछ अनियमितता बरती जा रही है, हमारी मांग है कि गुणवत्तापूर्ण एवं किसानों के खेतों में आसानी से पानी पहुंच जाये ऐसा निर्माण किया जाये। श्री पंचेश्वर ने बताया कि यह माइनर नहर वैनगंगा बड़ी नहर बेलगांव के अंतिम सीमा तक जाती है और सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में होनी चाहिए नही तो ठेकेदार के कर्मचारी निर्माण कार्य में लापरवाही बरतते हुए घटिया निर्माण कार्य कर चले जायेगें। जिसके बाद किसानों को परेशानी होगी इसलिए गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाये प्रशासन।

कटंगटोला में कबड्डी प्रतियोगिता 25 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. के अंतर्गत आने वाली ग्राम कटंगटोला में जय माँ बम्लेश्वरी समिति के तत्वाधान में मंडई के अवसर पर आगामी 25 अक्टूबर से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए आयोजन समिति के उपसचिव देवेन्द्र तेकाम ने बताया कि ग्राम कटंगटोला (टेकाड़ी ला.) में मंडई के अवसर पर आगामी 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे से एक दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 10001 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 7001 रूपये, तृतीय पुरस्कार 5001 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 301 रूपये निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर जिलेभर के कबड्डी टीमों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील आयोजन समिति के अध्यक्ष दीपक खण्डाते, उपाध्यक्ष दिलीप तेकाम, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र मर्सकोले, उपसचिव देवेन्द्र तेकाम, सचिव अंकित उयके, जनपद सदस्य झनकारसिंह उइके, सरपंच प्रतिनिधि रामसहाय गाडेश्वर, सचिव संतलाल पन्द्रे, वन विभाग के मोहपाल उइके, सचिव भीवराम डोंगरे, रोजगार सहायक राधेश्याम गाड़ेश्वर, चंदन टेकाम उपसरपंच, श्रीमती इंदिराबाई टेकाम पूर्व सरपंच, राजू देशकर पूर्व सरपंच, कानुसिंह खण्डाते पुलिस, मानसिंह खण्डाते, शेरसिंह खण्डाते सहित मंडई समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

बम्हनी के आंगनवाड़ी केन्द्र में पोषण माह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बम्हनी स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में सोमवार को आठवां राष्ट्रीय पोषण माह मनाया गया। यह कार्यक्रम सरपंच बीआर ढबाले की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर थीम मोटापा नियंत्रण पर उपस्थितजनों को आवश्यक जानकारी देते हुए कहा कि नमक, चीनी, तेल का उपयोग कम करने एवं बाल्यावस्था में देखभाल, शिक्षा, पोषण एवं पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही गर्भवती माताओं के लिए समुदाय आधारित परामर्श सत्र पर केन्द्रित करने के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा, सहायक सचिव दीपा बिसेन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती इंद्रा बिसेन, श्रीमती अनुसूईया जम्हारे, श्रीमती वंदना सोनी, श्रीमती गौरूला ढबाले सहित शिक्षकगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

किसान क्रांति यात्रा 16 को

बैठक में किसान क्रांति यात्रा की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं की बैठक विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में क्षेत्र के किसानों के साथ आगामी 16 अक्टूबर को उनके हक अधिकार दिलवाने के लिए किसान क्रांति यात्रा निकालने के उद्देश्य, कार्यक्रम की तैयारी सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। साथ ही किसानों एवं पार्टी के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों से जिला मुख्यालय पहुंचकर इस किसान क्रांति यात्रा को सफल बनाने की अपील की गई है। चर्चा में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि किसान क्रांति यात्रा का उद्देश्य प्रदेश के किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाना है। इस अवसर पर किसान भी अपनी समस्याएं एवं कृषि संबंधित मुद्दे खुलकर रखे। साथ ही यह भी बताया कि इस किसान क्रांति यात्रा के माध्यम से सरकार से मांग है कि धान का समर्थन मूल्य 3100 रूपये प्रति क्विं. करें, गेंहू का समर्थन मूल्य 2700 रूपये, 24 घंटे बिजली, झुठे बिजली चोरी के प्रकरण को तत्काल वापस लेने, किसानों के सिंचाई पंपों के बकाया बिजली बिल तत्काल माफ करने सहित अन्य मांगों को पूरा किये जाने की मांग की जायेगी। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, पांढरवानी अनीस खान, जनपद सदस्य जाहिद खान, नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर, मनीष कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती सहित अन्य कांग्रेसी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत आपूर्ति सेवा रहेगी बंद आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। विद्युत विभाग की 132 केव्ही सब स्टेशन एमपीपीटीसीएल लालबर्रा में मानसून पश्चात एवं परीक्षण कार्य 15 अक्टूबर को किया जाना है। जिसके चलते 15 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक 132/33 केव्ही उपकेन्द्र लालबर्रा से निकलने वाले सभी 33 केव्ही फीडर में विद्युत आपूर्ति सेवा बंद रहेगी। चर्चा में विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री सरफराज कुरैशी ने बताया कि 15 अक्टूबर को 132 केव्ही सबस्टेशन एमपीपीटीसीएल लालबर्रा में मानसून पश्चात रख-रखाव एवं परीक्षण कार्य किया जाना है। जिसके चलते 132/33 केव्ही उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त फीडर में आज प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। साथ ही यह भी बताया कि आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने के लिए उक्त कार्य करवाया जाना अंत्यंत आवश्यक है। जिस कारण जन सामान्य को होने वाली असुविधा के लिए खेद है। श्री कुरैशी ने बताया कि कार्य के दौरान आवश्यकतानुसार कटौती में अवधि घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

ड्रा से खोला गया 49 पटाखा दुकानों का आबंटन

सांदिपनी स्कूल खेल मैदान में लगेगी अस्थाई पटाखा दुकानें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सांदिपनी स्कूल के खेल मैदान में 14 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे अस्थाई पटाखा दुकान लगाने के लिए ड्रा खोला गया। यह ड्रा खोलने की प्रक्रिया थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी, पटवारी शिवलाल अड़मे, अस्थाई लाइसेंसधारी पटाखा दुकानदारों की उपस्थिति में खोला गया। जिसमें ड्रा के माध्यम से 49 अस्थाई पटाखा दुकानों का आबंटन किया गया। पटाखा दुकानदारों को शासन के नियमों का पालन करते हुए मुख्यालय स्थित सांदीपनी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में 49 दुकानें खोलने के निर्देश दिये गये और समस्त सावधानियां बरतने की बात कही गई। वहीं पटाखा दुकान के लिए ड्रा खुलने के बाद प्रशासन के द्वारा सांदीपनी स्कूल खेल मैदान का दुकानदारों के साथ निरीक्षण कर दुकान लगाने के लिए जगह का लेआउट देने की कार्यवाही की गई। साथ ही एक-दो दिनों के अंदर दीपावली पर्व के लिए दुकानदार पटाखा की दुकान तैयार कर पटाखा विक्रय करेगें। वहीं पटाखा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पटवारी एवं प्रशासन से मांग की है कि किराना एवं अन्य दुकानों में अवैध रूप से पटाखों का विक्रय किया जाता है। उस पर प्रतिबंध लगाकर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में फटाका एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर सांदीपनी स्कूल लालबर्रा के खेल मैदान में पटाखों की दुकानें लगेगी इसलिए प्रशासन के द्वारा ड्रा के माध्यम से दुकाने आबंटित किया गया है और इस बार 49 दुकानें लगेगी। साथ ही यह भी बताया कि प्रशासन के द्वारा स्थल निरीक्षण कर दुकान लगाने के लिए जगह आबंटित की है और प्रशासन ने निर्देश दिये गये है कि शासन के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से रेत, बाल्टियों में पानी, फायर सेफ्टी सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम रखने कहा गया है। आगे बताया कि प्रशासन से मांग है कि बाजार क्षेत्र स्थित कुछ दुकानों में अवैध रूप से पटाखों का विक्रय किया जाता है उन पर प्रतिबंध लगाये। इस अवसर पर पटाखा दुकानदार उपस्थित रहे।

बौध्द अनुयायियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 69 वां धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के हद्यस्थल बस स्टैण्ड स्थित बाबा साहेब के प्रतिमा स्थल में बौध्द संघ तहसील शाखा लालबर्रा के द्वारा 14 अक्टूबर को 69 वां धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम बौध्द संघ तहसील लालबर्रा के पदाधिकारियों एवं उपासक-उपासिकाओं की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर प्रात: 9 बजे बौध्द अनुयायियों के द्वारा बस स्टैण्ड स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्र'वलित कर पूजन अर्चन किया गया तत्पश्चात उपस्थित बौध्द उपासक-उपासिकाओं ने सामूहिक रूप से त्रिशरण व पंचशील का वाचन कर बाबा साहेब के बताये मार्ग पर चलकर देश हित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के जीवन गाथाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलकर संगठित होकर बाबा साहेब के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही। चर्चा में बौध्द संघ तहसील लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि 14 अक्टूबर 1956 को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने नागपुर के दीक्षा भूमि में लाखों अनुयायियों के साथ धम्म प्रवर्तन किये थे। जिस धर्म में मानव-मानव को नहीं समझ रहा था, प्रताड़ित थे, तिरस्कार हो रहा था जिसको देखते हुए स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्वता के आधार पर बाबा साहेब ने आज ही के दिन इस धम्म को ग्रहण किया था और विश्व में महात्मा गौतम बुध्द जिन्हें भगवान बुध्द कहते है। उन्होंने अराजकता व असमानता के खिलाफ पराकाष्ठा तैयार कर समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व व न्याय की गरिमा को धारण करने के लिये विश्व में पहला धम्म चक्र अपनाया और बौध्द समाज के अनुयायी आज भारत में खुश है। वहीं दूसरा धम्म चक्र महान सम्राट अशोक ने अपनाकर शांति का संदेश दिया। तीसरा धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस बाबा साहेब ने अपनाकर हमें समता स्वतंत्रता, बंधुत्व व न्याय की गरिमा देकर छूआछूत और परेशानियों को दूर कर एकता व शांति का संदेश दिया। तब से धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पूरे भारत व विश्व में मनाया जा रहा है जो भगवान महात्मा गौतम बुध्द की शांतिप्रिय देन है। इस अवसर पर प्रहलाद मेश्राम, रविशंकर मेश्राम, ताराचंद कावड़े, आनंद चौहान, देवानंद बोरकर, राजेश डोंगरे, अशोक गेडाम, बाबूलाल मेश्राम, हुकुमचंद गजभिये, सुनिल हिरकने, राजेश रंगारे, सुरेश डोंगरे, तरूण गजभिये, राजेश चौरे, परमानंद डोंगरे, प्रमोद चौहान, अंतराम चौरे, संजीवराव गजभिये, सुशांत घरडे, रामदास चौरे, कृष्णकुमार वैद्य, रवि तुरकर, विनोद गोंडाने, द्वारका डोंगरे, मोना गेडाम, महेन्द्र गजभिये, पूनम गजभिये, लवकुश रंगारे एवं श्री निकोसे सहित बौध्द उपासक-उपासिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फटाखा व्यापारियों का निकाला गया लाट, ९० दुकानें लगेंगी

दुकान आवंटित कर संचालन के दिये दिशा निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक भवन में फटाखा व्यापारियों को दुकान आवंटित करने लाट प्रक्रिया का आयोजन किया गया। यह लाट प्रक्रिया प्रभारी एसडीएम कैलाशचंद ठाकुर , तहसीलदार वंदना कुसराम ,नायब तहसीलदार तिलक प्रसाद अक्षरिया सहित पटाखा व्यापारियों की उपस्थिति में प्रारंभ गया। जिसमें दुकान का आवंटन लेआउट सहित विभिन्न प्रकार की जानकारी लेने के उपरांत दुकान संचालक के विभिन्न दिशा निर्देश देते हुए व्यवस्थित रूप से दुकानों का संचालन करने अपील की गई। वहीं नंबर के आधार पर लाट प्रक्रिया प्रारंभ की गई जिसमें व्यापारियों के द्वारा निकाली गई चिट्ठी में मिलने वाले नंबर की दुकान उन्हें आवंटित की गयी।

९० दुकानों का डाला लेआउट

वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अस्थाई फ्टाका व्यापार लगाने के लिए स्थान चिन्हित किया गया। जहां पर ९० दुकानों के लेआउट डाले गए जिसमें ७ फीट करीब की दुकान के लिए स्थान दिया गया है। जहां ९० लेआउट डाले गये हैं इस दौरान मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा स्थल निरीक्षण करने के उपरांत मौके पर वस्तु स्थिति का जायजा लेते हुए व्यवस्थाओं को भी देखा गया कि किस प्रकार से आगामी समय में दुकानें लगने के बाद समस्या होगी। उससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हो सकते हैं और मौके पर कितना स्थान रिक्त हो सकता है।

८८ दुकानों का निकाला गया लाट

वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में जहां अस्थाई फटाखा दुकान लगाई जानी है उसके लेआउट के बारे में जानकारी लेते हुए लॉट सिस्टम से समस्त दुकानों का आवंटन किया गया। इस दौरान करीब ८८ लाइसेंस को दुकानें आवंटित की गई। जहां लेआउट ९० दुकानों का डाला गया था इसमें दो दुकान रिजर्व में रखी गई है। वहीं कलेक्टर से प्राप्त सूची में १०७ लाइसेंस जारी होने की पुष्टि की गई है, इस परिस्थिति में ८८ अस्थाई फटाका व्यापारियों को दुकान आवंटित की गई है। वहीं सभी को विस्फोटक अधिनियम के तहत ग्राउंड में आतिशबाजी ना करने असामाजिक तत्वों का जमावड़ा नहीं लगाने दुकानदार अग्निशामक यंत्र एवं रेत सहित पानी की व्यवस्था रखने निर्देशित किया गया।

लाइसेंस के आधार पर लगेगी दुकाने

वारासिवनी और उसके आसपास की दुकान सभी एक स्थान पर लगाई जा रही है। इसमें अन्य भी दुकान है जो लाइसेंस के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र में लगेगी यदि लाइसेंस वारासिवनी का दिया गया है तो उन्हें स्टेडियम में आकर दुकान लगानी होगी। यदि रामपायली और डोंगरमाली है तो उनकी दुकान वहां पर लगाई जाएगी जो तहसीलदार के माध्यम से लेआउट तैयार किया जाएगा। इसमें जिस व्यक्ति को जहां का लाइसेंस मिला है वहां पर उन्हें दुकान दी जाएगी।

दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया गया है-एसडीएम

एसडीएम कैलाश चंद ठाकुर ने बताया कि दीपावली पर्व पर प्रतिवर्ष पटाखे की दुकान लगती है इस वर्ष भी यह अस्थाई दुकानें लगाई जानी है। जिसमें वारासिवनी में लगभग ८८ दुकान लग रही है इन दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया गया है। मौका हमने देखा है पर्याप्त जगह है दुकान लग जाएगी सभी को विस्फोटक अधिनियम का पालन करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन हर चीज के लिए तैयार है दुकान कहीं भी एक स्थान पर लगेगी ,रामपायली और डोंगरमाली ग्रामीण क्षेत्रों के हिसाब से दुकान लगेगी। वहां पर पंचायत क्षेत्र के हिसाब से जहां लाइसेंस दिया गया है वहां लगेगी। वारासिवनी का यह अलॉटमेंट किया गया है बाकी जगह तहसीलदार व्यवस्था बनाएंगे। इस दौरान फायर ,पुलिस ,नगर पालिका आमला मौजूद रहेगा।

धम्म चक्र परिवर्तन दिवस का हुआ आयोजन

बाबासाहेब आंबेडकर की याद में हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

नगर के डॉ भीमराव आंबेडकर मंगल भवन में फुले आंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में १४ अक्टूबर को धम्म चक्र परिवर्तन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम पूज्य भंते धम्मशिखर बालाघाट व समाज के अन्य प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें बौद्ध उपासक उपसिकाओं नगर के वार्ड नं २ स्थित डॉ भीमराव आंबेडकर मंगल भवन से एकत्रित हुए। जहां से शाम ५.३० बजे पैदल रैली निकालकर नगर के दीनदयाल चौक, बस स्टैंड ,जय स्तंभ चौक ,नेहरू चौक सहित विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए डॉ भीमराव आंबेडकर चौक पहुंचे। जहां पर डॉ बी आर आंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात सामूहिक त्रिशरण पंचशील का पाठ करवाकर वंदना करवायी गई। जहां से यह रैली नगर भ्रमण करते हुए वापस डॉक्टर भीमराव आंबेडकर मंगल भवन पहुंची जहां रैली का समापन किया गया। ततपश्चात् धम्म देशना कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिसमें उपस्थित पूज्य भंते धम्मशिखर बालाघाट के द्वारा धम्म देशना दी गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से उपस्थित वरिष्ठ जनो ने समाज में जागरूकता लाने और लोग ज्यादा से ज्यादा शिक्षित होकर अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके। इस पर विशेष जोर देते हुए अपने बच्चों को प्राथमिक ,माध्यमिक और उच्च शिक्षा दिलवायें और यदि आपके पड़ोस में कोई बालक रहता है तो उसे भी प्रेरित कर उसका सहयोग करने की बात कही गई। वहीं समाज के जितने महापुरुष हुए हैं उन सभी के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक लेकर जाने महापुरुषों के दी गई शिक्षा को ग्रहण करने कहा गया। यह जो धम्म चक्र परिवर्तन दिवस मनाया जाता है। इस दिन महामानव डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के द्वारा अपने अनेक समर्थकों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली गई थी। इसलिए इसे मनाकर उस महामानव को याद किया जाता है जिसने पूरे देश को एक प्रकाश संविधान के रूप में दिया है। इसके बाद १४ अप्रैल को आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रथम ,द्वितीय ,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार दिया गया तो वहीं भोजनदान

का भी आयोजन किया गया। पदमेश से चर्चा में समिति अध्यक्ष विमलेश मेश्राम ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। डॉ बी आर आंबेडकर के द्वारा ११४ अक्टूबर १९५६ को हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म की दीक्षा अपने लाखों अनुयायियों के साथ ली गई थी। इस दिन को पूरे विश्व में हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसी के तहत नगर सहित क्षेत्र के समस्त बौद्ध विहारों में साफ सफाई कर पूजा वंदना की गई। हमारे द्वारा डॉ बी आर आंबेडकर मंगल भवन से रैली निकाली गई जो आंबेडकर चौक पहुंची । जहां पर डॉ बी आर आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वापस मंगल भवन पहुंचे। जहां पर धम्म देशना पूज्य भंते के द्वारा दी गई तो वहीं १४ अप्रैल को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

गृह निवास में पदस्थ पटवारियों के स्थानांतरण के लिए कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के शिवधाम निवासी देवेंद्र टेकाम,ईश्वरी टेकाम ,गोविंद टेकाम सहित अन्य लोगों के साथ जिला कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर पटवारी हल्का नंबर २६/१,२६/२ एवं ३१ के तीनों पटवारी का स्थानांतरण करने की मांग की गई। ज्ञापन में आवेदकों ने बताया कि शांतनु दुबे हल्का पटवारी २६/१ वारा पिछले ३ वर्षो ,से शिव पटले पटवारी हल्का २६/२ सिवनी पिछले ३ वर्षो से, राकेश सोनी पटवारी हल्का नंबर ३१ पिछले ६ वर्षों से इन हल्को में पदस्थ है। पटवारी हल्का वारा २६/१ में आवेदक देवेंद्र टेकाम के परिवार की मालकी और कब्जे की भूमि है और उक्त भूमि के संबंध में व्यवहार न्यायालय तथा अनुविभागीय अधिकारी के न्यायालय में राजस्व अपील विचाराधीन है। यह तीनों पटवारी अपने गृह निवास में पदस्थ है जो लोगों के साथ मिलकर व्यक्तिगत ढंग से वास्तविकता से परे प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं। अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा उपरोक्त न्यायालय में राजस्व अपील प्रत्यावर्ती की गई थी। उसमें तहसीलदार वारासिवनी के साथ मिलकर गलत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर पृथक पृथक नामांतरण कराकर विभाजन कर दिया गया है। जबकि यह शामिल शरीफ की भूमि है विभाजन का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ इसके बावजूद विभाजन कर दिया गया। तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा १३ मई २०२५ को आदेश पारित किया गया और हल्का पटवारी उक्त आदेश को १६ मई २०२५ को टिप करता है और उक्त विवादित भूमि का नक्शा रजिस्ट्री के लिए १६ मई २०२५ को सनुलाबाई वगैरह को नक्शा दे दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भूमि का पंजीयन विक्रय पत्र १४ मई २०२५ तथा १७ मई २०२५ को निष्पादित हो जाता है। यह हल्का पटवारी लोगों के साथ मिलकर उनके बताएं अनुसार प्रतिवेदन तैयार करता है। उक्त प्रकरण में २० मई २०२५ को रिकॉर्ड दुरुस्ती का प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत करता है ,इससे स्पष्ट है कि हल्का पटवारी गृह निवास में होने के कारण लोगों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह एक राय होकर दूसरे लोगों के पक्षों में कार्य कर रहे हैं वहीं पीठासीन अधिकारी को गलत जानकारी देकर गलत आदेश पारित करवा लेते हैं। ऐसी स्थिति में इन पटवारी को उनके गृह निवास के पटवारी हल्का से तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण किया जाना आवश्यक है और यह न्याय उचित होगा। हमारी मांग यही है कि इन्हें गृह निवास से अंयन्त्र स्थानांतरण किया जाए।

यह लड़ाई क्षेत्र के विकास और आत्मसम्मान की है-निर्मल

वारासिवनी में टीम अटल का पहला स्थापना दिवस सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। रामपायली।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम रामपायली बालाजी के धाम में टीम अटल के द्वारा पहला स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम पूर्व विधायक एवं संस्थापक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल के नेतृत्व में हजारों की संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री राम बालाजी के जयकारों के साथ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर नगर एवं क्षेत्र से उपस्थित हजारों महिला पुरुष कार्यकर्ताओं ने श्री राम बालाजी भगवान को नमन करते हुए जयकारे लगाए । तत्पश्चात मंचासीन कार्यक्रम में छगन हनवत, अजय देवनाथ बिसेन ,हीरामन राहगंडाले ,झाम सिंह बिसेन ,मूरत सिंह पारधी ,कृष्णा हनवत ,फू लचंद पटले, मूलचंद राहगंडाले ,विनोद म्मात्रे ,दिनेश बिसेन ,महेंद्र बिसेन ,रविंद्र रुसिया ,नारायण तिवारी ,नानाभाऊ ठाकरे ,रवि शंकर दास वैष्णव ,अधिवक्ता पी के पाठक ,पीयूष अग्रवाल आदि ने अपने संबोधन में टीम अटल की प्रारंभ हुए पहला वर्ष के समय में बहुतायत कार्यकर्ताओं का टीम अटल से जुड़ना और सहृदयता से कार्य करने पर उनका आत्म बल में जो उन्माद आ रहा है। इससे ऐसा लगता है की टीम अटल अपने कार्यों में सफलता के परचम लहराने तत्पर हो रही है। ज्ञात हो की टीम अटल की शुरुआत १२ अक्टुबर २०२४ को विजयदशमी के शुभ अवसर पर स्थानीय श्री राम बालाजी मंदिर प्रांगण में भगवान श्री राम को नमन कर स्थापना की गई थी। तब से इस टीम में ४२०० कार्यकर्ताओं ने सदस्यता भगवान श्री राम के प्रांगण में ली थी। वर्तमान में इस टीम का सदस्यता अभियान लगातार जारी होने के साथ साथ संख्या बल टीम अटल की निर्बाध रूप से बढ़ते जा रही है और अपने कार्य को अंज़ाम देने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता हर्षित है।

हम किसी से कम नहीं है छोटा सा सर्प भी मौत का कारण बन जाता है

पूर्व विधायक डॉक्टर योगेंद्र निर्मल ने कहा कि टीम अटल पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के विचारों से ओतप्रोत है और यह लड़ाई दीपक और तूफतुफान की है। जिसमें भाजपा और कांग्रेस बड़े वाहनों से घूम कर अपनी पार्टी की छवि बना रहे है। लेकिन टीम अटल का कार्यकर्ता साइकिल से चलकर अपनी पार्टी की छवि को अपनी पार्टी के लिए साइकिल से जन जन तक पहुंच रहा है। भगवान श्री राम की नगरी में हुई स्थापना टीम अटल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और टीम अटल के उद्देश्य से जुड़कर टीम अटल के हाथों को मजबूत करने वाले सभी का मै आभारी हूं। कि वह लगातार टीम अटल के विचारों से जुड़कर टीम अटल के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं। हम जरूर एक दिन अपना परचम लहराएंगे हमारे पास साधनों का अभाव है लेकिन बबब टीम अटल एक स्वच्छ विचारों के साथ अपने उद्देश्य और जनता जनार्दन की सेवा के लिए सदैव तत्पर्य है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर टोप सिंह पारधी ,बुनेद्र बिसेन ,गोसन लाल राणा ,मोनू देशमुख ,पीतांबर नागेश्वर, मनीष मिश्रा, प्रकाश बाफ्ना ,सोहेब खान ,उमेश चैतगुरु, भोलाराम पटले ,मंगलदास कोडपे ,दिगंबर पटले ,राजकुमार बेसरकार ,लक्ष्मण दमाहे ,ईश्वरी प्रसाद ठाकरे ,श्रीमती कलाबाई चौधरी ,श्रीमती माला बाई नगरधने ,श्रीमती विद्या ठाकरे ,दिनेश बिसेन ,विनोद कैनावत, ईश्वरी शरणागत, नेतलाल चौधरी ,भुवा जी राहगंडाले ,चुन्नीलाल कटरे ,भुवनेश्वर पारधी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन कुंवर लाल ठाकरे ने किया एवं आभार प्रदर्शन हीरामन राहगंडाले किया।

महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार हुआ सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

शासकीय शंकरसाव महाविद्यालय में १४ अक्टुबर को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार विकसित भारत विजन २०४७४ विविध संदर्भ विषय पर आभासी मंच के माध्यम से किया गया। आभासीय मंच पर वेबीनार का संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् कायक्रम संयोजक रक्षा निकोसे के द्वारा विषय के परिचय पर सारगर्भित रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम संचालक के द्वारा मुख्य संरक्षक पी आर चंदेलकर , अशोक मराठे ,डॉ0 एस एस गेड़ाम ,प्रफुल्ल बिसेन,डॉ. रमाकांत राय,डॉ श्रीकांत लक्ष्मणराव आरले ,डॉ गोविंद सिरसाठे एवं समस्त अतिथियों का परिचय दिया गया। डॉ. अशोक मराठे के द्वारा वेबीनार के आयोजन एवं सफलता के लिए मार्गदर्शन एव शुभामनाएँ प्रेषित की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य एस एस गेड़ाम के द्वारा विकसित भारत में ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकि के क्षेत्र में प्रगति पर प्रकाश डाला गया एवं शुभकामना संदेश दिया। प्रफुल्ल बिसेन के द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार विकसित भारत: विजन २०४७ विविध संदर्भ में राष्ट्र और समाज के उत्थान में युवाओं की भुमिका को अहम बताया। डॉ श्रीकांत लक्ष्मणराव आरले के द्वारा विकसित भारत विजन २०४७ साहित्य के युगानुरूप परिवर्तनों व वर्तमान साहित्य के विकास पर प्रकाश डाला। डॉ. रमाकांत राय के द्वारा प्रथामिक शिक्षा में मातृभाषा की स्वीकार्यता तथा २०४७ तक हिन्दी कोर क्षेत्र से बहार निकलकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर प्रतिष्ठित होने की बात कही। गोविंद सिरसाठे के द्वारा साहित्य को राष्ट्र की आत्मा स्वीकारते हुए विकसित भारत हेतु संस्कृति, शिक्षा, नवाचार एवं नैतिक मुल्यों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ ज्योति बर्फे सहायक प्राध्यपक हिन्दी शासकीय महाविद्यालय मनावर जिला धार के द्वारा शोध पत्र वाचन में विकसित भारत में शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डाला। कृष्णा पराते के द्वारा सर्वप्रथम वेबीनार में पंजीकृत १८६ प्रतिभागीयों, आभासी मंच पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार एवं वर्चुवल कक्ष में १४७ से अधिक उपस्थित समस्त संरक्षक, मुख्य वक्ता, मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से शामिल शोधार्थी, मार्गदर्शक प्रवक्ता, परामर्श समिति, आयोजन समिति, तकनीति समिति, महाविद्यालय परिवार एवं छात्र छात्राओं का आभार प्रदर्शन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया।

खापा में आरएसएस का पथ संचलन संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा के स्कूल परिसर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पथ संचलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि खेलचंद ठाकरे ,उपखंड कार्यवाह राजेंद्र ठाकरे एवं मुख्य वक्ता सह जिला कार्यवाहक शिवदयाल बोपचे की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें स्कूल परिसर से कदमताल करते हुए पथ संचलन प्रारंभ किया गया। जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और मुख्य सड़क से होते हुए पूरे ग्राम का भ्रमण कर वापस स्कूल मैदान पहुंचा जहां पर पथ संचलन संपन्न हुआ। इस दौरान शिवदयाल बोपचे ने संघ की १०० वर्ष की यात्रा में स्वयं सेवकों के द्वारा किये गए कार्यों का विस्तृत वर्णन कर स्वतंत्रता आंदोलनो में योगदान एवं विभिन्न चुनौती एव संघर्ष के बारे में बताया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयं सेवक मौजूद रहे।

संपादकीय

जवाबदेही के बजाय लापरवाही भरी प्रतिक्रिया

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार सात्कार के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जहां इस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, वहां वे अपना पल्ला झाड़ने के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करती दिखती हैं। गौरतलब है कि दुर्गापुर में कालेज के प्रवेश द्वार के पास से अगवा करके कुछ लोगों ने छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया। यह घटना पुलिस और कानून-व्यवस्था की लाचारगी का ही सबूत है कि आपराधिक तत्त्वों ने एक तरह से बेखौफ होकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। अफसोसनाक यह है कि कानून-व्यवस्था की इस स्तर की नाकामी के बाद राज्य की मुख्यमंत्री को जहां पहले जिम्मेदारी लेने और राज्य के पुलिस तंत्र को सवालों के कठघरे में खड़ा करना चाहिए था, वहां उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।

> इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मन:स्थिति की गंभीरता को समझे। ऐसे मामलों में व्यक्ति के भीतर मानवीयता के मूल्यों की समझ का भी अंदाजा लगता है।

सवाल है कि एक जघन्य अपराध के बाद ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की हकीकत को स्वीकार करने के बजाय पीड़ित को ही जिम्मेदार बता कर क्या हासिल करना चाहती हैं। क्या एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे यह स्वीकार कर रही हैं कि उनके शासन में रात के समय बलात्कार और अन्य जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले लोगों पर पुलिस या कानून की कोई लगाम नहीं होती? दरअसल, महिलाओं को देर रात घर से निकलने पर अपराधियों से खतरा होने को लेकर ममता बनर्जी का बयान न केवल लापरवाही से भरा है, बल्कि अपराधियों के दुस्साहस को और मजबूत करता है। पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है। इस क्रम में पीड़ित पर ही सवाल उठाने की प्रवृत्ति बेहद गैरजिम्मेदाराना है। किसी दुखद घटना का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल से सरकार खुद ही पल्ला झाड़ने में लगी है।

इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मन:स्थिति की गंभीरता को समझे। ऐसे मामलों में व्यक्ति के भीतर मानवीयता के मूल्यों की समझ का भी अंदाजा लगता है। मगर न केवल एक महिला, बल्कि राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता बनर्जी ने सामूहिक बलात्कार की पीड़ित की मनोदशा और पीड़ा को समझना जरूरी नहीं समझा। बयान का विरोध होने पर वे भले ही सफाई में अपनी बातों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया बताएं, लेकिन हकीकत यही है कि उन्होंने राज्य की मुख्यमंत्री पद पर होने और अपनी कोई जवाबदेही का एहसास करने के बजाय कानून-व्यवस्था को लागू करने में नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश की। राजनीति में अपने विपक्षियों का सामना या उनसे टकराव एक राजनीतिक तकाजा हो सकता है, लेकिन महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों के मामले में अगर इस तरह की लापरवाही से भरी प्रतिक्रिया दी जाती है, तो यह मुख्यमंत्री के रूप में उनकी शासकीय गंभीरता और क्षमता को भी कठघरे में खड़ा करता है।

बहस - परीक्षा में नवाचार के समांतर चुनौतियां

शिक्षा जब विवेक, बुद्धि और कल्पना के साथ व्यवहार में लाई जाती है, तो वह ज्ञान में परिवर्तित हो जाती है। खुली किताब वाली परीक्षा इसका एक माध्यम हो सकती है।

परीक्षा के मानकों और जटिलताओं के मसले पर पिछले लंबे समय से बहस होती रही है। इसमें यह सवाल भी उठता रहा है कि क्या हमारी मौजूदा परीक्षा प्रणाली किसी विद्यार्थी के भीतर की संभावनाओं और क्षमता का आकलन कर पाने में पूरी तरह सक्षम होती है। परीक्षा क्यों ली जाती है? इसका मापदंड क्या सिर्फ पड़े हुए विषय का आकलन भर है? अगर हम भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में परीक्षा से जुड़े तथ्यों को ध्यान से पढ़े तो पता चलता है कि परीक्षा सिर्फ विषय ज्ञान का मूल्यांकन करना मात्र नहीं होती। परीक्षा शिक्षा पाने के क्रम में व्यक्तित्व के विकास के आकलन का एक माध्यम भी है। तब शिक्षक परीक्षा के दौरान सिर्फ विषयों की जानकारी आधारित आकलन नहीं करते थे। वे इस बात का भी मूल्यांकन करते थे कि उनके शिष्य का विवेक किस स्तर का है और किसी भी परिस्थिति में बौद्धिक, व्यावहारिक एवं नैतिक रूप से विश्लेषण करने की उनकी क्षमता कितनी है। परीक्षा के माध्यम से वे शिष्य को हर कसौटी पर जांचते-परखते थे और यह भी देखते थे कि उनकी चेतना में किन गुणों का कितना विकास हो पाया है।

मूल रूप से शिक्षा चेतना के निर्माण का कार्य करती है। तभी आज भी हम अक्सर जगह-जगह लिखा पाते हैं- 'सा विद्या या विमुक्तये', अर्थात् वह विद्या, जो मुक्त होने का रास्ता दिखाए। कोई भी विद्या तभी यह मार्ग दिखा पाएगी, जब वह चेतना में परिवर्तन का काम करे। और चेतना उर्ध्वगामी तब बनती है, यानी चेतना का विकास तब होता है, जब कल्पनाशीलता, विश्लेषण करने की क्षमता, ज्ञानेंद्रियों का विकास, विवेक और संवेदनशीलता का विकास छात्र के भीतर हो। शायद इसलिए हमें प्राचीन इतिहास में होने वाली परीक्षाओं का संबंध जीवन के व्यावहारिक ज्ञान में मिलता है। अब चाहे वह विज्ञान, गणित या फिर सामाजिक ज्ञान हो, या पारंपरिक हुनर का ज्ञान हो। वास्तव में यह एक तरह से खुली किताच वाली ही परीक्षा थी, जहां जीवन को एक किताब के रूप में खोल कर उत्तर देने की अनुमति थी। तब ज्ञान बंद किताब तक सीमित नहीं था, बल्कि किताबों का ज्ञान जीवन की ओर उन्मुख था।

साधारण अर्थों में खुली किताब वाली परीक्षा का मतलब है वैसी परीक्षा जहां छात्र किताबें खोल कर उत्तर लिखने को स्वतंत्र हों, उसे नकल नहीं माना जाएगा। एक संदर्भ के साथ इस पर बात की जा सकती है। दिल्ली के एक विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर की प्रथम परीक्षा में एक प्राध्यापक ने 'ओपन बुक एग्जाम' रखा, यानी खुली किताब वाली परीक्षा। उसमें एक विषय के पहले सत्र की पहली परीक्षा में छात्रों को प्रश्न देते हुए कहा गया कि आप स्वतंत्र हैं, किसी भी किताब को खोल कर प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं। प्रश्न मुश्किल से छह रहे होंगे और उनमें से छात्रों को सिर्फ दो या तीन प्रश्न हल करने थे। छात्रों ने प्रश्न देखा और किताबें खोलने लगे। प्राध्यापक मुस्कुरा रहे थे, छात्रों को किताबों में झांकते हुए देख कर। छोटे शहरों से आए छात्र-छात्राओं के लिए खुली किताब वाली परीक्षा देने का यह प्रथम अवसर था। इससे पहले खुली किताब वाली परीक्षा मतलब नकल, यही जाना और सुना गया था। परीक्षा में सवाल ऐसे थे कि उनका उत्तर सिर्फ किताबों से देख कर नहीं उतारा जा सकता था। उसके लिए विवेक, कल्पनाशीलता और विश्लेषण करने की क्षमता की आवश्यकता थी। आज जिस तरह की परीक्षाएं होती हैं, उनमें विश्लेषण का शायद ही इसमें दोराय नहीं कि नौवीं कक्षा में खुली किताब वाली परीक्षा की पहल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है, लेकिन इसके लिए हर स्तर पर व्यापक तैयारी की जरूरत है। पठन-पाठन से लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को इसके लिए नए तरीके से तैयार करना होगा। किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को केंद्र में रखना होगा। शिक्षकों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह विद्यार्थियों को नकलची या किताब की प्रतिलिपि निकालने वाली मशीन की तरह बनाने जैसा ही होगा।

कोई स्थान होता है, वह सिर्फ तथ्य आधारित होती हैं। पिछले दिनों सीबीएसई ने एक महत्त्वपूर्ण फैसला किया, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026- 27 से नौवीं कक्षा का ओपन बुक एग्जाम' यानी खुली किताब वाली परीक्षा होगी। शिक्षा प्रणाली में सुधार की दिशा में यह एक बड़ा कदम हो सकता है। मगर यह तभी संभव होगा, जब उस विधि से पढ़ाने की पर्याप्त तैयारी होगी और इसके लिए शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाशीलता और विवेक का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता होगी। पढ़ने और पढ़ाने का ऐसा तरीका हो, जहां विद्याथी के चिश्लेषण, आलोचनात्मक दृष्टि एवं सोच की शक्ति को दबाया न जाए, बल्कि विकसित किया जाए। प्रश्न के रटे-रटाये उत्तर नहीं देने पर अनुत्तीर्ण हो जाने का डर विद्यार्थी को न सताए।

दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अगर शिक्षक %ओपन बुक एग्जाम% की कला को जानता ही न हो, या उसके मर्म को समझता ही न हो, तो इस परीक्षा की जो विशेषता है, वह मर जाएगी और उसका उल्टा असर होगा। खुली किताब वाली परीक्षा में ऐसे प्रश्न दिए जाते हैं, जिसका उत्तर किसी किताब या नोट बुक से सीधे नहीं उत्तारा जा सकता। इसके लिए विद्यार्थियों को पढ़े विषय की जानकारी का इस्तेमाल अपने विवेक से करते हुए उसे ज्ञान में तब्दील कर उत्तर लिखना होता है। कोई भी शिक्षा जब विवेक, बुद्धि और कल्पना के साथ व्यवहार में लाई जाती है, तो बह ज्ञान में परिवर्तित हो जाती है। खुली किताब वाली परीक्षा इसका एक माध्यम हो सकती है। वास्तव में शिक्षा में जब संवाद का स्थान बने, तभी खुली किताब वाली परीक्षा का कोई मतलब बनता है।

एक शिक्षक जब संवाद स्थापित करने में सफल होता है, तो सीधे-सीधे रटी-स्टाई पद्धति पर प्रश्न पूछना कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें, इसके बजाय यह पूछा जाना महत्त्वपूर्ण है कि आज के समय में अगर महात्मा गांधी होते तो वे किस तरह के बदलाव का प्रयास करते। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक विद्यार्थी न सिर्फ महात्मा गांधी के काम का विश्लेषण करने में सक्षम होता, चल्कि वह देश की वर्तमान स्थिति को भी समझने का प्रयास करता और उसके भीतर वर्तमान में महात्मा गांधी की प्रासंगिकता के महत्त्व की समझ भी विकसित होती। साथ उसके भीतर एक नागरिक होने की जिम्मेदारी का बोध भी आता। जहां तक खुली किताब वाली परीक्षा का संदर्भ है, तो अगर इस प्रश्न का उत्तर देना हो कि %भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के योगदान का वर्णन करें, तो खुली किताब से विद्यार्थी हूबहू उत्तर उतार सकता है और वह नकल ही कहलाएगी।

ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि हम बच्चों में नकल या कापी करने की योग्यता का विकास करना चाहते हैं या फिर विश्लेषण, अवलोकन, कल्पनाशीलता, आलोचनात्मक विश्लेषण की क्षमता और विवेक का विकास चाहते हैं। इसमें दोराय नहीं कि नौवीं कक्षा में खुली किताब वाली परीक्षा की पहल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है, लेकिन इसके लिए हर स्तर पर व्यापक तैयारी की जरूरत है। पठन-पाठन से लेकर शिक्षकों और विद्यार्थियों को इसके लिए नए तरीके से तैयार करना होगा। किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास को केंद्र में रखना होगा। शिक्षकों को भी इसके लिए प्रशिक्षित करने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह विद्यार्थियों को नकलची बनाने या किताब की प्रतिलिपि निकालने वाली मशीन की तरह बनाने जैसा ही होगा।

-शेफाली

दुनिया जहान की बातें जिंदगी का रंगमंच और मोड़

जिंदगी एक ऐसा रंगमंच है, जहां हर दृश्य अनपेक्षित मोड़ लेता है। यह एक ऐसी किताब है, जिसके पन्ने पलटते ही कहानी बदल जाती है। हम कितनी भी योजना बना लें, जिंदगी अपनी पटकथा खुद लिखती है और आमतौर पर उसका हर मोड़ हमें हैरान कर देता है। जब हमें लगता है कि हम पूरी तरह तैयार हैं, तभी अचानक मंच गायब हो जाता है। अक्सर ऐसा होता है, जब हमारे भीतर आत्मविश्वास चरम पर होता है, तब मंच की रोशनी धीमी पड़ जाती है और हम खालीपन में खड़े रह जाते हैं। मगर शायद यही जिंदगी का मजा है और यह जिंदगी हमारे लिए हमेशा अचानक ही कोई तोहफा लेकर आती है और हमें चौका देती है।

जब हार का डर मन में घर कर जाता है और हमें लगता है कि अब सब खत्म हो चुका है, तभी कुछ ऐसा होता कि अचानक ही जिंदगी हमें जीत का ताज पहना देती है। यह ऐसा है जैसे कोई अनजान खिलाड़ी आखिरी गेंद पर छक्का मार दे। हार की आशंका हमें मजबूत बनाती है, क्योंकि यह हमें सिखाती है कि असल में जीत उसी के हिस्से आती है जो हार से डरना छोड़ दे। जिंदगी का यह सबक है कि हर ठोकर आपको नया रास्ता दिखाती है।

कभी-कभी, जब हमें अपनों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तब वे साथ छोड़ देते हैं। यह दर्द भरा पल होता है, लेकिन यही वह समय है, जब हम अपने भीतर की ताकत को पहचानते हैं। अकेलापन हमें खुद से मिलवाता है। हम सीखते हैं कि दुनिया के बिना भी हमारा वजूद है। और जब हम अपने आंसुओं को सुखाना सीख लेते हैं, तभी कोई अनजाना कंधा हमें सहारा देने आ जाता है। यह जिंदगी का रहस्य है जब आप तैयार नहीं होते, तब वह हमें सबसे सुंदर तोहफे देती है।

जिंदगी का एक और मजेदार पहलू है उसका उल्टा गणित। जब हम नफरत करने की कला में माहिर हो जाते हैं, ठीक उसी वक्त कोई हमारे दिल में प्यार का दीप जला देता है। यह ऐसा है जैसे आपने अपने दिल को कवच में बंद कर लिया हो, लेकिन कोई चुपके से उसकी चाबी ले उड़े। प्यार, जो अनचाहा मेहमान बनकर आता है, हमें सिखाता है कि नफरत से ज्यादा बड़ा है प्यार। इससे बड़ा और ताकतवर कोई एहसास नहीं होता। यह जिंदगी का वह जादू है, जो हमें हर बार नया सबक देता है।

और फिर आता है वह पल, जब हम घंटों अंधेरे में रोशनी का इंतजार करते-करते थक जाते हैं। हम हार मानकर सो जाते हैं और सोचते हैं कि अब कुछ नहीं बचा। लेकिन तभी, जैसे कोई चमत्कार हो, सूरज अपनी सुनहरी किरणों के साथ उग आता है। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत सबक है कि जब हम उम्मीद छोड़ देते हैं, तब वह हमें सबसे बड़ा तोहफा देती है। यह हमें बताती है कि हर रात के बाद सुबह जरूर आती है, और हर तूफान के बाद सूरज की किरणें जरूर चमकती है।

जिंदगी की इस अनिश्तितता में ही उसका सुख है। हम कितनी भी योजना बना लें, जिंदगी हमेशा अपने नियमों से चलती है। आप सोचते हैं कि आपने सब कुछ तय कर लिया, लेकिन वह हंस कर आपकी सारी योजना उलट-पुलट कर देती है। यह एक ऐसा खेल है, जहां हम कभी पूरी तरह तैयार नहीं हो सकते। लेकिन यही इसकी खूबसूरती है। हर अनपेक्षित मोड़ यह हमें कुछ नया सिखाता है। हर असफलता हमको एक नई दुनिया से मिलवाती है, और हर सफलता हमें दुनिया का सितारा बनाती है।

हम हार मानकर सो जाते हैं और सोचते हैं कि अब कुछ नहीं बचा। लेकिन तभी, जैसे कोई चमत्कार हो, सूरज अपनी सुनहरी किरणों के साथ उग आता है। यह जिंदगी का सबसे खूबसूरत सबक है कि जब हम उम्मीद छोड़ देते हैं, तब वह हमें सबसे बड़ा तोहफा देती है।

सफलता और असफलता जिंदगी के दो पहलू हैं, लेकिन असफलता की भूमिका कुछ ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। सफलता हमें तालियों और तारीफों से नवाजती है, लेकिन असफलता हमें असली दुनिया से रूबरू कराती है। यह हमें उन लोगों से मिलवाती है, जो हमारे साथ तब भी खड़े रहते हैं, जब हमारी जेबें खाली हों और मन उदास हो। असफलता हमें सिखाती है कि जिंदगी का असली मजा जीतने में नहीं, बल्कि कोशिश करने में है। यह हमें बताती है कि हर बार गिरने के बाद उठना ही असली जीत है।

जिंदगी का यह खेल हमें एक और बात सिखाता है खुश रहना। चाहे कितने भी उतार-चढ़ाव आएं, खुशी को गले लगाना जरूरी है। जब सब कुछ खत्म लगता है, और हम सोचते हैं कि अब बस यही अंत है, तभी जिंदगी हमें एक नया रास्ता दिखाती है। ऊपरवाला या कुदरत मानो हंसकर कहता है, %अरे, थोड़ा रुक, अंत नहीं, बस एक नया मोड़ है।% यह विश्वास हमें जिंदा रखता है। यह हमें सिखाता है कि हर मुश्किल के बाद आसानी है और हर अंधेरे के बाद उजाला।

जिंदगी को एक मजेदार सैर की तरह लेना चाहिए। इसकी हर मोड़ का आनंद उठाना चाहिए। हारें, तो हंसें। जीतें, तो और मेहनत करें। प्यार करें, नफरत छोड़ें। और सबसे जरूरी, हमेशा उम्मीद रखा जाए कि जिंदगी चाहे जितनी बार भी चौंकाए, वह हमेशा हमें कुछ नया सिखाने के लिए तैयार रहती है। बस हम अपने दिल में एक छोटी-सी चिंगारी जलाए रखें, और देखें कैसे यह चिंगारी एक दिन बड़ा सूरज बनकर चमकती है। जिंदगी को खुलकर जीने की जरूरत है।

-राजेंद्र मोहन शर्मा

ज़रूरी लेख: सिनेमा देखे जाने के बहाने

सिनेमा का सिनेमा हॉल- थिएटर में देखे जाने के प्रति लोगों की बढ़ती उदासीनता को लेकर फ़िल्मकार-निर्देशक अनुभव सिन्हा ने बहुत ही ज़रूरी बातें उठायी है. इन बातों का संबंध महज सिनेमा उद्योग और कारोबार से न होकर सामूहिकता और उसके भाव के क्षरण को लेकर भी है.

सिन्हा लिखते हैं कि सिनेमा देखना महज देखने भर का मामला नहीं है, अपने संबंधियों, दोस्तों, परिचित और अंजान लोगों के साथ एक सामूहिक परिवेश रचने और उसके अनुभव के साथ जीने का भी है.

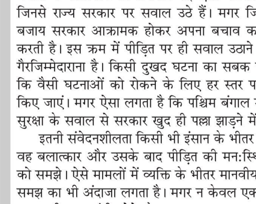

वक़्त के साथ-साथ ये सामूहिकता तेजी से ख़त्म हो रही है जो कि चिंताजनक है. और यह बात महज सिनेमा तक नहीं रूकती है बल्कि हर उस स्पेस से जुड़ी है जहां लोगों का समूह में होना, अनुभव से जुड़ना और साझापन को लेकर भी है.

अब जो फ़िल्में और स्क्रीन सामग्री बन रही है, उनका पूरा जोर हमारी ज़्यादा से ज़्यादा समय तक स्क्रीन से चिपके रहने की है(स्पैम टाइम) और यही इसका पैमाना बनता चला जा रहा है. जिस भी माध्यम से हम घरेलू स्तर पर स्क्रीन से जुड़ते हैं, वो डेटा पैदा करने का काम करता है. ये डेटा एल्गरिद्म की शक्ल में एक मानक बनकर लोगों के दिलो-दिमाग़ को संचालित करने लग जाता है. जो चीज़ इस हिसाब से चल निकली, वही पैरामीटर हो जाता है और इसे दूहने का काम शुरु हो जाता है.

ऐसा होने से सिनेमा-स्क्रीन की सामग्री के भीतर की विविधता ख़त्म होती चली जाती है और इसकी दुनिया सिकुड़ती चली जाती है. सिन्हा लिखते हैं कि कला की दुनिया हमारे दायरे का विस्तार करने का काम करती है. सिनेमा का काम भी दर्शकों को नयी दुनिया से अवगत कराना है लेकिन एल्गरिद्म के इस खेल से सब तहस-नहस हो जाता है. सिन्हा इसे एकदम बोलचाल के स्तर पर समझाने के क्रम में समोसे का उदाहरण पेश करते हैं और बताते हैं कि इसकी बिक्री के आधार का एल्गरिद्म बन जाय तो अलग-अलग दूकान और इलाक़े के समोसे की बात तो हो ही नहीं सकेगी और लोगों के सामने समोसे के नाम पर एक पैटर्न भर रह जाएगा.

अनुभव सिन्हा ने वैसे तो यह लेख सिनेमा देखे जाने के पैटर्न और एल्गरिद्म से बनती एकरस दुनिया की बात की है लेकिन इसके बहाने मोबाईल फोन की लत, सामूहिकता का क्षरण, एक बेलौस दुनिया के बनने के संकट और सामाजिक रेशे के ग़ैर-सामाजिक दिशा की तरफ बढ़ने के पर्याप्त संकेत शामिल है.

यह लेख मीडिया एवं सिनेमा अध्येताओं के साथ-साथ सामाजिकी से जुड़े लोगों के लिए भी ज़रूरी लेख है।

- विनीत कुमार

जब पूरी दुनिया गांधी को महान माने, तब अंत में शायद भारत!!

लुई फिशर ने लिखा कि हो सकता है कि जब पूरी दुनिया गांधी को महान माने तब अंत में जाकर शायद भारत की जनता माने।

अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर ने महात्म्य गांधी पर एक महत्वपूर्ण पुस्तक A Week With Gandhi लिखी। यह किताब 1942 में प्रकाशित हुई थी। इसमें फिशर ने महात्मा गांधी के साथ बिताए अपने एक सप्ताह के अनुभवों का वर्णन किया है। फिशर ने गांधीजी के विचार, उनका जीवन-दर्शन, उनकी दिनचर्या और उनके साथ हुई गहन चर्चाओं को दर्ज किया है।

फिशर लिखते हैं, पहली बार जब मैं उनसे मिलने गया तो हैरान रह गया। एक साधारण से कमरे में ज़मीन पर बैठा यह दुबला-पतला व्यक्ति जो हाथ से चरखा कात रहा था यह व्यक्ति इतना असाधारण व्यक्तित्व है कि इसे आधी दुनिया राष्ट्रपिता मानती है।

फिशर ने गांधीजी पूछा आप इतने बड़े आंदोलन के नेता होकर भी इतना साधारण सा जीवन क्यों जीते हैं?

गांधीजी ने मुस्कराते हुए जवाब दिया

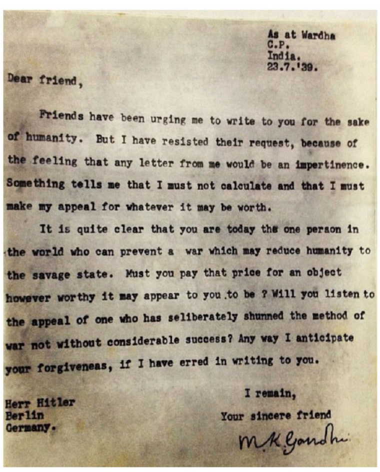

As at Wardha
C.P.
India.
23.7.'39.

Dear friend,

Friends have been urging me to write to you for the sake of humanity. But I have resisted their request, because of the feeling that any letter from me would be an impertinence. Something tells me that I must not calculate and that I must make my appeal for whatever it may be worth.

It is quite clear that you are today the one person in the world who can prevent a war which may reduce humanity to the savage state. Must you pay that price for an object however worthy it may appear to you .to be ? Will you listen to the appeal of one who has seliberately shunned the method of war not without considerable success? Any way I anticipate your forgiveneas, if I have erred in writing to you.

I remain,
Your sincere friend
M.K.Gandhi

Herr Hitler
Berlin
Germany.

क्योंकि मैं अपने लोगों से अलग नहीं दिखना चाहता। अगर भारत के करोड़ों लोग गरीबी में जी रहे हैं

तो मेरा कर्तव्य है कि मैं भी उनके जैसा ही जीवन जियूँ। मैं अपने जीवन से ही जनता को रास्ता दिखा सकता हूँ, न कि उनसे अलग जीवन जीकर। मेरा जीवन ही मेरा संदेश है।

एक बार बातचीत में लुई फिशर ने गांधीजी से पूछा क्या आपको विश्वास है कि अहिंसा के बल पर आप ब्रिटिश साम्राज्य जैसी ताक़त को हरा देंगे?

गांधीजी ने शांत स्वर में उत्तर दिया मेरा उद्देश्य किसी को हराना नहीं है। मैं केवल यह चाहता हूँ कि ब्रिटिश भी सत्य को स्वीकार करें। जब सत्य सामने खड़ा होता है, तो शक्तिशाली साम्राज्य भी टिक नहीं सकता। मैं तो ब्रिटेन के लोगों को भी इंसानियत सिखाना चाहता हूँ जो उन्होंने हमें गुलाम बनाकर खो दी है।

भारत छोड़ो आंदोलन के समय जब लुई फिशर ने गांधीजी से कहा कि आपके इस कार्य से युद्ध में बाधा पड़ेगी और अमरीका की जनता आपके आंदोलन को पसंद नहीं करेगी और लोग आपको मित्र राष्ट्रों का दुश्मन समझने लगेंगे। गांधी यह सुनकर एकदम चौंक गए और उन्होंने कहा कि फिशर तुम अपने राष्ट्रपति से कहो कि वे मुझे अपना आंदोलन छेड़ने से रोक दें। मैं एक समझौतावादी आदमी हूं और मुझे कभी भी यह नहीं लगता कि केवल मैं ही सही हूं।

फिशर ने लिखा कि गांधी के इस उत्तर ने उन्हें गहराई से झकझोर दिया। उन्हें लगा कि यहाँ एक ऐसा व्यक्ति बैठा है जो सत्ता नहीं, बल्कि आत्मा की जीत चाहता है।

फिशर बाद में लिखते हैं कि उस क्षण उन्हें समझ आया कि गांधी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं, बल्कि एक नैतिक शक्ति के प्रतीक हैं, जिनकी ताकत उनका त्याग और सादगी है। विचारों के स्वच्छ हो जाने पर उनमें सत्य प्रत्यक्ष रूप से प्रकट होने लगता है। जब विचार सत्यवादी हो जाते हैं तो व्यक्ति की वाणी भी सत्यवादी हो जाती है। फिशर लिखते हैं कि गांधीजी केवल भारत की ही संपत्ति नहीं हैं और भारत में उनकी असफलताओं से संसार के लिए उनके संदेश तथा उनके अर्थ का महत्त्व कम नहीं होगा। हो सकता है कि जब पूरी दुनिया गांधी को महान माने तब अंत में जाकर शायद भारत की जनता माने। इतिहास के निर्माता इतिहास के निर्णय को पहले से नहीं जान सकते।

-अरूण कान्त शुक्ला

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। लेवाली कमजोर पड़ने से मंगलवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। तुअर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर लेवाली कमजोर पड़ने से बाजार नरमी के रहे। तुअर में मजबूती रही। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे –

किराना- शक्कर 4220-4260, खोपरा गोला 320-390, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 870-890, काजू एस. डब्ल्यू 840-845, काजू एस.एस. डब्ल्यू 820-825, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3350-3400, (160) 3800-3900, (200) 4800-4850, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1350-1370, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2170, सोया साल्वेंट 1190-1195, सोया रिफाइंड 1260-1265, कपास्या 1275, धूलिया 1280, कड़ी 1280,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1290, मुम्बई सोया 1290,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6900-7100, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3700-4000, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5400-5500, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में भाव जोरदार ऊँचाइयों पर रहे। विदेशी बाजारों में बनी तेजी का असर बाजार पर रहा। दोनों ही धातुओं में रिकार्ड तेजी है। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 181500, चाँदी (99) 181000, टंच 180600, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 130900,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 9 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.79 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की व्यापक मजबूती से शुरुआती कारोबार में नौ पैसे टूटकर 88.77 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जोखिम-रहित रुख के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर बनी आशा को धूमिल कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में डॉलर के मुकाबले 88.77 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 88.68 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.19 पर आ गया।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा। निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले।

सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर बोर्डकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला। एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है।इस बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

दिवाली से पहले सोना सवा लाख के पार, चांदी भी रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली एजेंसी। इस सप्ताह सोने-चांदी के वायदा कारोबार में जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू बाजार में लगातार दूसरे दिन दोनों के वायदा भाव सार्वजनिक स्तर पर पहुंच गए। घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने के वायदा भाव 1,26,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,61,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव रिकॉर्ड हाई के साथ कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट मंगलवार को 1,412 रुपये की तेजी के साथ 1,26,041 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,24,629 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रेक्ट 1,923 रुपये की तेजी के साथ 1,26,552 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने आज 1,26,561 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट मंगलवार को 608 रुपये की तेजी के साथ 1,55,253 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,54,645 रुपये था। इस समय यह 6,940 रुपये की तेजी के साथ 1,61,585 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय चांदी के वायदा भाव ने आज 1,61,590 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 4,130.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 4,133 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 42.10 डॉलर की तेजी के साथ 4,175.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने 4,175.40 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 50.75 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 50.42 डॉलर था। इस समय यह 1.75 डॉलर की तेजी के साथ 52.18 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव आज 52.31 डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गए।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए परोपकार के कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आप कुछ नया करने की कोशिश में लगे रहेंगे और अपने अधूरे कामों को पूरा करने के लिए भी समय निकालेंगे। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। आपको अपने आत्मविश्वास को मजबूत करके आगे बढ़ना होगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अचानक लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको किसी वाद-विवाद को मिल बैठकर सुलझाने की आवश्यकता है। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों में कोई गड़बड़ी कर सकते हैं। यदि आप किसी यात्रा पर जाएंगे, तो उसमें परिवार के सदस्यों को साथ लेकर जाना बेहतर रहेगा, जिससे आपके रक्त संबंधी रिश्तों में भी मजबूती आएगी। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। व्यापार कर रहे लोगों को कुछ बड़े लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। यदि आपने बिना सोचे समझे धन का लेनदेन किया, तो इससे आपका धन फंसने की संभावना है। शेयर मार्केट में भी आप बहुत ही सोच विचार पर धन लगाएं। आपको अपनी माताजी की सेहत को लेकर टेंशन रहेगी।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। यदि आपकी कोई डील लंबे समय से अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। डिजाइनिंग से जुड़े लोगों को कोई अच्छा मौका मिलेगा। आप अपने व्यापार को संभालने की कोशिश में लगे रहेंगे। पिताजी से आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। आप अपनी वाणी और व्यवहार में मधुरता बनाए रखें।

सिंह- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। संतान को नौकरी से संबंधित किसी काम के लिए कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। भाई-बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो उसमें वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें। कार्य क्षेत्र में आपको किसी काम के लिए पुरस्कार मिल सकता है। विद्यार्थियों की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आपको छोटी-छोटी बातों पर बेवजह उलझनें से बचना होगा और आप अपनी सेहत के प्रति लापरवाही बिल्कुल ना दिखाएं। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। परिवार में समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी, लेकिन टीम वर्क के जरिए काम करने में कामयाब रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने कामों को कल पर ना टालें।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आज के दिन की शुरुआत थोड़ा कमजोर रहेगी। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर निपटाएं, तो ही आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आप किसी पूजा-पाठ के आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। जीवनसाथी को आप कहीं घूमाने-फिराने लेकर जा सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। आपको समझदारी से काम लेने की आवश्यकता है। आप बेवजह बातों को लेकर क्रोध न करें। आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिल सकता है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेष करने के लिए रहेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ नए अनुभवों से लाभ मिलेगा। अध्ययन और आध्यात्म के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। पारिवारिक मामलों को आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। विद्यार्थियों की अपनी पढ़ाई-लिखाई में लापरवाही करने से बचना होगा। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आपका कोई कानूनी मामला सुलझेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए अपने खर्चों पर नियंत्रण रखने के लिए रहेगा। आपको अपने कामों को लेकर जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आप किसी अजनबी पर भरोसा करने से बचें और यदि आप काम को लेकर कोई लोन लेना चाहते थे, तो वह भी आपका आसानी से मिल जाएगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर कुछ नए-नए आईडिया आएंगे, जिन्हें आप तुरंत अपने व्यवसाय में लगाएं। सेहत में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो आप उसे यदि नजरअंदाज करेंगे, तो ही वह बढ़ सकती है। माताजी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपके दिए गए सुझावों से काफी खुश रहेंगे और आपके प्रमोशन की बात भी पक्की हो सकती है।

मीन- आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बेहतर रहने वाला है। आपको अपने रिश्तों में समानता लाने की कोशिश करनी होगी। आपको कोई काम को पूरा करने में यदि समस्या रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अनजान लोगों से दूरी बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में आपको टीम वर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा।

शब्दजाल - 8050

सा	वि	र	कु	बा	ई	र	म	ला	नी	क
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म
च	त	चाँ	मा	झे	ल	स	ल	प	फे	ह
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म

शब्दजाल में तब्बू की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

जाल, हेरा फेरी, बार्डर, विरासत, हम साथ साथ है, माचिस, साजन चले ससुराल, फ़ना, माँ तुझे सलाम, चाँदनी बार.

शब्दजाल - 8049 का हल

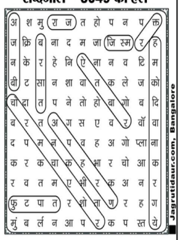

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6994

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरुदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अश्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6993

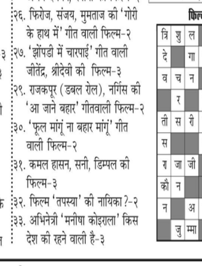

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

15 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	08.25 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.41 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.33 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.06 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.36 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.15 बजे से
		कर्क	23.28 बजे से
		सिंह	01.44 बजे से
		कन्या	03.56 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 288 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 12.00 बजे को समाप्त।
योग साध्य 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 22.31 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 32'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872498
जूलियन दिन 2460963.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मां और शिक्षक

एक गरीब मां चाहती थी कि उसका बेटा पियानो सीख कर एक बड़ा कलाकार बने। वह उसे हर रोज संगीत शिक्षक के पास ले जाती, किंतु बच्चा चाह कर भी सीख नहीं पाता। सिखाने वाले शिक्षक काफी प्रसिद्ध थे। वे भी बच्चे को सिखाने की कोशिश करते, पर कई बार झल्ला कर मना कर देते। फिर भी मां हर रोज उसेले कर आती और पूरे क्लास के दौरान बाहर बैठी रहती। एक दिन मास्टर ने कहा कि आपका बेटा नहीं सीख सकता, इसे ले जाओ। यह तो मेरी भी बदनामी करा देगा कि किसने सिखाया है, जो इतना बेसुरा बजाता है। वह लड़का मां के साथ वापस चला गया और फिर दोबारा क्लास के लिए नहीं आया। कुछ समय बाद स्कूल के वार्षिक उत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें पुराने छात्र भी आमंत्रित किए गए। समारोह में वह बालक भी आया। उसने मैले- कुचले कपड़े पहन रखे थे। टीचर ने उसे देखा, तो उन्हें दया आ गई। उन्होंने कहा कि आज तुम्हें भी बजाने का मौका दूंगा, लेकिन जरा बाद में। वह लड़का पीछे जाकर बैठ गया। काफी बच्चे आए और उन्होंने बहुत अच्छा बजाया। आखिर में इसकी बारी आई। लेकिन उसने इतना अच्छा पियानो बजाया कि सभी मंत्रमुग्ध हो गए। टीचर ने जा कर उसे गले लगा लिया। फिर पूछा, इतना अच्छा कैसे सीखा, तुम तो बिल्कुल नहीं बजा पाते थे। लड़के ने बताया, मेरी मां चाहती थी कि मैं अच्छा पियानो बजाना सीखूं, किंतु उन्हें कैंसर था। इसकी वजह से वह सुन नहीं सकती थीं। अब वह सुन सकती है। मैंने उसी को सुनाने के लिए बजाया था। संगीत शिक्षक श्रोताओं की ओर देखने लगा, क्या वो आई हैं? कहां बैठी हैं? बच्चे ने धीरे से कहा, वे जिंदगी की इस लड़ाई में आज हार गईं। लेकिन स्वर्ग से शायद वे मेरा पियानो सुन सकें। सुन कर सबकी आंखें भींग गईं। और टीचर ने उस बच्चे से माफी मांगी। सच्चा शिक्षक वह नहीं, मां थी जिसके पास इतना धैर्य था।

सूडोकु नवताल- 7303

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7302 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 8518

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8517 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने मनाया भव्य विजयादशमी, शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन से गूंजा शहर

पद्मेश न्यूज। लांजी।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लांजी नगर में 14 अक्टूबर को विजयादशमी उत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। यह आयोजन न केवल संघ की सांस्कृतिक और वैचारिक विरासत को जीवंत करने वाला था, बल्कि शहरवासियों के बीच राष्ट्रभक्ति की लहर भी पैदा करने वाला साबित हुआ। अपराह्न 3 बजे से शुरू हुए कार्यक्रम में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसमें शस्त्र पूजन, बौद्धिक वर्ग, सामूहिक गीत और भव्य पथ संचलन जैसी विधियां शामिल रहीं। यह उत्सव संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का प्रतीक था, जो 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा नागपुर में स्थापित संगठन की यात्रा को स्मरण कराता रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अपराह्न 3 बजे नेताजी सुभाष चौक में सभी स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण से हुआ। यहां भारत माता के छायाचित्र के समक्ष मुख्य अतिथि झनकार किरनापुरे (एकल संच प्रमुख, संच लांजी), खंड संघ चालक विजय रामटेककर और प्रमुख वक्ता अनिल परमार (जिला प्रचारक,) द्वारा शस्त्र पूजन किया गया। यह पूजन विजयादशमी की परंपरा के अनुरूप था, जो अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। पूजन के बाद आचार पद्धति के अनुसार सर्वप्रथम शाखा लगाई गई, जिसमें ध्वज प्रणाम के साथ-साथ अमृत वचन व एकल गीत हुआ। स्वयंसेवकों ने खाकी हाफ पैंट, सफेद शर्ट और काली टोपी के गणवेश में अनुशासनबद्ध तरीके से भाग लिया, जो संघ की संगठित कार्यशैली का जीवंत उदाहरण था। स्वयंसेवकों का अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना प्रेरणादायक है। शताब्दी वर्ष में ऐसा भव्य उत्सव लांजी के इतिहास में यादगार रहेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बौद्धिक वर्ग रहा, जिसमें मुख्य अतिथि झनकार किरनापुरे ने संघ की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की अवधारणा और क्रियाकलापों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ की स्थापना 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से की गई थी, जो आज विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बन चुका है। प्रमुख वक्ता अनिल परमार ने अपने बौद्धिक में संघ की सम्पूर्ण यात्रा का जीवंत चित्रण किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आपातकाल, बाबरी विध्वंस के बाद की चुनौतियों तक, संघ के स्वयंसेवक कठिन परिस्थितियों में अडिग होकर कार्य करते रहे हैं। परमार ने उदाहरण देते हुए कहा, संघ की शाखाएं केवल शारीरिक व्यायाम का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण का आधार हैं। आज के दौर में युवाओं को संघ की वैचारिक धारा से जोड़ना आवश्यक है। उनका संबोधन स्वयंसेवकों में जोश भरने वाला था।

भव्य पथ संचलन- शहर की सड़कों पर राष्ट्रभक्ति की धुन

बौद्धिक के बाद शाम 5 बजे घोष वादन की थाप के साथ पथ संचलन का प्रारंभ हुआ। यह संचलन नगर के हृदय स्थल नेताजी सुभाष चौक से शुरू होकर सालेटेकरी मार्ग, गुजरी चौक, मां लंजकाई मंदिर, मेन रोड, मनेरी फाटक होते हुए भिलाई रोड तथा वहां से दोबारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस चौक पर पहुंचा। सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अनुशासनबद्ध दिग्बंध तरीके से मार्च किया। मार्गस्थल पर जगह जगह स्थानीय मातृ शक्तियों और बच्चों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पथ संचलन का समापन सभी स्वयंसेवकों की उपस्थिति में विधिवत ढंग से किया गया, जहां ध्वज प्रणाम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह संचलन लांजी की सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने के साथ-साथ शताब्दी वर्ष की शुरुआत का प्रतीक बना।

सरस्वती शिशु मंदिर कारंजा में सप्तशक्ति संगम पत्रक वाचन अभ्यास कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कारंजा स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा में सप्तशक्ति संगम पत्रक वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्रीमती विद्या भंडार (संयोजक), श्रीमती वंदना सोनकुशरे (सहसंयोजक) एवं श्रीमती भारती दोनोड़े प्रभारी उपस्थित

रही। सर्वप्रथम इन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं मां भारती के छाया चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर सामूहिक सरस्वती वंदना हुई। संयोजक दीदी द्वारा बहनों को संबोधित करते हुए कहा गया कि विद्या भारती द्वारा निर्धारित अखिल भारतीय योजना से विद्यालय स्तरीय सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम मनाए जा रहे हैं। यह कार्यक्रम महिलाओं का महिलाओं के द्वारा एवं महिलाओं के लिए है इनके द्वारा पत्र वाचन किया गया एवं सामूहिक गीत का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के अंत भारती दीदी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

विधिक साक्षरता के अन्तर्गत शिविर में न्यायाधीश शाह ने छात्र छात्राओं को दी विशेष जानकारी

पद्मेश न्यूज। लांजी।
नगर में संचालित बालाजी आईटीआई में 14 अक्टूबर को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी व अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति व्यवहार न्यायालय लांजी के न्यायाधीश गौतम शाह के मार्गदर्शन में छात्र छात्राओं को कानून संबधी अधिकारों की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान बालाजी आईटी आई के छात्र छात्राऐं, प्राचार्य, शिक्षक गण उपस्थित रहे।

कानून की जानकारी और मार्गदर्शन

न्यायाधीश प्रीतम शाह ने छात्र-छात्राओं को कानून के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे कानून हमारे अधिकारों की रक्षा करता है और हमें अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए प्रेरित करता है। इस दौरान छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए न्यायधीश ने उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। विधिक साक्षरता शिविर में छात्रों को कानून के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें समाज में बढ़ते अपराधों से बचने के तरीके भी बताए गए। न्यायधीश ने गुड टच और बैड टच के बीच का अंतर समझाया और छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ किसी भी तरह की असहज स्थिति में आवाज उठाने की सीख दी। शिविर में छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और न्यायधीश शाह से कानून संबधी विभिन्न सवाल पूछे। इस दौरान छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए न्यायधीश ने उन्हें कानूनी प्रक्रिया और उनके

अधिकारों के बारे में समझाया। शिविर के अंत में न्यायधीश और शिक्षकों ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने परिवार और समाज में भी इन जानकारियों को साझा करें और दूसरों को कानून के बारे में जानकारी देने में मदद करें।

आज लाईसेंसी पटाखाधारी व्यापारियों को होगा स्थान आबंटन

नगर परिषद लांजी के सभागृह में होगी बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी।
दीपावली पर्व के निमित्त प्रतिवर्ष नगर के अन्तर्गत सभी लाईसेंस धारी स्थाई एवं अस्थाई फटाखा व्यापारियों को लाट पद्धति से स्थान आवंटन किया जाता है तथा सभी निमयो के पालन करने के निर्देश भी अनुवभिागीय अधिकारी राजस्व के द्वारा प्रदान किये जाते है। जिसके तहत आज 15 अक्टूबर को नगर परिषद लांजी में नगर के समस्त लाईसेंस धारी फटाखा व्यापारियों की बैठक का आयोजन नगर परिषद लांजी के सभागृह में

प्रातः 10 बजे से किया गया। जिसके लिये समस्त स्थाई एवं अस्थाई फटाखा व्यवसायीय अपने लाईसेंस एवं निर्धारित शुल्क कार्यालय नगर परिषद लांजी में आवश्यक रूप से जमा करे। दुकानों के आवंटन उपरांत प्राप्त लाईसेंस पर विचार नही किया जायेगा। उक्त बैठक प्रमुख रूप से नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, एसडीएम कमलचंद सिंहसार, एसडीओपी ओमप्रकाश भापुसे, थाना प्रभारी दीप सिंह परमार, आदि अमला उपस्थित रहेगा। उक्त बैठक में समस्त लाईसेंस धारी फटाखा व्यापारियों से उपस्थिती की अपील सीएमाओ मयूर वाहने नगर परिषद लांजी के द्वारा की गई है।

श्रवण बाधित खेमराज बनाफरे को जनपद उपाध्यक्ष ने भेंट किया श्रवण यंत्र

पद्मेश न्यूज। लांजी।
पत्रकार खेमराज बनाफरे, जो लंबे समय से कम सुनाई देने की समस्या से पीडति थे, को राहत मिली। जनपद पंचायत लाँजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे ने 14 अक्टूबर को उन्हें श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया। श्रवण

यंत्र वितरण के दौरान ग्राम डोरली के जनपद सदस्य रेवाराम करहाटकर सभापति स्वास्थ एवं महिला बाल विकास विभाग जनपद पंचायत लाँजी भी उपस्थित रहे। बनाफरे की परेशानी को देखते हुए यह पहल की गई, जिससे उनकी पत्रकारिता और दैनिक जीवन में सुधार होगा। अवसरे ने कहा, ग्रामीणों की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। करहाटकर ने स्थानीय विकास पर जोर दिया। यह वितरण जनपद पंचायत की सामाजिक न्याय कल्याण विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का हिस्सा है, जो गरीबों को मेडिकल सहायता प्रदान करती हैं।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए उपार्जन समिति की हुई बैठक

व्यापारियो एवं मिलर्स को उपार्जन के पूर्व रबी एवं खरीफ की धान का निष्पादन करना होगा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
खरीफ विपणन सीजन 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियॉ की जा रही है। इसी कड़ी में 14 अक्टूबर को कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला उपार्जन समिति की बैठक

आयोजित कर धान उपार्जन संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिये गए। बैठक में अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं समिति के सदस्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में कहा कि धान उपार्जन के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो और किसानों के नाम पर व्यापारी या बिचौलिया अपनी धान ना बेच पाए इसकी व्यापक स्तर पर तैयारी की जाए। धान उपार्जन के दौरान खरीदी, तौल एवं परिवहन के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। अवैध रूप से धान विक्रय के लिए लाने वाले वाहनों को जब्त करने की कार्यवाही की जाए। बैठक में तय किया गया कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के दौरान केवल किसानों का धान ही खरीदा जाएगा। इसमें फुटकर एवं थोक व्यापारी, मंडी के लायसेंसधारी व्यापारी एवं राईस मिलर्स अपने धान की रिसाईकलिंग न कर सके इसके लिए तय किया गया कि व्यापारियों एवं मिलर्स को धान उपार्जन प्रारंभ होने के पूर्व अपनी धान का निष्पादन करना होगा अन्यथा जिस धान का निष्पादन नही किया जाएगा उसे सीज कर दिया जाएगा। व्यापारियों एवं मिलर्स के गोदामों का प्रशासन के अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। यदि उनके पास खरीफ या रबी की पुरानी धान का भण्डारण है तो उसका निष्पादन उपार्जन से पहले कराना होगा। जिले के उपार्जन केंद्रो पर अवैध रूप से धान न लायी जा सके इसके लिए विभिन्न स्थानों पर चेक पाईंट्स बनाए जाएंगे और इन चेक पाईंट्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। बैठक में तय किया गया कि नाप-तौल निरीक्षक द्वारा जिले में वेयरहाउस से संबद्ध समस्त धरम कांटे, प्राईवेट धरम कांटे एवं उपार्जन केंद्रो के ईलेक्ट्रानिक तौल कांटा के सत्यापन का कार्य उपार्जन के पूर्व शत प्रतिशत किया जाएगा तथा उपार्जन के दौरान धरम कांटो की आकस्मिक जांच की जाएगी। जिन समितियों पर धान खरीदी के दौरान गड़बड़ी किये जाने की कार्यवाही चल रही है उन्हें इस सीजन में धान खरीदी का कार्य नही दिया जाएगा। इसी प्रकार स्व-सहायता समूह एवं एफपीओ को भी धान खरीदी का कार्य नही दिया जाएगा। जिले में अधिकतम केंद्रो को गोदाम स्तर पर बनाने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी आरएस ठाकुर, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी जोशी, सहायक संचालक कृषि राजेश खोबरागढ़े, नाप-तौल निरीक्षक, जिला विपणन अधिकारी श्री तिवारी, मंडी निरीक्षण मनोज पटले, वेयर हाउस के प्रबंधक श्री पटले, जिला सुचना विज्ञान अधिकारी सुभाष ठाकरे उपस्थित थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर खापा का भारत सरकार के दल ने किया सघन निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार के दल द्वारा वारासिवनी विकासखण्ड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर सह उप स्वास्थ्य केन्द्र

खापा का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के अंतर्गत सघन निरीक्षण किया गया। दल में नेशनल असेसर डॉ.राठी बालचंद्रन केरला तथा डॉ.सिबाशीष स्वैन उडीसा शामिल थे। राष्ट्रीय दल द्वारा पीएनसी नवजात शिशु के लिए दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, असंचारी रोगों का प्रबंधन, परिवार कल्याण सेवाएं, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम, स्वच्छता, रिकार्ड प्रबंधन, संचारी एवं असंचारी रोगों की रोकथाम एवं उनका प्रबंधन, मरीजों के अधिकार, क्लीनिकल सेवाएं, इंफेक्शन कंट्रोल, सपोर्टिंग सेवाएं, सामान्य बीमारी का उपचार एवं प्रबंधन, बाल्यकालीन सेवाएं क्वॉलिटी मेनेजमेंट तथा आउट पुट संबंधी समस्त रिकार्ड की विस्तार से जानकारी प्राप्त की गई। राष्ट्रीय दल द्वारा निरीक्षण के दौरान बीएमओ वारासिवनी डॉ.सत्यम शर्मा, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, डीक्यूएम विनोद कामडे, डॉ.समर्पित पाटीदार, डॉ. स्वाती उईके, बीपीएम संजय तुरकर, सरपंच देवी प्रसाद गौतम, सचिव खिलेन्द्र राहंगडाले, सीएचओ वैशाली बोपचे, एएनएम मनीषा मेश्राम, विशाल सोनी, मेंटर वैशाली पारधी उपस्थित थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कोदो-कुटकी का पहली बार उपार्जन किये जाने का निर्णय

राज्य के शासकीय पेंशनर, परिवार पेंशनर को देय मंहगाई राहत की दर में वृद्धि किये जाने का निर्णय

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों के कृषकों से पहली बार कोदो-कुटकी उपार्जन का किये जाने का निर्णय लिया, जिससे अधिक से अधिक जनजातीय कृषकों को फायदा होगा। इस के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रमुख कोदो-कुटकी उत्पादक जिलों जबलपुर, कटनी, मण्डला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनुपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी एवं सिंगरौली के कृषकों से कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। साथ ही अन्य जिलों से मांग आने पर उन जिले के कृषकों से भी उपार्जन किये जाने पर विचार किया जायेगा।

श्रीअन्न उत्पादक जिलों के कृषकों से श्रीअन्न कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (श्रीअन्न फेडरेशन) द्वारा कोदो-कुटकी का उपार्जन किया जायेगा। खरीफ 2025 में उत्पादित श्रीअन्न कुटकी 3500 रूपये प्रति क्विंटल एवं कोदो 2500 रुपये प्रति क्विंटल के मान से लगभग 30 हजार मेट्रिक टन का उपार्जन किया जायेगा। इसके लिए श्रीअन्न फेडरेशन को 80 करोड़ रूपये का ब्याज मुक्त ऋण शासन के मूल्य स्थिरीकरण कोष से प्रदाय किया जायेगा।

इसके अतिरिक्त कृषकों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 1000 रुपये प्रति क्विंटल के मान से संबंधित कृषकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रदाय किये जायेंगे।

सोयाबीन किसानों के लिए भावांतर योजना की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में प्रदेश के सोयाबीन के किसानों को लाभांवित किये जाने के लिए भारत सरकार की प्राईज डिफिसिट पेमेन्ट स्कीम लागू की गयी है, जो प्रदेश में भावांतर योजना कहलायेगी। प्रदेश में सोयाबीन भावांतर योजनांतर्गत 24 अक्टूबर, 2025 से 15 जनवरी, 2026 तक सोयाबीन का विक्रय, राज्य की अधिसूचित मंडियों में किया जायेगा। प्रदेश की मंडियों में 14 दिवस के सोयाबीन के विक्रय मूल्य के द्ददद्ददद्दद्दस औसत के आधार पर सोयाबीन के मॉडल रेट की गणना की जायेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य से विक्रय दर/मॉडल रेट अंतर की राशि पंजीकृत कृषकों के पोर्टल पर दर्ज बैंक खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से अंतरित की जायेगी। एम.एस.पी 5238 रूपये है।

रेशम समृद्धि योजना के क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार की सिल्क समग्र-2 योजना को 25% राज्यांश के साथ, राज्य में रेशम समृद्धि योजना के रूप में क्रियान्वयन की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

योजना अंतर्गत हितग्राहियों को रेशम उत्पादन संबंधी 23 गतिविधियों में सहायता प्राप्त होगी, जिसमें सामान्य वर्ग के हितग्राही को इकाई लागत की 75 प्रतिशत और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 90 प्रतिशत आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। इसमें क्रमशः 25 प्रतिशत एवं 10 प्रतिशत हितग्राही अंश रहेगा। योजना के क्रियान्वयन से मलबरी, वन्या और पोस्ट ककून क्षेत्रों में हितग्राहियों की सतत् रोजगार उपलब्ध होने के साथ उनकी आय में वृद्धि होगी।

वर्तमान में कुल लागत इकाई राशि रूपये 3.65 लाख होती थी जिसमें 2.0875 लाख राज्य शासन से राज्य सहायता प्राप्त होती थी। रेशम समृद्धि योजना में इकाई की कुल लागत राशि रूपये 5 लाख होगी। उसमें से सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को केन्द्रांश राशि रूपये 2.50 लाख, राज्यांश राशि रूपये 1.25 लाख एवं हितग्राही का अंश राशि रूपये 1.25 लाख तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को केन्द्रांश राशि रूपये 3.25 लाख, राज्यांश राशि रूपये 1.25 लाख एवं हितग्राही का अंश राशि रूपये 0.50 लाख होगा। यह योजना रेशम किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

प्रदेश में (RAMP) योजना को सैद्धांतिक स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, नई दिल्ली की Raising and Accelerating MSME Performance योजना को प्रदेश में सैद्धांतिक रूप से लागू किये जाने की स्वीकृति दी गयी है। योजनान्तर्गत प्रदेश के लिए स्वीकृत बजट 105 करोड़ 36 लाख रूपये अन्तर्गत राज्यांश की 30 प्रतिशत राशि 31 करोड़ 60 लाख रूपये की स्वीकृति दी गयी है।

पेंशनर और परिवार पेंशनर को देय मंहगाई राहत की दर में वृद्धि

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य के शासकीय पेंशनरों परिवार पेंशनरों को देय मंहगाई राहत की दर में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। राज्य के पेंशनरों / परिवार पेंशनरों को वर्तमान में देय मंहगाई राहत सातवें वेतनमान अंतर्गत 53 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान अंतर्गत 246 प्रतिशत में 1 सितम्बर 2025 (भुगतान माह अक्टूबर, 2025) से वृद्धि की जाकर कुल मंहगाई राहत सातवें वेतनमान अंतर्गत 55 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान अंतर्गत 252 प्रतिशत किये जाने का निर्णय लिया गया है। शासकीय पेंशनरों / परिवार पेंशनरों को मंहगाई राहत में वृद्धि करने पर राज्य के कोष पर इस वित्तीय वर्ष में लगभग 170 करोड़ रूपये का अतिरिक्त व्यय भार आयेगा। छत्तीसगढ़ शासन के पत्र 25 अगस्त 2025 के अनुक्रम में सहमति प्रदान किये जाने के लिए निर्णय लिया गया है।

सरदार पटेल कोचिंग प्रशिक्षण योजना 2021 में नए प्रावधान सम्मिलित करने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद् द्वारा प्रदेश के सरदार पटेल कोचिंग प्रशिक्षण योजना वर्ष 2021 के विद्यमान प्रावधानों के साथ अन्य प्रावधानों को सम्मिलित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। योजना अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के 5 हजार युवाओं को विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रतियोगी परीक्षाओं का निःशुल्क परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अन्य निर्णय

मंत्रि-परिषद् द्वारा आरक्षक (विसबल) 620 अरुण सिंह भदौरिया, 15वीं वाहिनी विसबल, इंदौर को प्रधान आरक्षक (विसबल) के पद पर क्रम से पूर्व पदोन्नति प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

अब अपने कार्यालय में बैठकर वीडियो कांफ्रेंसिंग करेंगे विधायक

- प्रदेश के सभी 230 विधायकों को सरकार हाई टेक बनाएगी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सभी 230 विधायकों को सरकार हाई टेक बनाएगी। सभी को कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा दी जाएगी। इससे अधिकारी उनके संपर्क में रहेंगे। इस व्यवस्था को बनाने के लिए बजट में साढ़े 11 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वर्ष 2025-26 के बजट में ई-विधायक ऑफिस नाम से योजना प्रारंभ करने की घोषणा की गई थी। इसमें प्रत्येक विधायक को पांच लाख रुपये देने का प्रविधान रखा गया है। यद्यपि, आधा वर्ष बीतने के बाद इस दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

विधायकों के कार्यालय में हाई टेक बनाए जाएंगे

दरअसल, विधानसभा सचिवालय ई-विधान परियोजना पर काम कर रहा है। इसमें विधायकों को एक-एक लैपटॉप दिए जाने हैं। इसकी निविदा जारी हो चुकी है। संभावना है कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले ई-विधान व्यवस्था लागू हो जाए। इसके साथ ही विधायकों के कार्यालय भी हाई टेक बनाए जाएंगे। इससे उन्हें न केवल अपने विधायी कार्य करने में आसानी होगी, बल्कि वीडियो कॉन्फ्रेंस भी कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में दोहराई थी प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में हुई कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में भी यह बात दोहराई और कहा कि हम जल्द ही विधायकों के कार्यालयों को हाई टेक करने जा रहे हैं। इससे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की न केवल अद्यतन जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे बल्कि समीक्षा भी कर सकेंगे।

प्रभारी मंत्रियों की निष्क्रियता से जनता नाराज

- न जिलों के विकास और न दुर्घटनाओं पर लेते संज्ञान

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में शासन-प्रशासन के बार-बार के निर्देश के बाद भी प्रभारी मंत्री अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा नहीं कर रहे हैं। आलम यह है कि मंत्रियों की निष्क्रियता के कारण न तो जिलों के विकास की योजनाओं की मॉनिटरिंग हो पा रही है और न तो जनता की समस्याओं का समाधान हो पा रहा है। प्रभारी मंत्रियों की निष्क्रियता के कारण जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

गौरतलब है कि सरकार ने मंत्रियों को जिलों की जिम्मेदारी दे रखी है। लक्ष्य है मंत्री अपने जिले में विकास का नेतृत्व करेंगे। संभावित गंभीर घटनाओं को होने से रोकेंगे। जब भी जिले के लोग संकट में पड़े तो उन्हें बाहर निकालने के प्रयास और जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करेंगे। कई जिलों के प्रभारी मंत्री ऐसा करते नहीं दिख रहे। अभी हाल ही में बैतूल में भी जहरीली सिरप से दो बच्चों की मौत सामने आई। अब तक दोनों को मुआवजा भी नहीं मिला। एक बच्चे के पिता तो मुख्यमंत्री से मिलने छिंदवाड़ा भी पहुंचे थे। जब किरकिरी होने लगी तब बैतूल पहुंचे, अस्पताल का निरीक्षण किया। वहीं छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत विदेश में भी चर्चा का विषय रही। जहरीली दवा से एक के बाद एक कई बच्चों की मौत हो गई, लेकिन मंत्री राकेश सिंह अब तक एक्शन में नहीं दिखे। बड़ी घटनाओं के समय ऐसी उदासीनता और भी जिलों में देखी जा रही है, जिसको लेकर स्थानीय जनता में रोष है। जबकि स्वयं सीएम भी छिंदवाड़ा गए थे।

आपदा-विपदा में नहीं दिखते प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्रियों की निष्क्रियता का आलम यह है कि वे अपने प्रभार वाले जिलों में आपदा-विपदा आने पर भी नहीं जाते। सतना के चित्रकूट में बारिश के दौरान बाढ़ के हालात बने। कई लोगों की गृहस्थी का सामान बर्बाद हो गया। इतना सबकुछ होता रहा लेकिन प्रभारी मंत्री ने सुध नहीं ली। यही नहीं, शिवपुरी, गुना, दमोह, रायसेन में भी राहत को लेकर मंत्री सुस्त दिखे। धार के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरे को नष्ट करने के निर्णय के दौरान लोग नाराज हुए। 3 जनवरी को कई गांवों में विरोध हुआ। पीथमपुर में दो लोगों ने पेट्रोल छिड़कर आग लगा ली। सरकार को सामने आना पड़ा, तब मंत्री भी सक्रिय हुए। यह घटना चर्चा का विषय बन गई। सरकार का निर्णय पहले से तय था, तब भी जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने समय रहते मामले में प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया। घटना के बाद मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव सामने आए और स्थिति संभाली, लोग मान भी गए। कचरा वहीं नष्ट हुआ। रीवा में किसान खाद के लिए परेशान हुए। पुलिस के बल प्रयोग का सामना भी करना पड़ा। प्रदेश में भी हाल बेहाल रहे। गिने-चुने प्रभारी मंत्रियों को छोड़, किसी ने मोर्चा नहीं संभाला। जबकि रीवा व भिंड में हालात पूरी तरह बेकाबू थे। आरोप-प्रत्यारोप भी लगे। तब भी प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल समन्वय बनाते नहीं देखे गए। मुरैना में भी किसान सड़कों पर बैठे, दुकानों के सामने रातें गुजारी, लेकिन प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा की कोई सक्रिय भूमिका नहीं देखी गई। दशहरे के दिन खंडवा में प्रतिमा विसर्जन के दौरान 11 बच्चों की मौत हुई। दिलदहलाने वाली घटना के बाद मुख्यमंत्री से लेकर कई जनप्रतिनिधि पीड़ितों के परिजनों से मिलने पहुंचे।

करोड़ो का आसामी निकला कृषि साख सहकारी समिति का असिस्टेंट मैनेजर

भोपाल/ जबलपुर (एजेंसी)। ईओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा सुशील कुमार गुप्ता, सहायक प्रबंधक, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बसाड़ी तहसील बड़वारा जिला कटनी के निवास स्थान ग्राम बसाड़ी, ग्राम बनहेरी स्थित आटा मिल, धान मिल, ऑईल मिल, चक्की सहित फार्म हाउस में छापामार कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान करोड़ो की बेनामी संपत्ति उजागर हुई है। काली कमाई का यह आंकड़ा जॉच के बाद बढ़ सकता है। विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, जबलपुर द्वारा सुशील कुमार गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार से करोड़ो रूपये की असमानुपातिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। शुरुआती जॉच में शिकायत सही पाये जाने पर उसके विरुद्ध धारा-13(1)(बी)13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इसी कड़ी में मंगलवार 14 अक्टूबर को ईओडब्ल्यू जबलपुर द्वारा सुशील कुमार गुप्ता के निवास स्थान ग्राम बसाड़ी, ग्राम बनहेरी स्थित आटा मिल, धान मिल, ऑईल मिल, चक्की तथा फार्म हाउस पर तीन टीमो द्वारा एक साथ रेड मारते हुए सर्चिंग क कार्यवाही की गई। सर्च कार्यवाही के दौरान आरोपी सुशील कुमार गुप्ता और उसके परिजनों के नाम से ग्राम बसाड़ी स्थित मकान, फार्म हाउस, ग्राम बनहरी स्थित राईस मिल, ऑईल मिल की इंवेंट्री सहित ग्राम बसाड़ी स्थित वेयर हाउस और 2 मोटर सायकल, 1 ट्रैक्टर, 1 पिकअप बोलेरो एवं कृषि उपकरण प्राप्त हुये है। अब तक की कार्यवाही में आरोपी की कुल 2 करोड़ 69 लाख 14 हजार 405 रूपये की अनुपातहीन संपत्ति उजागर हुई है।

निजी नर्सिंग कॉलेजों के फैकल्टी की शिकायत पहुंची एनएचएम

- सरकारी कर्मचारियों पर 2 जगह काम करने का आरोप

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के निजी नर्सिंग कॉलेजों में फैकल्टी की नियुक्तियों को लेकर एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) में शिकायत पहुंची है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कई सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य नियमित कर्मचारी अपने सरकारी पद पर कार्यरत होने के बावजूद निजी नर्सिंग कॉलेजों में कागजों पर फैकल्टी के रूप में दर्ज हैं। इस मामले को लेकर एनएसयूआई ने एनएचएम की मिशन संचालक को औपचारिक शिकायत पत्र सौंपा और तत्काल जांच एवं कार्रवाई की मांग की।

कागजों पर फैकल्टी, हकीकत में सरकारी कर्मचारी

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि सरकारी वेतन पर कार्यरत एनएचएम कर्मचारी निजी नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी सूची में शामिल हैं, जिससे कॉलेजों को फर्जी तरीके से मान्यता दिलवाई जा रही है। यह न सिर्फ नर्सिंग काउंसिल के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि शासकीय सेवा आचरण नियमों के तहत दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह घोटाला संगठित तरीके से किया जा रहा है, जिसमें सरकारी कर्मचारी और निजी संस्थान दोनों की मिलीभगत है।

न्यायालय और सीबीआई में ले जाएंगे मामला

जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने इस घोटाले को व्यवस्थित भ्रष्टाचार करार देते हुए कहा कि यह एक सुनियोजित फर्जीवाड़ा है, जिसमें सरकारी पदों पर बैठे लोग और निजी कॉलेज संचालक नियमों को ताक पर रखकर सरकारी धन और शैक्षिक व्यवस्था दोनों का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो एनएसयूआई दस्तावेज़ों के साथ माननीय न्यायालय और सीबीआई जांच की मांग करेगा।

शासन से तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग

एनएसयूआई का कहना है कि इस प्रकार की दोहरी नियुक्ति और फर्जी फैकल्टी दिखाने की प्रवृत्ति से प्रदेश की नर्सिंग शिक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता दोनों गंभीर संकट में हैं। संगठन ने राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसे मामलों में उदाहरण स्वरूप कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी या कर्मचारी इस प्रकार की धोखाधड़ी करने का साहस न कर सके।

भारत की तीन दवाओं को लेकर डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

-25 बच्चों की जान लेने वाली कोल्ड्रिफ भी शामिल

भोपाल (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत में तीन मिलावटी कफ सिरप को लेकर चेतावनी जारी की। इनमें श्रीसन फार्मास्यूटिकल की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रीलाइफ की खेप शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि तीनों सिरप गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। ये जान के लिए खतरा पैदा करने वाली बीमारी का कारण भी बन सकते हैं। डब्ल्यूएचओ ने दुनियाभर के देशों से कहा है कि अगर उनके यहां ये दवाएं मिल रही हैं तो हमें इसकी जानकारी दें।

कोल्ड्रिफ वही सिरप है, जिससे मध्य प्रदेश में सितंबर से अब तक 5 साल से कम उम्र के 25 बच्चों की मौत हुई है। सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की मात्रा तय सीमा से लगभग 500 गुना ज्यादा थी, जिससे बच्चों की जान गई। डब्ल्यूएचओ ने 9 अक्टूबर को भारत से पूछा था कि क्या कोल्ड्रिफ कफ सिरप विदेशों में भी निर्यात किया गया था। भारत में दवाओं की निगरानी करने वाली अथॉरिटी, सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने कहा था कि कोई भी मिलावटी दवा बाहर नहीं भेजी गई। न ही अवैध निर्यात का कोई सबूत मिला है।

2019 में 150 करोड़ की बेनामी संपत्ति का हुआ था खुलासा

सहायक आबकारी आयुक्त के खिलाफ अभियोग पत्र दाखिल

भोपाल (एजेंसी)। लोकायुक्त संगठन भोपाल इकाई ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सहायक आबकारी आयुक्त आलोक खरे के खिलाफ विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया है। लोकायुक्त द्वारा दर्ज अपराध क्रमांक 238/19 के तहत आलोक खरे पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 12, 13(1)(बी), 13(2) तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान यह पाया गया कि आरोपी ने अपने ज्ञात वैध आय स्रोतों की तुलना में काफी अधिक चल-अचल संपत्ति अर्जित की है। जांच पूरी होने के बाद लोकायुक्त ने आलोक खरे और उनकी पत्नी मिनाक्षी खरे दोनों के खिलाफ अदालत में अभियोग पत्र दायर किया है। सरकार ने 2024 में आलोक खरे के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति दी थी।

बता दें लोकायुक्त ने 2019 में भोपाल, इंदौर, रायसेन और छतरपुर में आलोक खरे के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस दौरान करीब 150 करोड़ से अधिक की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ था। छापों में नकदी, सोना, फार्महाउस, बंगले और पेंटहाउस के दस्तावेज बरामद हुए थे। जांच में यह भी सामने आया था कि रायसेन के फार्महाउस में फलों की खेती से आय दिखाने के बावजूद, जिन ट्रकों से फल परिवहन दिखाया गया, वे वास्तव में ऑटो रिक्शा के नंबर पर पंजीकृत थे।

तीन किलो सोना और कई आलीशान संपत्तियां मिली थीं

छापेमारी के दौरान तीन किलो सोना बरामद किया गया था। लोकायुक्त की जांच में भोपाल के चुनाभट्टी और बाग मुगालिया स्थित दो बड़े बंगले, कोलार में फार्महाउस की जमीन, और रायसेन जिले में दो फार्महाउस के दस्तावेज मिले थे। खरे की पत्नी द्वारा दाखिल आयकर विवरण में इन संपत्तियों से होने वाली आय को फलों की खेती के नाम पर दर्शाया गया था।

सिवनी लूट मामले में 11 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

5 आरोपियों को किया गिरफ्तार : कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिवनी लूट मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे सहित 11 पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इनमें से 5 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। इसमें एसडीओपी सिवनी पूजा पांडे, एसआई अर्पित भैरम, कॉन्स्टेबल योगेंद्र, नीरज और जगदीश शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना, अपराध मुक्त वातावरण बनाना और नागरिकों की सुरक्षा पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों का मुख्य दायित्व है। अपने कर्तव्यों से हटकर कार्य करने वाले

पुलिसकर्मियों को राज्य सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिवनी प्रकरण में जो भी दोषी पाए गए हैं, उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ कानूनी कार्रवाई भी होगी। प्रदेश में कानून सबके लिए बराबर है। कानून का उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कोई भी हो। राज्य सरकार प्रदेश में सुशासन स्थापित करने सतत रूप से कार्य कर रही हैं, इस दिशा में किसी का हस्तक्षेप सहन नहीं होगा।

ये भी हैं आरोपी

सिवनी मामले में आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) डकैती, 126(2) गलत तरीके से रोकना, 140(3) अपहरण और 61(2) आपराधिक षडयंत्र के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किये गये 5 अधिकारी एवं कर्मचारियों के अलावा जिनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज की गई, उनमें प्रधान आरक्षक माखन, प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला, प्रधान आरक्षक रविंद्र उईके, आरक्षक रितेश वर्मा, एसएएफ आरक्षक केदार और एसएएफ आरक्षक सुभाष सदाफल शामिल हैं।

दिलीप बिल्डकॉन के दफ्तरों पर आईटी विभाग की कार्रवाई जारी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में दिलीप बिल्डकॉन के दो दफ्तरों पर सोमवार से शुरू हुई आयकर विभाग की पंजाब की टीम की सर्चिंग की कार्रवाई मंगलवार देर शाम तक भी जारी रही है। गौरतलब है कि अमृतसर से आई इनकम टैक्स टीम भोपाल में कंपनी के दो ठिकानो पर दस्तावेज खंगाल रही है। सूत्रो के अनुसार टीम ने बड़ी संख्या में ऐसे दस्तावेज जब्त किए हैं, जो इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट के मैनिपुलेशन और शेयर में गड़बड़ी से जुड़े हैं। बताया गया है कि पंजाब में टैक्स चोरी के मामले में की गई एक कार्यवाही के मामले में दिलीप सूर्यवंशी के लिंक मिले हैं, जिसके आधार पर छापेमारी करते हुए दिलीप बिल्डकॉन ग्रुप के मालिक दिलीप सूर्यवंशी के चूनाभट्टी स्थित दफ्तर पर सर्चिंग की जा रही है, जो जल्द ही पूरी हो जाने की संभावना है।

वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया।

भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी।

भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम को मिली टेस्ट सीरीज में पहली जीत

नई दिल्ली।एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में जीत के साथ ही भारतीय टीम को नये कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी में पहली सीरीज जीत मिली है। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम की पहली सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं अब घरेलू धरती पर भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 2-0 से हराया है। इंग्लैंड दौरे पर हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत और इंग्लैंड ने दो दो मैच जीते थे और एक मैच डॉ राह था। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम ने दोनो ही मैच आसानी से जीत लिये। पहले मैच में उसे एक पारी और 140 रनों से जीत मिली जबकि दूसरे टेस्ट में उसने सात विकेट से मुकाबला जीता।

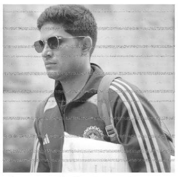

इंग्लैंड दौरे में शुभमन ने रिकार्ड 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं इस दौरे में भी दूसरे टेस्ट में उन्होंने शतक लगाया। शुभमन को कप्तान बनाये जाते समय इस फैसले की आलोचना हुई थी पर उन्होंने अपने प्रदर्शन और कुशल कप्तानी से सभी आलोचकों को गलत साबित किया है।

प्रियंका ने उज्बेकिस्तान किकबॉक्सिंग विश्व कप में स्वर्ण व मनप्रीत ने कांस्य जीता

जालंधर।एजेंसी। भारत की प्रियंका ठाकुर ने उज्बेकिस्तान किकबॉक्सिंग विश्व कप मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। प्रियंका ने उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को सीनियर वर्ग में 3-0 से हराकर ये स्वर्ण पदक जीता। वहीं भारत की ही मनप्रीत कौर ने कांस्य पदक जीता। प्रियंका ने कहा कि यह कड़े मुकाबले के बाद मिली सफलता से उत्साहित हैं। प्रियंका ने कहा कि अब उनका लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना है। इसके लिए वह अपनी ओर से कड़ा प्रयास करेंगी।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात - शुभमन

नई दिल्ली।एजेंसी। अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्सान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है।शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है।

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

जब टीम में जगह नहीं मिलने पर भड़क गये थे सहवाग

नई दिल्ली।एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रहे वीरेंद्र सहवाग के लिए साल 2008 काफी खराब रहा है। तब ऑस्ट्रेलिया दौरे में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल रही थी। जिससे वह टीम के कोच गैरी क्रिस्टन और कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी पर भड़क गये थे और यहां तक कहा था कि मैं यहां पानी पिलाने नहीं आया हूं। अंतिम ग्यारह में नहीं रखना है तो मुझे बाहर कर किसी अन्य को अवसर दो।

सहवाग ने स्वयं एक शो में ये बात बतायी है। सहवाग के लिए साल 2008 बेहद खराब रहा था। उन्होंने टीम से बाहर किए जाने के बाद संन्यास तक लेने का फैसला कर लिया था पर सचिन तेंदुलकर से समझाने के बाद अपना फैसला बदल दिया था। इसके बाद उन्होंने 2011 विश्व कप में शानदार पारी खेली थी।

सहवाग के अनुसार वो चाहते थे अगर टीम में हैं तो उनको मैच खेलने का मौका दिया जाए नहीं तो किसी और खिलाड़ी को उनकी जगह टीम में शामिल कर लिया जाए। सहवाग की जगह पर कप्तान धोनी ने पहले गौतम गंभीर और फिर बाद में रॉबिन उथप्पा को अंतिम ग्यारह में जगह दी थी। शुरु

सहवाग ने कहा, 卐जब मैं 2008 में ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर था और एकदिवसीय टीम के बीच टूर्नामेंट के दौरान बाहर कर दिया गया तो। मुझे बेहद खराब लगा। मैंने जाकर बोला, देखो मैं बाहर बैठने के लिए नहीं आया हूं, पानी पिलाने के लिए नहीं आ सकता हूं। इसलिए अगर आप मुझे टीम में नहीं रख रहे तो मैच खेलने नहीं दे रहे तो किसी और को टीम में मेरी जगह पर चुन लो। जिसे भी आप चुनेंगे उसको टीम के साथ रहने का अनुभव तो मिलेगा।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया के इंग्लिस और जम्पा चोटिल हुए

फिलिप और कुहनेमन शामिल

सिडनी।एजेंसी।भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 19 अक्टूबर से होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले दो खिलाड़ियों जोश इंग्लिस और एडम जम्पा के चोटिल होने से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। इसी को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पहले इंग्लिस और जम्पा की जगह पर जोश फिलिप और स्पिनर मैथ्यू कुहनेमन के नामों की घोषणा की है। दोनो ही टीमों के बची तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के बाद 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेली जाएगी।

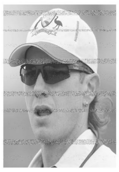

इंग्लिस पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं, जबकि जम्पा ने निजी कारणों से मैच से अपना नाम वापस ले लिया है। वहीं एलेक्स कैरी अगले महीने होने वाली एशेज सीरीज की तैयारियों के कारण पहले एकदिवसीय के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। वहीं कैरी दूसरे एकदिवसीय मैच से पहले टीम में शामिल किये गये हैं। वहीं सीए क्रिकेट के प्रवक्ता को उम्मीद है कि इंगलिस 25 अक्टूबर को सिडनी में होने वाले तीसरे एकदिवसीय मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वहीं जम्पा के विकल्प के रूप में शामिल हुए कुहनेमन 2022 के बाद अपना पहला एकदिवसीय खेल सकते हैं, जबकि मैट शॉर्ट और कूपर कोनोली अन्य स्पिन विकल्प हैं।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर, पर्थ
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर, एडिलेड
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर, सिडनी

कमिंस ने माना, उनका एशेज के पहले टेस्ट में खेलना संभव नहीं

मेलबर्न ।एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस को लगता है कि वह आगामी एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेल पायेंगे। कमिंस का कहना है कि तब तक उनकी पीठ की चोट ठीक होना संभव नजर नहीं आता। कमिंस ने कहा कि अभी वह गेंदबाजी अभ्यास भी नहीं कर पा रहे हैं। वह अभी चोट से उबर रहे हैं पर इसमें समय लगना तय है। साथ ही कहा कि वह धीरे-धीरे फिटनेस पर काम कर रहे हैं पर अभी पूरी तरह गेंदबाजी के लिए तैयार होने में उन्हें समय लगेगा।

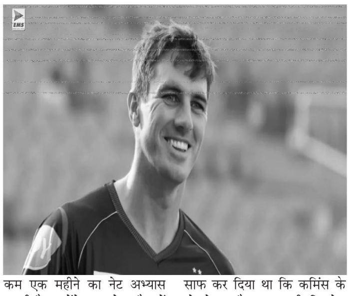

कमिंस ने बताया, मैं कहूंगा कि खेलने की संभावना अभी काफी कम है पर मैं हर दूसरे दिन दौड़ रहा हूं और धीरे-धीरे ये दूरी बढ़ा रहा हूं। अगले सप्ताह तक गेंदबाजी की तैयारी शुरू करूंगा पर टर्फ पर पूरी गति से गेंद डालने में अभी कुछ और समय लगेगा। वह अपनी फिटनेस और वर्कलोड को भी बढ़ा रहे हैं जिससे शरीर लंबे प्रारुप का दबाव झेल सके।

कमिंस के अनुसार एक टेस्ट मैच से पहले कम से कम एक महीने का नेट अभ्यास जरूरी है। उन्होंने कहा, टेस्ट मैच में गेंदबाजी करने के लिए आपको 20 ओवर फेंकने के लिए पूरी तरह तैयार रहना पड़ता है। चार सप्ताह थोड़ा अधिक समय लग रहा है ये ये आम बात है। वह इस समय जिम में विशेष अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब वह धीरे-धीरे रनिंग और गेंदबाजी से जुड़े अभ्यास की ओर जा रहे हैं।

वहीं टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पहले ही साफ कर दिया था कि कमिंस के खेलने पर फैसला उनकी फिटनेस के आधार पर होगा। वहीं कमिंस ने कहा है कि वे कोई जल्दबाजी नहीं करेंगे और किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेंगे। ऐसे में शुरुआती टेस्ट में उनकी जगह पर स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी कर सकते हैं। स्मिथ ने पहले भी श्रीलंका दौरे पर टीम की कप्तानी की थी। कमिंस ने कहा कि एशेज जैसे बड़े टूर्नामेंट से बाहर रहना निराशाजनक है, पर ये खेल का हिस्सा है।

कीटनाशक के सेवन से निजी अस्पताल में भर्ती व्यक्ति की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कीटनाशक दवाई के सेवन से नगर के एक निजी अस्पताल में 2 दिन से भर्ती एक व्यक्ति की इसी निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक व्यक्ति नेमसिंह पिता मदन सिंह मेरावी 58 वर्ष ग्राम परसाटोला थाना मलाजखंड निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेमसिंह अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में तीन बेटे और दो बेटी है। बताया गया है कि नेमसिंह शराब पीने का आदी था। 12 अक्टूबर को सुबह 6:00 बजे नेमसिंह अपने घर में सो कर उठा और घर के मवेशी बाहर बांधने के बाद साइकिल से गांव में गया था। घर आने के बाद नमसिह ने हाथ मुह धोये और बरामदे में सो गया था। कुछ देर बाद वह उल्टी करने लगा था। जिससे कीटनाशक की दुर्गंध आ रही थी। नेमसिंह को परिजनों ने तुरंत ही बिरसा अस्पताल ले गए थे ।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। किंतु परिजनों ने उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे।जहां 2 दिन चले उपचार के दौरान 14 अक्टूबर को दोपहर 2:00 बजे नेमसिंह की मौत हो गई। जिसकी लाश जिला अस्पत लाई गई। जिला अस्पताल पुलिस ने शाम होने से मृतक नेमसिंह का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए हैं।जिसका पोस्टमार्टम 15 अक्टूबर को किया जाएगा।

कार्तिक पूर्णिमा विश्व शांति बौद्ध महोत्सव बनियाटोला में 5 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। धम्म शिखर सद्धम्म प्रचार समिति बनियाटोला कायदी के नेतृत्व में कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर विश्व शांति बौद्ध महोत्सव का आयोजन आगामी 5 नवम्बर को बनियाटोला में आयोजित किया गया है। जो कि प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हो जायेगा। इस संबंध में आयोजक समिति पदाधिकारी वंदना बारमाटे द्वारा बताया गया कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन शांति के दूत तथागत सम्यक समबुद्ध द्वारा 60 भिक्षुओं के प्रथम दल को जो धम्म से खूब पककर अर्हत अवस्था प्राप्त कर चुके थे उन्हें विभिन्न दिशाओं में प्रस्थान किया गया था। इस दौरान उन्होने कहा था कि किसी प्रकार के भेदभाव किये बगैर प्रत्येक दुखी को सुखी बनाने, बेहोश को होश में लाने अनार्य को आर्य बनाने, हिंसक को अहिंसक बनाने, चोर डाकू को साहूकार बनाने,शोषक को सेवक बनाने की प्रेरणा दी गई थी। बहुजनों के हित, सुख, मंगल और कल्याण के लिये की गई इस कार्य को आगे ब ?ने के तहत हर साल की तरह इस वर्ष भी ग्राम बनियाटोला कायदी में विश्व शांति बौद्ध महोत्सव का आयोजित कार्तिक पूर्णिमा में किया गया है। इस अवसर पर पूज्य भदंत द्वारा धम्म देशना दी जायेगी। कार्यक्रम के अनुसार सुबह 9 बजे पूजा वंदना और 12 बजे भिक्षु संघ द्वारा धम्म देशना होगी और 1 बजे से स्वास्थ्य शिविर और 3 बजे से आर्केष्ट्रा बोधिसत्व प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूज्य भदंत डॉ.चंद्रकीर्ति विशेष अतिथि पूज्य भंते शील रक्षिता रहेगी और आर्केष्ट्रा में भजन गायक शशिभूषण, प्रकाश सागर रहेगें। वही स्वास्थ्य शिविर में डॉ. अजित गनवीर, डॉ.वेद लिल्हारे,डॉ.निलिमा लिल्हारे, डॉ.पलास गनवीर, डॉ.एस.एस.पिछोड़े, डॉ. आनंद गजभिये, डॉ.तरूण विजयवार, डॉ.स्मरण ठाकुर सेवा देगें। आयोजक समिति की अध्यक्ष वंदना बारमाटे,उपाध्यक्ष संजय खोब्रागड़े, सचिव दिपंकर पाटिल, कोषाध्यक्ष स्वराज बारमाटे, संयुक्त सचिव अनिल गजभिये, सदस्य अखिलेश मेश्राम व जयप्रकाश सहित अन्य ने आयोजन में अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की है।

महज पांच हजार में कैसे चलाएं घर, अंशकालीन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार को लगने वाली जनसुनवाई में मध्यप्रदेश अंशकालीन कर्मचारी संघ द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया हैं। जिसमें उन्होंने बताया कि वह जिले के अलग-अलग शासकीय कार्यालय में भृत्य का कार्य करते हैं और उनका मानदेय सिर्फ 5 हजार रूपये है। जिसमें उनका जीवन यापन बड़े मुश्किल से हो रहा है , जबकि बच्चों की पढ़ाई वह नहीं करवा पा रहे हैं, इसलिए उन्होंने मुख्यमंत्री से , मांग करी है कि उन्हें सम्मानजनक वेतन दिया जाए या फिर कलेक्टर दर अनुसार मानदेय दिया जाए नहीं तो आगामी समय में वह अपने मानदेय को लेकर उग्र प्रदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि जिले के शासकीय कार्यालय में भृत्यो के रिक्त पदो में भर्ती किए गए अंशकालीन कर्मचारियों ने मंगलवार को प्रोटेस्ट करते हुए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव को सौंपा। अंशकालीन कर्मचारियों ने सरकार से पूछा कि, बताए, इस महंगाई के दौर, महज 5 हजार रूपए महिने में वह कैसे जीवन गुजारे। उन्होंने कहा कि अल्प मानदेय में वह केवल जी रहे है, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरी कार्यो के लिए उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अंशकालीन कर्मचारियों ने सरकार से सम्मानजनक वेतन या फिर कलेक्ट्रेट दर पर मानदेय भुगतान करने की मांग की। अध्यक्ष संतोष चौधरी ने बताया कि प्रदेश भाजपा की भाजपा सरकार में यदि किसी का शोषण हो रहा है तो वह जनजातीय कार्य विभाग में कार्यरत अंशकालीन कर्मचारी। पूरे प्रदेश में आश्रम शाला, स्कूल में कार्यरत है, जो वर्षो से कार्य कर रहे है, जिन्हें केवल 5 हजार रूपए ही मासिक वेतन मिल रहा है। ऐसे में ना तो वह परिवार चला पा रहे है, बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य कुछ नहीं दे पा रहे है, प्रदेश में सबसे ज्यादा बुरी और बदत्तर स्थिति है तो वह अंशकालीन कर्मचारियों की। उन्होंने बताया कि यदि अंशकालीन कर्मचारी, अपने वेतन की मांग करता है तो उसे धमकाया जाता है कि यदि तुमने मांग की तो हम, तुम्हारी जगह दूसरा कर्मी रख लेंगें। जिससे अंशकालीन कर्मचारी ना केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से प्रता ?ित महसुस कर रहा है। हमारी मांग है कि 8 घंटे से ज्यादा काम करने वाले अंशकालीन कर्मचारियों को कम से कम कलेक्ट्रेट दर पर भुगतान किया जाए। अन्यथा जिले के अंशकालीन कर्मचारी, नवंबर में अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन करेंगे। ओमप्रकाश मडावी बताते हैं कि जिले के अलग-अलग शासकीय कार्यालय के छात्रावास सहित अन्य संस्थाओं में अंशकालिक भर्तृय को 5 हजार और अंशकालीन लिपिक को 6 हजार रूपये दिया जाता है, किंतु आज की महंगाई की स्थिति को देखते हुए यह मानदेय ना के बराबर है । जबकि देखा जाए तो आज शासकीय कार्यालय में उनसे सभी कार्य करवाये जाते हैं । उनकी मांग हैं कि कलेक्टर दर के अनुसार उन्हें मानदेय दिया जाये ।

जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक हुई सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 14 अक्टूबर को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में योगेश राजा लिल्हारे उपाध्यक्ष जिला पंचायत, समस्त सभापति टामेश्वर पटले, दलसिंह पन्द्रे, झामसिंह नागेश्वर, श्रीमती केशर बिसेन, महेश मरकाम, डुलेन्द्र ठाकरे, अभिषेक सराफ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मुख्य रूप से म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसरंचना विकास मण्डल संभाग बालाघाट, सहकारिता विभाग बालाघाट, कृषि विभाग बालाघाट, आदिम जाति कल्याण विभाग बालाघाट एवं उद्योग विभाग के कार्यो की समीक्षा की गई। अध्यक्ष जिला पंचायत बालाघाट द्वारा जिले के विभिन्न विभागों अंतर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्यो कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिये जाने की बात कही गई। बैठक में कृषि विभाग अंतर्गत खरीफ उर्वरक भंडारण एवं वितरण वर्ष 2025 की समीक्षा की गई एवं जिलें में कृषि क्षेत्र अंतर्गत नवाचार किये जाने जिसमें रबी में मक्के जैसी फसल लगाये जाने के संबंध में किसानों को जागरूक किये जाने की बात कही गई।

बालाघाट, रामपायली, खैरलांजी एवं भौरगढ़ में खाद्य विभाग की कार्यवाही

पनीर, नमकीन, पेड़ा, बर्फी, खोवा के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गये

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आमजन को मिलावट रहित एवं गुणवत्ता युक्त शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न स्थानों पर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 12 एवं 13 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बालाघाट, रामपायली एवं भोरगढ़ में खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की आकस्मिक जांच कर खाद्य सामग्री के नमूने प्रयोगशाला जांच के लिए भोपाल भेजे है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट की टीम द्वारा रामपायली की मां भवानी बीकानेर स्वीट्स का निरीक्षण कर पनीर और पेड़ा का नमूना प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किया गया और प्रतिष्ठान के संचालक को स्वच्छता के लिए सुधार नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार रामपायली की सुमित होटल एंड बेकरी से पेड़ा एवं पनीर, जयसवाल होटल से पनीर एवं सेव नमकीन तथा कृश फैमिली रेस्टोरेंट से कुंदा का नमूना लिया गया। भोरगढ़ स्थित सांई बेकरी से पेड़ा एवं पनीर तथा श्रीकांत बेकरी भोरगढ़ से बर्फी एवं खोवा का नमूना लिया गया। खैरलाँजी के राम भरोसे रेस्टोरेंट, लिल्हारे बेकरी एंड स्वीट्स, लकी केक्स एंड कैफे का निरीक्षण कर साफ स्वच्छता के निर्देश दिए गए। फेरी कर खाद्य सामग्री बेचने वाले चुटिया के खोवेवाले से खोवा का नमूना लिया गया।

बालाघाट में जेडी स्वीट्स का निरीक्षण कर उसे स्वच्छता के लिए सुधार नोटिस दिया गया और पेड़ा, मिक्चर नमकीन का नमूना जांच के लिए एकत्र किया गया। इंदौर स्वीट्स कारखाने की साफ सफाई का निरीक्षण करते हुए उसे भी सुधार सूचना का नोटिस जारी किया गया तथा कुंदा, पेड़ा एवं नमकीन सेव के नमूने जांच हेतु लिए गए। दमाहे डेयरी बालाघाट से पनीर एवं खोवा का नमूना लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है।

12 एवं 13 अक्टूबर को जिले के विभिन्न स्थानों में की गई कार्यवाही सीएमएचओ डॉक्टर परेश उपलप के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहिब योगेश डोंगरे, श्रीमती गीता टांडेकर एवं नायब तहसीलदार श्रीमती मंजुला महोबिया के दल द्वारा की गई।

खेत पड़ोसी ने युवक के सिर में लाठी मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उकवा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम लगमा में जमीन विवाद को लेकर एक युवक को उसके खेत पड़ोसी ने सिर में लाठी से मार कर घायल कर दिया। लाठी के वार से घायल युवक संकेत पिता प्रताप मरकाम 23 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संकेत मरकाम दो भाई है। बड़ा भाई सम्बल सिह मरकाम है दोनों भाई की शादी हो चुकी है और दोनों भाई अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहकर खेती किसानी करते हैं। बताया गया है कि संकेत मरकाम के हिस्से में डेढ़ एकड़ जमीन आई है और उसी के खेत से लगे झगड़ मरावी का खेत है बताया गया कि संकेत मरकाम की जमीन का कुछ भाग झगड़ मरावी ने कब्जा करके उस पर फेंसिंग कर लिया है। इसी को लेकर के झगड़ मरावी और संकेत मरकाम के बीच विवाद चल रहा है। 2 दिन पहले गांव के चौक में संकेत मरकाम और गांव के अन्य लोग बैठे हुए थे और जमीन संबंधी चर्चा कर रहे थे। संकेत मरकाम ने झगड़ मरावी से उसकी कब्जा की हुई जमीन को छोड़ने के लिए बोला था। इसी को लेकर के दोनों के बीच विवाद हो गया और झगड़ मरावी ने संकेत मरकाम को मारपीट कर उसके सिर में लाठी से वार कर दिया। लाठी के वार से संकेत मरकाम जमीन पर गिरकर बेहोश हो गया ।जिसे तुरंत ही उकवा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

साइबर जागरूकता अभियान के तहत पीएमश्री स्कूल की छात्राओं को किया गया जागरूक

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। पुलिस मुख्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) द्वारा सायबर जागरूकता माह अभियान दिनांक 01 अक्टूबर 2025 से 30 अक्टूबर 2025 तक संचालित किए जाने के संबंध में निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में बालाघाट पुलिस द्वारा जिले में विभिन्न सायबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सायबर जागरूकता के अंतर्गत थाना किरनापुर द्वारा पी. एम. श्री कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें सायबर अपराधों से बचने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों एवं विद्यालयों में उपस्थित छात्र/छात्राओं एवं शिक्षको से सायबर अपराधों के प्रति सजग रहने की अपील करते हुए Cyber Safety Is Our Responsibility संदेश दिया। साथ ही उपस्थित लोगों को सायबर हेल्पलाइन नंबर 1930, सायबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल www.cybercrime.gov.in तथा सायबर नोडल थाना बालाघाट के संपर्क नंबर 7049114987 की जानकारी दी गई, ताकि किसी भी प्रकार की सायबर ठगी या अपराध की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज करा सकें। सायबर जागरूकता कार्यक्रम मे पुलिस द्वारा उपस्थित लोगो को सायबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया । वही पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि संवेदनशील जानकारी साझा करने से बचें अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाता विवरण, और पासवर्ड को किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें।सुरक्षित इंटरनेट उपयोग हमेशा आधिकारिक और सुरक्षित वेबसाइट्स का ही उपयोग करें। सार्वजनिक ङ्घड्ढ-स्नद्ब पर संवेदनशील लेनदेन से बचें।फिशिंग ई-मेल्स से सावधान रहें कोई भी संदिग्ध ईमेल या लिंक खोलने से पहले हमेशा सुनिश्चित करें कि वह भरोसेमंद है।फोन कॉल्स और टेक्स्ट संदेशों में सावधानी बरतें अनजान कॉल्स या संदेशों के जरिए आए धोखाधड़ी के प्रयासों से बचें।

डाबरी में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, बच्चों और ग्रामीणो का किया स्वास्थ्य परीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा विकासखंड के ग्राम डाबरी में मलेरिया से 02 बच्चों की मृत्यु होने की सूचना प्राप्त होते ही कलेक्टर मृणाल मीना ने इसे संज्ञान मे लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप को स्थल पर पहुंचकर वस्तुस्थिति देखने तथा पीड़ित मरीजो के उपचार की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप 14 अक्टूबर को अपनी पूरी टीम के साथ ग्राम डाबरी पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि ग्राम डाबरी के 10 वर्षीय बालक प्रवीण मनोज मेरावी की 13 अक्टूबर की सुबह 09 बजे मृत्यु हुई है। इस बच्चे को मलेरिया था और उसे मलेरियॉ की दवाए दी जा रही थी और वह स्वस्थ हो गया था। 12 अक्टूबर को रात में अचानक उसका स्वास्थ्य खराब हुआ और उसे तेज बुखार आया था। 05 वर्षीय बालिका आयुषी धनीराम तिलगाम लातरी आंगनवाड़ी केद्र में अध्ययनरत थी। उसे भी मलेरियॉ हुआ था और वह उसकी दवा खा रही थीं। आयुषी की मॉ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता है। 10 अक्टूबर को बालिका की मलेरियॉ जांच हुई थी। 11 अक्टूबर को रात में आयुषी की तबियत गड़बड़ हुई और रात्रि 03 बजे उसकी मृत्यु हो गई। दोनो मृत बच्चों की रात्रि में तबियत गड़बड़ होने पर उनके परिजन उन्हें झाड़फूक कराने के लिए पंडा-पुजारी के पास लेकर गए थे। गांव के पंडा द्वारा बच्चों को कुछ दवा दी गई थी, जिससे उनका शरीर पीला पड़ गया था और उनकी मृत्यु हो गई थी।

डॉ. उपलप ने बताया कि डाबरी एवं आसपास के गांव में मलेरिया का सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए 40 कम्युनिटी वालिंटियर एवं कम्युनिटी हेल्थ वालिंटियर को लगाया गया है। स्वास्?थ्य विभाग की टीम 15 अक्टूबर को भी डाबरी मे रहेगी और बीमार लोगो के स्वास्थ्य पर नजर रखेगी। 14 अक्टूबर को मलेरिया से पीड़ित एक बालक को सोनगुड्डा के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डाबरी के स्कूलों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ ही ग्रामीणों का भी स्वास्थ्य परीक्षण किया है। डॉ. उपलप ने बताया कि ग्रामीणों को सलाह दी गई है कि बीमार होने पर गांव की एएनएम के पास जांच के लिए जाए। गांव में 24 घंटे एएनएम की सेवा उपलब?ध रहती है। बीमार होने पर झाड़फूंक एवं पंडा-पुजारी के चक?कर में कतई न जाए। तंत्र-मंत्र से बीमारी को ठीक नही किया जा सकता है बीमारी केवल दवाओं से ही ठीक हो सकती है।

डॉ. उपलप ने बताया कि ग्राम डाबरी में गांव का भ्रमण कर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सलाह दी कि मच्छरों को न पनपने दे। अपने घरों के आसपास गड्ढों एवं नाली आदि में पानी जमा न होने दे। मच्छरों से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। कपड़े ऐसे पहने की पूरा बदन ढका रहें और मच्छर न काट सकें। बुखार आने पर गांव के एएनएम के पास जाकर मलेरिया की जांच अवश्य करायें।

नगर सहित जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आज ही के दिन 1956 को बाबा साहब आंबेडकर ने अपने 5 लाख से अधिक अनुयायियों के साथ नागपुर की दीक्षाभूमि में बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की थी। जिससे इस दिन को सभी आंबेडकर अनुयायी धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस के रूप में मनाते है।इस दिन विशेष को याद करते हुए 14 अक्टूबर मंगलवार को बौध्य् अनुयायियों द्वारा जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस मनाया गया।जहा विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जिसकी एक झलक नगर में भी देखने को मिली। जहां बौध्य् अनुयायियों ने आंबेडकर चौक पहुंचकर सर्वप्रथम बाबा साहेब आंबेडकर को नमन कर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।वहीं मोमबत्ती जलाकर आज के इस दिन को याद करते हुए शीश वंदना की।तो वहीं उन्होंने बाबा साहेब की शान में अमर रहे के गगन चुंबी नारे लगाए। जिसके उपरांत भन्ते जी की प्रमुख उपस्थिति में बाबा साहब की प्रतिज्ञाओं का वचन किया गया। जहां उपस्थितजनों ने भी उन प्रतिज्ञाओं को दोहराते हुए उन प्रतिज्ञाओं को अमल में लाने की शपथ ग्रहण की। वही वक्ताओं द्वारा आज के इस दिन पर प्रकाश डालते हुए बाबा साहेब आंबेडकर के बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया ।

जाती उत्पीड़न से मुक्ति का दिन है धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस

बताया गया कि जाति उत्पीड़न से मुक्ति के प्रतिक रूप में धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस मनाया जाता है, जो गौतम बुद्ध के बताये गये शांति मार्ग पर चलने की सीख देता है। बाबा साहब अंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने 5 लाख से अधिक अनुयायियों के साथ भंते चंद्रमणि के द्वारा बौद्ध धर्म ग्रहण किया। डॉ. आंबेडकर ने अपने अनुयायियों को संबोधित करते हुए 22 प्रतिज्ञा भी दी थी। 14 अक्टूबर 1956 को अशोका विजयादशमी के दिन ही डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने नागपुर में अपने 5 लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। इस दिन को एक उत्सव के रूप में मनाते हैं।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी नगर में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस एक उत्सव के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंबेडकर चौक में माल्यार्पण, ध्यान साधना, प्रतिज्ञा का वाचन सहित कार्यक्रम किए गए तो वही पूजा वंदना एंव सामुहिक भोजनदान का आयोजन किया गया। जिसके उपरांत पूज्य भन्ते जी द्वारा उपासक उपासिकाओ को धम्म देशना दी गई।जिसके उपरांत मंचीय कार्यक्रम, भीम गीतों पर ऑकेस्ट्रा सहित अन्य आयोजनों के साथ देर रात कार्यक्रमो का समापन किया गया।

आज के दिन का बड़ा महत्व है- धम्मशिखर

भंते धम्म शिखर ने बताया कि हजारों वर्षो तक भेदभाव और असमानता के चलते बाबा साहब ने गुरू चंद्रमणी से बौद्ध धर्म की दीक्षा ग्रहण की और करीब 7 लाख लोगों के साथ 22 प्रतिज्ञाओ से धम्म दीक्षा दी। जिसके कारण आज के दिन का बड़ा महत्व है।

आज ही के दिन, बाबा साहब ने अपनाया था बौद्ध धर्म- दयाल

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष अधि. दयाल वासनिक ने बताया कि आज ही के दिन, बाबा साहब ने बौद्ध धर्म को अपनाकर, शोषित, वंचित तथा दलितों को एक नया रास्ता दिखाया था। उन्होंने बताया कि आज धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पर डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ ही, धम्म देशना, मंचीय कार्यक्रम, भोजन दान सहित देर रात तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए है। इस दिन को हम सभी आंबेडकर अनुयायी, एक उत्सव के रूप में मनाते हैं।

चशील ध्वजारोहण धूमधाम से मनाया गया धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय स्थित डॉ बाबा साहब बस स्टैण्ड किरनापुर मे बौद्ध धम्म उपासक उपासिकाओं द्वारा धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम डॉ बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके द्वारा पंचशील ध्वजारोहण एवं बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया गया। तत्पश्चात् सामूहिक रूप से त्रि शरण पंचशील का पाठ कर पूजा वंदना की गई। एवं बाबा साहब का जयघोष लगाए गए। तत्पश्चात् सभी शाक्य मुनि बुद्ध विहार पहुंचे और तथागत भगवान गौतम बुद्ध एवं बोधिसत्व डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती,अगरबत्ती एवं धूपबत्ती प्रज्वलित कर माहौल को सुगंधित करते हुए पुष्प अर्पित कर त्रिवार पंचांग प्रणाम किया गया।तत्पश्चात रमाताई महिला मंडल द्वारा सामूहिक रूप से त्रिशरण पंचशील का गायन कर महा परित्राण पाठ किया गया। तत्पश्चात् महामंगल गाथा एवं भीम स्तुति प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओ द्वारा उपस्थित सभी बौद्ध उपासक उपासिकाओं को धम्म चक्र प्रवर्तन एवं अशोका विजयादशमी दिवस की बधाई देते हुए सभी का जीवन मंगलमय होने की कामना करते हुए बताया कि 14 अक्टूबर 1956 मे नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि मे डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर ने अपने 5 लाख अनुयायियों के साथ बौद्ध धम्म की दीक्षा ली थी। तथा सभी उपासकों को 22 प्रतिज्ञाओं का पालन करने प्रेरित किया । तब से बाबा साहब के अनुयायी उनकी शिक्षाओं को आत्मसात कर, उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ रहे हैं। और हम सभी लोगों को शिक्षित होकर, संगठित रहते हुए धम्म कारवां को आगे बढ़ाने के लिए सबसे पहले मैं क्या कर सकता हूं, मैं तन मन धन से कितना सहयोग दे सकता हूं। इस पर विचार मंथन कर अपने समाज उत्थान के लिए कार्य करने का संकल्प लेकर कार्य करने चाहिए। और दूसरा व्यक्ति क्या कर रहा है या नहीं कर रहा है इस पर विचार करेंगें तो हम असफल हो जाएंगे। हमें अपने धम्म कारवां को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करते रहने की आवश्यकता है। वही सेवानिवृत्ति प्रधानपाठिका राजकुमारी उके द्वारा भीम गीत भीमा घे पुनहा जन्म तू या दिनान साठी ... की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा अन्य वक्ताओं द्वारा भी धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस पर एवं समाज संगठन के हितों के लिए कार्य करने अपने अपने विचार व्यक्त किए गये। वही कार्यक्रम के समापन पर खीर पुरी एवं प्रसादी का वितरण किया गया।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता जय प्रकाश रामटेके, एस सी वैद्य,आर के शेडे,एम आर बागड़े,गौतम भीमटे, एस.आर.पटले, दुर्गेश भीमटे,उमाताई मेश्राम, राजकुमारी उके, कांता वैद्य, पतिराम गजभिए, वाय आर रामटेके, जी आर बोरकर,सरोजभीमटे एन एल निकुशे,, धर्मशिला भीमटे,राकेश कुमार बोरकर, राजेन्द्र वैद्य,राहुल वैद्य,शेखर भीमटे,राजेंद्र भीमटे, ओ आर मेश्राम,मिलिंद चौरे, अंकित बोरकर, प्रकाश घोड़ेश्वर,स्वाकेश भीमटे, अमरदीप रामटेके, कमलेश मेश्राम, शानू मामा सहित अनेक बौद्ध उपासक उपासिकाओं की मौजूदगी रही।

आबादी क्षेत्र से बाहर लगेगी पटाखा दुकाने

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मृणाल मीना द्वारा जिले में अस्थायी फटाखा दुकानों के संचालन के लिए आदेश जारी किए गए है। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 20 अक्टूबर को दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया जाना है। कलेक्टर श्री मीना ने निर्देशित किया है कि दीपावली पर्व के दौरान जिले में आतिशबाजी एवं फटाखों के विक्रय के लिए लगने वाली अस्थाई फटाखा अनुज्ञप्तिधारियों का 13 से 27 अक्टूबर तक की अवधि के लिए अनुज्ञप्ति जारी की गई है। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को आदेशित किया गया है कि वे अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत आबादी क्षेत्र से बाहर अस्थाई फटाखा दुकान स्थापित कराये जाने के लिए स्थल का चयन करवाकर दुकाने स्थापित कराया जाना सुनिश्चित करें तथा नक्शे की प्रति कार्यालय कलेक्ट्रेट को शीघ्र उपलब्ध कराए।

अस्थाई फटाखा दुकानों के स्थल आवंटन के लिए आवश्यक शर्ते

कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी श्री मीना ने सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को निर्देशित किया है वे जिले के समस्त अस्थायी फटाखा अनुज्ञप्तिधारियों को फटाखा दुकानों के लिए स्थल आवंटन इन शर्तों पर ही सुनिश्चित करेंगे। जिसमें भारत सरकार पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन मुख्य विस्फोटक नियंत्रक कार्यालय भोपाल के अनुरूप आतिशबाजी की दुकान विस्फोटक नियम 2008 के नियम 84 के तहत त्यौहारों के दौरान आतिशबाजी के कब्जे और विक्रय के लिए अस्थाई दुकान के अनुरूप होनी चाहिए। आतिशबाजी अज्वलनशील सामग्री के बने शैड में रखे जाएंगे जो इस प्रकार के बन्द और सुरक्षित होगा जिससे कि अप्राधिकृत व्यक्तियों की उसमें पहुंच को निवारित किया जा सकें। आतिशबाजी के विक्रय के लिए बनी अस्थाई दुकानें, एक दुसरे से 3 मीटर की दूरी पर एवं किसी संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी पर होगी। शेड का झुकाव एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होंगे। शेड में या शैडो की सुरक्षित दूरी के भीतर तेल से जलने वाले लेंपो, गैस लेंपो या खुली बत्तियों का उपयोग नही किया जाएगा। विद्युत बत्तियों यदि उपयोग की जाती है दीवाल पर छत पर फिक्स किए जाएगें।

प्रत्येक दुकान के स्विचों को दिवाले पर दृढं रूप से फिक्त किया जाऐगा और मुख्य स्विच को शेडो की प्रत्येक पंक्ति में व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक मास्टर स्विच से फयूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए जिससे शार्ट सर्किट होने पर विद्युत प्रवाह स्वत: ही बन्द हो जाये। आतिशबाजी को किसी शेड के पचास मीटर के भीटर प्रदर्शन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा। किसी एक क्लस्टर में 50 से अधिक अस्थाई दुकानें लगाने की अनुमति नहीं होगी। किसी दुकान के 50 मीटर के अन्दर आतिशबाजी का प्रतिबन्धित होगा। विद्युत कनेक्शन हेतु विधिवत अनुमति प्राप्त किया जावेगा। प्रत्येक दुकानदार अपनी दुकान में पानी से भरे ड्रम/बाल्टियां एवं रेत से भरी कम से कम दो-तीन बाल्टी रखेंगा। दुकान पर धुम्रपान निषेद होगा जिसका बोड लगाने की व्यवस्था की जावेगी। प्रत्येक अस्थाई फटाखा लायसेंसी को अस्थाई अनुज्ञप्ति दुकान में प्रदर्शित करना होगा। प्राय: देखा गया है कि दिपावली पर्व के समय तीन मीटर के गेप में भी आतिशबाजी का भण्डारण किया जाता है जो कि असुरक्षित है।

अस्थाई फटाखा बिक्री क्षेत्र में प्रवेश पूर्व किसी भी तरह की ज्वलनशील सामग्री जैसे बाक्स लाईटर आदि न ले जाया जावे तथा अस्थाई फटाखा बिक्री क्षेत्र/परिसर में आतिशबाजी/फटाखों का प्रदर्शन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। समस्त अस्थाई फटाखा अनुज्ञप्तिधारी व्यापारी संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी/तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/मुख्य नगरपालिका/नगरपरिषद अधिकारी/सचिव ग्राम पंचायत द्वारा निर्धारित स्थल पर ही दुकाने संचालित करेंगे। सडक के किनारे/घर पर या किराना दुकानों पर फटाखा विक्रय नहीं किया जायेगा। ऐसा करते पाये जाने नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी श्री मीना ने निर्देशित किया है कि विस्फोटक नियम 2008 के अंतर्गत उपरोक्त सभी निर्देशो का कडाई से पालन किया जावे एवं आतिशबाजी परिसरों में सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखते हुये समय-समय पर भौतिक सत्यापन करना सुनिश्चित करे ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकें।

मालखाने से 55 लाख नगदी और सोने-चांदी के जेवर गायब

थाने के प्रधान आरक्षक ने पूछताछ के वक्त मालखाने में सुसाईड की कोशिश भी की, एफआईआर दर्ज, जुए में उड़ाए लाखों रुपए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कोतवाली थाने के मालखाने में रखे लाखों रुपए और सोने चांदी के जेवरात मालखाने के इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पन्द्रे द्वारा गायब करते हुए लाखों रुपए से जुए खेलने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि राजीव पन्द्रे बीते दो वर्षों से थाना कोतवाली के मालखाने का इंचार्ज था। यहां पर अलग-अलग आपराधिक मामलों के लाखों रुपए रखे हुए थे। जिससे मालखाने का इंचार्ज राजीव पन्द्रे जुआ खेलता था और जुआ खेलने के दौरान राजीव पन्द्रे ने लाखों रुपए जुऐ में हार गए। इस घटना का खुलासा उस समय हुआ जब, बीते दिनों एक मामले में प्रार्थी को पैसा वापस किया जाना था, किंतु राजीव पन्द्रे द्वारा पैसे वापस किए जाने को लेकर टालमटोल किया जाने लगा, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को राजीव पन्द्रे पर शक हुआ और उन्होंने शक्ति से पूछताछ की तो राजीव पन्द्रे ने मालखाने के अंदर अपने आप को बंद कर सुसाइड करने की कोशिश की, हालांकि अन्य पुलिसकर्मियों की सजगता के चलते कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। पुलिस ने इस पूरे विषय पर राजीव पन्द्रे पर मामला पंजीबद कर लिया है ।

बालाघाट कोतवाली थाने के मालखाने से लगभग 55 लाख रूपये सहित सोने,चांदी के जेवरात गायब होने का मामला सामने आया है। 14 अक्टूबर को कोतवाली थाने में वरिष्ठ अधिकारियों के आने के साथ कोतवाली पुलिस हड़कंप में नजर आ रही थी। जिसके बाद जानकारी ली गई तो पता चला कि कोतवाली थाने के मालखाने में रखे लगभग 35 से 40 अलग-अलग मामलों के लाखों रुपए और सोने, चांदी के जेवरात गायब है। यहां कोतवाली थाने में पदस्थ प्रधानआरक्षक राजीव पन्द्रे बीते दो वर्षों से कोतवाली थाने के मालखाने का इंचार्ज था, जो बीते कुछ महीनो से कोतवाली थाने में रखे लाखों रुपए से जुआ खेलता था। कई लाख रुपये वह जुआ में हार भी गया था , किंतु बीते दिनों एक मामले में प्रार्थी महिला को उनके पैसे वापस किए जाने थे, तब कोतवाली थाना प्रभारी द्वारा मालखाने के इंचार्ज प्रधान आरक्षक राजीव पन्द्रे को महिला के पैसे वापस दिए जाने की बात कही गई ,तब जानकारी निकलकर सामने आई की मालखाने के इंचार्ज द्वारा लाखों रुपए जुऐ में हारते हुए सोने चांदी के जेवरात भी मालखाने से गायब कर दिये गये हैं, जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों ने शक्ति से पूछताछ की तो इंचार्ज द्वारा मालखाने के अंदर ही सुसाइड करने की कोशिश की गई , हालांकि अन्य पुलिसकर्मियों की सजगता के चलते कोई अप्रिय घटना थाने में नहीं घटी, वही बताया यह भी जा रहा है कि यह घटना दो से तीन दिन पहले ही घट चुकी थी और पुलिस ने इस मामले में राजीव पन्द्रे से पूछताछ करते हुए एफआईआर दर्ज भी कर ली है, हालांकि इस घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस ने सिर्फ विभागीय अधिकारियों को दी थी, मीडिया में इस जानकारी की भनक नहीं थी , वही इस पूरी घटना को लेकर पुलिस महानिरीक्षक संजय सिंह द्वारा पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा में यह स्पष्ट

कर दिया गया कि कोतवाली थाने के एक पुलिसकर्मी द्वारा यह घटना कारित की गई है । जिसको लेकर पुलिस नियम अनुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर रही है।

सिवनी और गोंदिया में जाकर जुआ खेलता था पुलिसकर्मी

सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि मालखाने का इंचार्ज राजीव पन्द्रे बालाघाट ही नहीं बल्कि सिवनी और महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में जाकर बड़े स्तर पर जुआ खेलता था। जहां पर राजीव पन्द्रे ने मालखाने में रखे लाखों रुपए जुए में हार गया । पुलिस द्वारा यह भी बताया जा रहा है कि इस मामले में पुलिस उन लोगों पर भी कार्रवाई करेगी जो पुलिसकर्मी के साथ जुआ खेला करते थे , इसमें सूत्रों की माने तो जुआ खेलने में अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हो सकते हैं , तो जुआ खेलने में राजीव पन्द्रे के साथ बड़े स्तर के लोगों के भी नाम पुलिस कार्रवाई में सामने आ सकते हैं।

35 से 40 अलग-अलग अपराधों के थे ,मालखाने में पैसे

कोतवाली पुलिस द्वारा अनौपचारिक चर्चा में यह भी बताया गया कि मालखाने में लगभग लाखों रुपए रखे हुए थे, जो अलग-अलग अपराधों में पुलिस द्वारा जप्त किए गए थे ,जैसे कुछ चोरियां , लूट और साइबर ठगी से पुलिस द्वारा रिकवर कर न्यायलय के आदेश पर थाने में रखे जाते थे , उनके लाखों रुपए और सोने चांदी के जेवरात मालखाने में रखे जाते थे जिनका इंचार्ज पुलिसकर्मी बीते दो वर्षों से कोतवाली थाने में बना हुआ था।

2 दिन पहले ही घट चुकी थी घटना

सूत्रों की माने तो मालखाने से लाखों रुपए गायब होने का मामला 14 अक्टूबर का नहीं हैं , बल्कि यह घटना 2 से 3 दिन पहले ही घट चुकी थी और पुलिस द्वारा विभागीय स्तर पर इस पूरे मामले में जांच करते हुए पुलिसकर्मी राजीव पन्द्रे पर एफआईआर दर्ज कर ली गई थी और कोतवाली पुलिस शहर के अलग-अलग क्षेत्र में राजीव पन्द्रे द्वारा जुआ खेले जाने के सीसीटीवी कैमरे देख रही थी ,वहीं बीते दो दिनों से कोतवाली पुलिस गोंदिया रोड ,सराफा बाजार के सीसीटीवी कैमरे देख रही थी, जिसमें स्थानीय कुछ होटल में राजीव पन्द्रे के जुआ खेलने में शामिल लोगों की भी पहचान की जा रही है, तो कुछ सोना, चांदी की दुकानों में पुलिसकर्मी द्वारा बेचे गए जेवरातों की भी पताशाजी सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से की जा रही है।

पुलिसकर्मी पर एफआईआर दर्ज हो गई है - संजयसिंह

पुलिस महानिरीक्षक संजयसिंह ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि कोतवाली थाने के मालखाने से 55 लाख रुपए सहित सोने और चांदी के जेवरात मालखाने के इंचार्ज द्वारा गायब किए गए थे , मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस द्वारा पुलिसकर्मी से 40 लाख रूपये के साथ कुछ सोना चांदी बरामद कर लिए गए हैं , साथ ही पुलिसकर्मी पर एफआईआर दर्ज हो गई है। पुलिस जल्द ही इस विषय को लेकर प्रेस नोट जारी करेगी और पुलिसकर्मी पर नियम अनुसार कार्रवाई करेगी ।

पुलिस ने प्रेस नोट किया जारी

इस पूरे विषय को लेकर 14 अक्टूबर की देर शाम पुलिस द्वारा प्रेस नोट जारी करते हुए बताया गया कि थाना कोतवाली बालाघाट में पदस्थ प्रधान आरक्षक राजीव पन्द्रे, जो मालखाना प्रभारी के पद पर पदस्थ हैं, जिनके विरुद्ध मालखाने में संरक्षित विभिन्न अपराध प्रकरणों से संबंधित जब्त मशरूका में अनियमितता पाई जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा एक प्रकरण में सुपुर्दनामे की कार्यवाही दौरान मालखाना प्रभारी प्र. आर राजीव पन्द्रे का आचरण संदिग्ध प्रतीत हुआ। इस पर थाना प्रभारी द्वारा मालखाने का भौतिक सत्यापन कराया गया, जिसमें विभिन्न अपराधिक प्रकरणों में जब्त कुल 55 लाख रूपये की राशि एवं कुछ सोने चांदी के जेवरात मालखाने से अनुपलब्ध पाए गये। इस संबंध में तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा प्रकरण की विधिवत जांच उपरांत प्रधान आरक्षक राजीव पन्द्रे के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 316(5) भारतीय न्याय संहिता एवं धारा 13(1) (ए)/13 (2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की गई है। प्रकरण की गंभीरता देखते हुए प्रकरण की विवेचना उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा की जा रही है।

बाघ के नाखुन तस्करी करते दो गिरफ्तार, दो फरार

13 नाखुन को बेचने के फिराक में थे आरोपी
उकवा वन विभाग की कार्यवाही, भेजा गया जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में वन्य प्राणी शिकार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।जहां कुछ लोग वन्य प्राणियों का शिकार उनके अवशेषों की तस्करी के लिए कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोग मांस के लिए वन्य प्राणियों का शिकार कर आए दिन इन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लगातार बढ़ते जा रहे वन्य प्राणियों के शिकार वाले मामले के बीच उकवा वन विभाग की टीम ने बाघ के नाखूनों की तस्करी करते दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से बाघ के 13 नाखून जप्त किए गए हैं, जबकि इसी मामले में लिप्त अन्य दो आरोपी फरार बताए गए हैं। जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। उधर बाघ के नाखून की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार करने की बात विभागीय अधिकारियों द्वारा कही गई है।

जेब से निकली लाल कपड़े की पोठली में बंधे थे बाघ के 13 नाखून

प्राप्त जानकारी अनुसार, आरोपियों को पकड़ने के लिए 12 अक्टूबर को डब्लूसीसीबी भोपाल से वन परिक्षेत्र अधिकारी को सूचना के आधार कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम के साथ एक दल का गठिन किया गया, परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम उकवा से छपरवाही मार्ग पर अमरूटोला रोड़ के पास चार व्यक्तियों को दो मोटरसाइकिल के पास खड़े देखा गया, जो फॉरेस्ट के अधिकारी को देख भागने लगे जिसमें से दो व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया, जिन्होने नाम महेंद्र पिता शोभाराम मड़ावी तथा महेंद्र राऊत पिता रामेश्वर राऊत बताया, महेंद्र की तलाशी लेने पर उसके जेब से लाल कपड़े की बंधी एक पोटली में 13 नग नाखून वन्य प्राणी बाघ के मिले। उसके द्वारा बताया गया कि उक्त नाखून वन्य प्राणी बाघ के है। जिस व्यापारी को बेचने के लिए खड़े थे व्यापारिक को किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले फंडकी मोहगांव निवासी को जानकारी है कि वह किसे बेच रहा था या उसने किस व्यापारी ने बात किया। उक्त अपराध में लिप्त अन्य दो फरार आरोपी सतीश पिता प्रताप भलावी मैरा लामता निवासी एवं किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले ग्राम फंडकी मोहगांव निवासी बताया गया हैं।

पकड़ाए दोनो आरोपियों को न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

उत्तरसामान्य वन मण्डल के उकवा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमरूटोला रोड़ के पास से वन विभाग की टीम ने वन्य प्राणी बाघ के 13 नाखुन की तस्करी करते हुए दो व्यक्तियों को रंगेहाथ पकड़ा गया हैं, आरोपियों को बैहर न्यायालय में पेश किया गया है। वहीं दो अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए।मौके से वन्य प्राणी बाघ के 13 नग नाखून, दो मोटरसाइकिल जप्त कर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2747/47 दिनांक 12 अक्टूबर को पंजीकृत किया गया, महेंद्र मड़ावी और महेंद्र राऊत को बैहर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया हैं। इस पूरे प्रकरण में कु. प्रियंका मरकाम वन क्षेत्रपाल वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर उकवा, राजेंद्र कुमार गनवीर उपवन क्षेत्रपाल, कन्हैयालाल मडावी कार्यवाहक वनपाल, सचिन पदमें वनरक्षक, बजारीसिंह ठाकरे वनरक्षक, प्रताप चौरसिया वनरक्षक, कमलेश मसराम वनरक्षक एवं अन्य स्टाफ का सहयोग रहा।

अन्य आरोपियों को भी जल्द किया जाएगा गिरफ्तार- मरकाम

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी उकवा, प्रिंयका मरकाम ने बताया कि डब्लूसीसीबी भोपाल के आधार पर उमरिया क्षेत्र में बाघ के नाखुनों की तस्करी करने को लेकर सूचना मिली थीं, जहां दो बाईक में चार लोंग थे, दो लोगों के पास से 13 बाघ के नाखुन बरामद किया गया है। अग्रीम कार्यवाई करते हुए दो आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया हैं, आरोपियों ने बाघ के नाखुन कहा से लाए यह जांच जारी है। जल्द ही मामले में लिप्त अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 15 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे बालाघाट से कटंगी के लिए प्रस्थान करेंगी और प्रातः 11 बजे ग्राम घुनाड़ी में अटल सुशासन भवन (ग्राम पंचायत भवन) के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगी। दोपहर 12:30 बजे वे ग्राम महदूली में सामुदायिक भवन एवं सभामंच के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 02 बजे ग्राम खजरी में विश्वकर्मा समाज सामुदायिक भवन के भूमिपूजन एवं सोसायटी भवन तथा सभामंच के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके पश्चात वे दोपहर 03 बजे सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत अस्पताल मैदान कटंगी में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में उपस्थित रहेंगी। सांसद श्रीमती पारधी सायं 04 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में शामिल होंगी।

महज 3 घंटे के भीतर सुने मकान से सोने चांदी के जेवरात पार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुये महज 3 घंटे की भीतर इस सूने मकान से सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। बीती रात चोरी की यह वारदात ग्राम लामता के वार्ड नंबर 17 मरारी मोहल्ला में हुई। लामता पुलिस ने कलीमुद्दीन पिता अहमद कुरैशी 66 वर्ष वार्ड नंबर 17 मुरारी मोहल्ला लामता निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लामता के मरारी मोहल्ला निवासी कलीमुद्दीन कुरैशी पीडब्ल्यूडी विभाग में खानसामा के पद से सेवानिवृत हुए हैं और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर में रहते हैं। जिनके दो बच्चे बालाघाट में रहते हैं और कभी-कभी लामता आते जाते रहते हैं। 13 अक्टूबर की राशि 9ः00 बजे कलीमुद्दीन अपनी पत्नी के साथ अपने घर में ताला लगाकर सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अज्जू खटीक के घर गए थे और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद रात्रि लगभग 11:45 बजे दोनों पति-पत्नी घर वापस आए और घर के सामने का ताला खोलकर अंदर पहुंचे तो देख घर के अंदर का सामान बिखरा पड़ा हुआ था और पीछे का दरवाजा खुला हुआ था। दरवाजे की कुंडी टूटी हुई थी। अलमारी और पेटी में रखा एक जोड़ी चांदी की पैरपटी एक जो ?ी चांदी की पायल ,एक नग सोने की अंगूठी अन्य सामान नहीं थे। रात्रि 9ः00 बजे से 11ः45 के बीच अज्ञात चोरो ने घर के पीछे के दरवाजे की कुंडी तोड़कर अलमारी और पेटी में रखे जेवरात अन्य सामान चोरी कर ले गए। चोरी गए जेवरातों की कीमत 18900 बताई गई है। लामता पुलिस ने कलीमुद्दीन कुरैशी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध रात्रि घर की चोरी करने के आरोप में धारा 331(4) 305 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, प्रधान संपादक - उमेश बागरेचा, मो.नं. - 9425138710, स्थानीय संपादक - विपिन बिहारी शांडिल्य, रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट